@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 3 मई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 178 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बरगी क्रूज हादसा

सर्च अभियान का दायरा बढ़ा

तीन मासूम बच्चों समेत 4 लोग अब भी लापता

एजेंसी
जबलपुर । मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में बरगी डैम क्रूज हादसे के बाद से चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन को शनिवार को और तेज कर दिया गया। यह हादसा गुरुवार शाम को हुआ था। हादसे के वक्त क्रूज में 41 लोग सवार थे। अब तक मिली जानकारी के अनुसार इस घटना में 9 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 4 लोग अभी लापता हैं। लापता लोगों में तीन बच्चे और एक वयस्क शामिल हैं। प्रशासन और रेस्क्यू टीमें लगातार उन्हें ढूंढने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है।

पुलिस और प्रशासन के मुताबिक, हादसे के तुरंत बाद 28 लोगों को सुरक्षित पानी से बाहर निकाल लिया गया था। ये सभी लोग अब सुरक्षित हैं और उनसे पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के आखिरी पलों की जानकारी मिल सके। वहीं, बाकी लोगों की तलाश अभी जारी है।

हादसे के बाद से ही सेना के गोताखोर, आपदा राहत दल और स्थानीय प्रशासन की टीमें लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई हैं। नदी के बहाव और जलाशय की गहराई को देखते हुए सर्च ऑपरेशन को काफी चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। इसके बावजूद टीमों ने सर्च एरिया को बढ़ाकर लगभग 5 किलोमीटर डाउनस्ट्रीम तक फैला दिया है, ताकि कोई भी सुराग छूट न जाए।

मप्र के जबलपुर बरगी डैम क्रूज हादसे में लापरवाही आयी सामने

हादसे में कई तरह की लापरवाही भी सामने आयी है। जिसके बाद प्रशासन ने मामले को लेकर जांच के आदेश दिए हैं और कई कर्मियों पर कार्रवाई की गई है। सामने आए वीडियो में लापरवाही की तस्वीर साफ नजर आ रही है। मौसम विभाग के ऑरेंज अलर्ट के बावजूद यात्रियों को बिना लाइफ जैकेट के ही क्रूज पर चढ़ा दिया गया था। हादसे से बचे रोशन आनंद ने बताया कि किसी भी यात्री को पहले से लाइफ जैकेट नहीं दी गई थी। जब क्रूज डगमगाने लगा, तो लोग घबराकर इधर-उधर भागने लगे। करीब आधे घंटे तक अफरा-तफरी रही। बाद में यात्रियों ने खुद कैबिन में रखी सील पैक लाइफ जैकेट निकालीं और पहनने की कोशिश की।

अधिकारियों का कहना है कि सभी शव मिलने के बाद मामले में आगे की जांच शुरू की जाएगी और एफआईआर दर्ज की जाएगी। जांच में यह देखा जाएगा कि नाव में सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं, क्षमता से ज्यादा लोग तो सवार नहीं थे और क्या लाइफ जैकेट जैसी जरूरी सुरक्षा व्यवस्था मौजूद थी या नहीं।

रेस्क्यू ऑपरेशन में दो घंटे की देरी

हादसे के समय राहत कार्य में भी गंभीर लापरवाही सामने आई। शाम 6 बजे क्रूज आंधी के कारण पलट गया। 6:15 बजे सूचना मिलने के बाद 6:40 बजे टीम रवाना हुई, लेकिन वाहन स्टार्ट नहीं हो पाया। इसके बाद संसाधनों को दूसरे वाहन में शिफ्ट किया गया। दूसरा दल शाम 7 बजे रवाना हुआ, जिससे बचाव कार्य में दो घंटे से ज्यादा की देरी हो गई।

47 लोग सवार, लेकिन सिर्फ 29 के टिकट

जबलपुर में नर्मदा नदी पर बने बरगी डैम में यह क्रूज पर्यटकों से भरा हुआ था। इस पर करीब 47 लोग सवार थे, जबकि टिकट केवल 29 यात्रियों के ही जारी किए गए थे। हादसा किनारे से लगभग 300 मीटर दूर हुआ। उस समय हवा की रफ्तार करीब 74 किलोमीटर प्रति घंटा थी। बरगी सिटी सीएसपी अंजुल मिश्रा के मुताबिक एसडीआरएफ की टीम ने कई लोगों को बचाया, लेकिन तेज हवा, अंधेरा और खराब मौसम के कारण राहत कार्य में दिक्कतें आई।

संदीप पाठक पर दो एफआईआर दर्ज

भाजपा ने भगवंत मान पर बदले की कार्रवाई का लगाया आरोप

एजेंसी
नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक के खिलाफ पंजाब में दो एफआईआर दर्ज की गई है। भाजपा ने भगवंत सरकार पर निशाना साधते हुए इसे बदले की भावना से की गई कार्रवाई बताया। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में पंजाब की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि पंजाब पुलिस ने राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक के आवास पर छापेमारी की कोशिश की, जबकि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पहले से ही खराब बनी हुई है। आम आदमी पार्टी की सरकार में पुलिस अपराध पर नियंत्रण करने के बजाय इस तरह की कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि भगवंत मान सरकार के प्रति लोगों के मन में गुस्सा है। इसी हताशा, निराशा और गुस्से के चलते

बदले की भावना से कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल से जवाब मांगते हुए 'नई राजनीति' के दावों पर भी सवाल खड़े किए।

स्पिरिट एयरलाइंस 34 साल बाद हुई बंद

सभी उड़ानें रद्द, 17 हजार नौकरियों पर संकट

एजेंसी
नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट और तेल की बढ़ती कीमतों के बीच अत्यंत कम लागत वाली अमेरिकी एयरलाइंस कंपनी स्पिरिट एयरलाइन ने 34 साल बाद अपने परिचालन को तुरंत प्रभाव से बंद करने का ऐलान किया है। कंपनी ने अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं और ग्राहक सेवा को बंद कर दिया गया है। एयरलाइन के इस कदम से 17 हजार लोगों की नौकरियां जाने का खतरा है।

स्पिरिट एयरलाइंस ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि उसकी सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं क्योंकि व्हाइट हाउस से संभावित बेलआउट न मिल पाने के बाद उसने अपने ऑपरेशन्स को व्यवस्थित तरीके से बंद करना शुरू कर दिया है, जो तत्काल प्रभाव से लागू है। एयरलाइन ने कहा स्पिरिट की सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। स्पिरिट एविएशन होल्डिंग्स, इंक, जो स्पिरिट एयरलाइंस की मूल कंपनी है, उसने 500 मिलियन डॉलर की बचाव डील हासिल करने में नाकाम रहने के बाद अपना कामकाज बंद कर दिया है। दरअसल, बढ़ती ईंधन कीमतों और ईरान युद्ध के असर से कंपनी पहले ही वित्तीय संकट और दिवालियापन से जूझ रही थी। इस बंदी से करीब 17 हजार कर्मचारियों की नौकरियों पर असर पड़ सकता है और विमानन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा घटने की आशंका है।

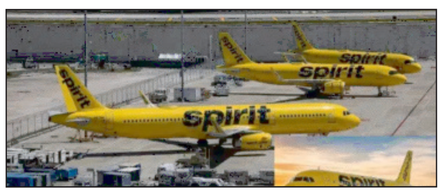

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार स्पिरिट एयरलाइंस ने आज खेद के साथ घोषणा की है कि कंपनी ने अपने परिचालन को व्यवस्थित रूप से बंद करना शुरू कर दिया है, जो तत्काल प्रभाव से लागू है। जिससे टिकटों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है और यात्रियों को परेशानी का भी सामना करना पड़ रहा है। इसके नतीजे दिखने लगे हैं, हवाई किराया बढ़ रहा है और दूसरी एयरलाइंस इस बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए आगे आ रही हैं।

एग्जिट पोल 'कॉपी-पेस्ट' हैं, इन पर भरोसा नहीं कर सकते : भूपेश बघेल

एजेंसी
गुवाहाटी। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने असम विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल पर सवाल उठाते हुए उन्हें अविश्वसनीय बताया है। उन्होंने कहा कि ऐसे पूर्वानुमान अक्सर सही साबित नहीं होते। गुवाहाटी में आयोजित विपक्षी दलों के एक भोज कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री ने बताया। मतगणना से पहले पार्टी की तैयारियों को लेकर कांग्रेस उम्मीदवारों और नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जा रही है। इस बैठक में डीके शिवकुमार और राज्य नेतृत्व भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि यह

बैठक आगामी 4 मई को होने वाली मतगणना से पहले रणनीति तय करने के उद्देश्य से की जा रही है। एग्जिट पोल में भाजपा-नीत एनडीए को बढ़त दिखाए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भूपेश बघेल ने कहा कि ये आंकड़े पहले की तरह ही 'कॉपी-पेस्ट' हैं और इन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में पुनर्मतदान के मुद्दे पर बघेल ने कहा कि विपक्षी दल शुरू से ही सतर्क रहे, जिसके कारण किसी भी तरह की कथित अनियमितताओं को रोका जा सका।

मई की संभावित गर्मी से घबराने की जरूरत नहीं: जितेंद्र सिंह

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह ने मई महीने में संभावित गर्मी और लू को लेकर जनता से घबराने की बजाय सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। मौसम पूर्वानुमान को सही ढंग से समझकर और दिन-प्रतिदिन की सरल सावधानियों से प्रभाव को कम किया जा सकता है। डॉ. सिंह ने शनिवार को अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार देश के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान और हीटवेव की स्थिति बन सकती है,

लेकिन यह पूरे देश में समान रूप से प्रभावी नहीं होगी। समय पर तैयारी और आईएमडी द्वारा समय-समय पर जारी सलाहों का पालन करके इसे प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है। डॉ. सिंह ने लोगों को सलाह दी कि वे पर्याप्त पानी पिएं, दोपहर की धूप से बचें और बच्चों, बुजुर्गों एवं बाहरी काम करने वालों का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग के नियमित अपडेट पर नजर रखना जरूरी है।

कांकेर में आईईडी ब्लास्ट; डीआरजी के तीन जवानों का बलिदान

एजेंसी
कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में नक्सल ऑपरेशन के दौरान बड़ा हादसा हुआ है। शनिवार को आईईडी निष्क्रिय करने के दौरान जोरदार विस्फोट हुआ, जिसमें डीआरजी के तीन जवान बलिदान हो गये। वहीं एक जवान गंभीर रूप से घायल है, जिसे अस्पताल भेजा गया है, जहां पर इलाज जारी है।

डीआरजी टीम प्रदेश के कांकेर-नारायणपुर सीमा क्षेत्र में नक्सलियों के छिपाए गए डंप की तलाश में निकली थी। इस दौरान आईईडी को हटाने की कोशिश में अचानक ब्लास्ट हो गया, जिससे तीन जवान वीरगति को प्राप्त हो गए। कांकेर एसपी निखिल राखेचा ने घटना की पुष्टि की है। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में सर्च अभियान तेज कर दिया है। पूरे इलाके को घेर लिया है ताकि अन्य संभावित को खोजकर निष्क्रिय किया जा सके। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में नक्सलियों की संभावित गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए सतर्कता बढ़ा दी गई है।

ये जवान हुए बलिदान
इंस्पेक्टर सुखराम वट्टी
कॉन्स्टेबल कृष्णा कोमरा
कॉन्स्टेबल संजय गढपाले

यह जवान घायल
कॉन्स्टेबल परमानंद कोमरा

कैसे हुआ हादसा

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टिलिंगम के अनुसार, पिछले कुछ महीनों में आत्मसमर्पित माओवादी कैडरों की ओर से दी गई जानकारी और अन्य इनपुट के आधार पर माओवादियों के पूर्व में छिपाकर रखे गए सैकड़ों आईईडी बस्तर रेंज में पुलिस एवं सुरक्षा बलों की तरफ से बरामद कर निष्क्रिय किए गए थे, लेकिन आज की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जब कांकेर जिला पुलिस दल आईईडी को निष्क्रिय कर रहा था, तभी वह आकस्मिक रूप से विस्फोट हो गया, जिसके कारण तीन पुलिस बल के सदस्य वीरगति को प्राप्त हो गये। वहीं एक जवान गंभीर रूप से घायल है। आगे की जानकारी अलग से जी जायेगी।

पुणे में 4 साल की बच्ची से रेप और हत्या

• 65 साल का आरोपी गिरफ्तार

सीएम बोले- सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी

एजेंसी
गुवाहाटी। महाराष्ट्र के पुणे में एक व्यक्ति ने 4 साल की बच्ची से रेप के बाद पत्थर से कुचलकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने 65 साल के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्ची पुणे के भोर तहसील में रहने वाली अपनी नानी के यहां गर्मी की छुट्टियां बिताने आई थी। भीमराव कांबले (आरोपी) दोपहर करीब दो बजे बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने घर के पास बने तबेले में ले गया। वहां बच्ची से रेप करने के बाद उसकी हत्या कर दी। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री और एनसीपी (एसपी) नेता अनिल देशमुख ने मामले में आरोपी के लिए फांसी और मामला की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराने की मांग की थी। इसके बाद महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सरकार इस मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराएगी और अपराधी के लिए फांसी की मांग करेगी।

तबेले से मिला बच्ची का शव

काफी देर तक बच्ची घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। कुछ लोगों ने तबेले में भी बच्ची को तलाशा तो उसका शव बरामद हुआ। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की तलाश की तो एक फुटेज में आरोपी बच्ची को तबेले की ओर ले जाता हुआ नजर आया। पुलिस ने तुरंत भीमराव कांबले को हिरासत में ले लिया। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है।

• एनसीपी (एसपी) नेता और सांसद सुप्रिया सुले ने आरोपी को कठोर से कठोर सजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह घटना बेहद शर्मनाक और मानवता को कलंकित करने वाली है।

मालदा में भाजपा की अहम संगठनात्मक बैठक

मतगणना की तैयारियों पर चर्चा

एजेंसी
मालदा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने कार्यकर्ताओं को तैयार करने में जुट गई है। दोनों पार्टियां अपने कार्यकर्ताओं को मतगणना से संबंधित जानकारी और प्रशिक्षण देने में जुटी है। इसी क्रम में शनिवार को भाजपा के केंद्रीय नेताओं की मौजूदगी में पुरातन मालदा के एक होटल में संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। इसमें केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, राष्ट्रीय महामंत्री और पश्चिम बंगाल के प्रभारी सुनील बंसल, मंगल पांडेय, सांसद खगेन मुर्मू समेत मालदा डिवीजन के 28 विधानसभा क्षेत्रों के भाजपा उम्मीदवार और पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में मुख्य रूप से मतगणना की तैयारियों और रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक के बाद उत्तर मालदा के सांसद खगेन मुर्मू ने कहा कि चुनाव के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को उनके अच्छे काम के लिए केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें धन्यवाद देने के साथ संगठनात्मक दिशा-निर्देश भी दिए। उत्तर मालदा के सांसद विश्वास जताया कि मतगणना के बाद भाजपा को बड़ी सफलता मिलेगी और राज्य में पार्टी का प्रदर्शन मजबूत रहेगा उन्होंने दावा किया की चार मई को पूरा बंगाल भगवामय होगा।

अब तक 2,922 नाविक सुरक्षित वापस लाए गए

खाड़ी क्षेत्र में भारतीय ध्वज वाले जहाज पूरी तरह सुरक्षित

एजेंसी
नई दिल्ली । सरकार ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि अब तक 2,922 से अधिक भारतीय नाविकों (सीफेयरर्स) को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है, जिनमें पिछले 24 घंटों में 30 लोग खाड़ी क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों से लाए गए हैं। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, भारतीय मिशनों और समुद्री क्षेत्र से जुड़े अन्य पक्षों के साथ मिलकर नाविकों की सुरक्षा और समुद्री गतिविधियों को सुचारु बनाए रखने के लिए लगातार काम कर रहा है। मंत्रालय ने कहा, 'क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और पिछले 24 घंटों में किसी भी भारतीय ध्वज वाले जहाज से जुड़ी कोई घटना सामने नहीं आई है। डीजी शिपिंग कंट्रोल रूम ने अब तक 8,335 कॉल्स और 17,838 से अधिक ईमेल संभाले हैं। पिछले

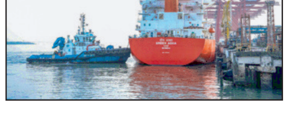

24 घंटों में 67 कॉल और 144 ईमेल प्राप्त हुए। ' बयान में आगे कहा गया है कि देश भर के बंदरगाहों पर कामकाज सामान्य रूप से चल रहा है और कहीं भी जाम (कंजेशन) की स्थिति नहीं है। विदेश मंत्रालय भी खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र की स्थिति पर नजर बनाए हुए है और वहां रह रहे भारतीयों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रयास कर रहा है। सरकार ने बताया कि समय-समय पर नई एडवाइजरी

• अब तक तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने 2,490 भारतीय नागरिकों को ईरान से जमीनी रास्तों के जरिए सुरक्षित बाहर निकाला है।

जारी की जा रही हैं, जिनमें स्थानीय नियम, यात्रा और उड़ानों की जानकारी, कांसुलर सेवाएं और अन्य सुविधाओं के बारे में बताया जाता है। भारतीय दूतावास वहां रह रहे भारतीयों और संगठनों से लगातार संपर्क में हैं और उनकी समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। उड़ानों की स्थिति धीरे-धीरे बेहतर हो रही है और खाड़ी क्षेत्र से भारत के लिए अतिरिक्त उड़ानें भी चलाई जा रही हैं। यूएई में सुरक्षा और संचालन के आधार पर सीमित कमर्शियल फ्लाइट्स चल रही हैं। सऊदी अरब और ओमान से भी भारत के लिए नियमित उड़ानें जारी हैं। सरकार ने बताया कि इराक का हवाई क्षेत्र सीमित उड़ानों के साथ खुला है, जिससे लोग भारत आ सकते हैं। ईरान का हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुला है, जहां कार्गो और चार्टर्ड उड़ानें चल रही हैं। भारतीय नागरिकों को ईरान की यात्रा से बचने की सलाह दी गई है और जो लोग वहां हैं, उन्हें भारतीय दूतावास की मदद से जमीनी रास्तों से वापस आने के लिए कहा गया है।

ईसीआई ने पश्चिम बंगाल चुनाव 2026 के लिए सुरक्षा कवच मजबूत किया

165 अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षक और 77 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात

एजेंसी
नई दिल्ली । भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 की मतगणना प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी, शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। आयोग ने 165 अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षकों और 77 पुलिस पर्यवेक्षकों की तैनाती की घोषणा की है। यह फैसला मतगणना केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने तथा कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सतर्क नजर रखने के उद्देश्य से लिया गया है। ईसीआई के प्रेस नोट के अनुसार, ये अतिरिक्त

पर्यवेक्षक उन 165 विधानसभा क्षेत्रों में तैनात किए जाएंगे जहां एक से अधिक मतगणना कक्ष हैं। मुख्य मतगणना पर्यवेक्षकों की सहायता के लिए ये अतिरिक्त अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। वहीं, पुलिस पर्यवेक्षक आवंटित विधानसभा क्षेत्रों के मतगणना केंद्रों के आसपास सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की देखरेख करेंगे। आयोग ने साफ निर्देश दिया है कि पुलिस पर्यवेक्षक किसी भी हालत में मतगणना कक्ष के अंदर प्रवेश नहीं करेंगे। भारत के संविधान के अनुच्छेद 324 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 20बी के तहत दिए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए ईसीआई ने यह तैनाती की है। इन अधिकारियों को इस अवधि के दौरान आयोग में प्रतिनियुक्त माना जाएगा और वे सीधे आयोग के अधीक्षण एवं नियंत्रण में कार्य करेंगे। आयोग ने मतगणना प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) द्वारा ईसीआईनेट पोर्टल के माध्यम से एक समर्पित मॉड्यूल से मतगणना कर्मियों, उम्मीदवारों और उनके एजेंटों के लिए क्यूआर कोड आधारित फोटो पहचान पत्र जारी किए जाएंगे। मतगणना केंद्रों में प्रवेश केवल इन्हीं पहचान पत्रों के आधार पर सख्ती से अनुमति दी जाएगी। मतगणना पर्यवेक्षक और रिटर्निंग ऑफिसर के अलावा किसी भी व्यक्ति को मतगणना कक्ष के अंदर मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। यह व्यवस्था मतगणना की गोपनीयता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए की गई है।

धनबाद में दर्दनाक हादसा : कोयले की स्लरी में दबकर 4 मजदूरों की मौत, कई के फंसे होने की आशंका

धनबाद (एजेंसी)। झारखंड के धनबाद जिले से शनिवार शाम एक दर्दनाक औद्योगिक हादसे की खबर सामने आई है। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) की मुनीडीह कोल वाशरी परियोजना में स्लरी लोडिंग के दौरान अचानक कोयले का भारी ढेर मजदूरों पर आ गिरा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस हादसे में अब तक 4 ठेका मजदूरों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि शनिवार शाम करीब 5 बजे ट्रकों में स्लरी लोड करने का काम चल रहा था, तभी अचानक स्लरी का बड़ा हिस्सा भरभराकर नीचे गिर पड़ा और वहां काम कर रहे मजदूर उसकी चपेट में आ गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, बीसीसीएल प्रबंधन और राहत दल मौके पर पहुंच गए। जेसीबी मशीनों और अन्य उपकरणों की मदद से युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। स्थानीय प्रशासन ने चार शव बरामद होने की पुष्टि की है। घटना के बाद मजदूरों और परिजनों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। हादसे ने एक बार फिर खदानों और औद्योगिक परियोजनाओं में सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

क्रूज हादसा : बरगी से निकाले गए दो बच्चों के शव, मृतक संख्या 11 हुई

जबलपुर (एजेंसी)। बरगी में चल रहे सर्च अभियान के दौरान आज शनिवार शाम विराज सोनी पिता कृष्ण सोनी (5) निवासी कोतवाली व श्रीतमिल पिता कामराज (5), निवासी वेस्टलैंड खमरिया का शव पाया गया। दो शव और मिलने के बाद क्रूज हादसे में मृतक संख्या बढ़कर 11 पहुंच गई है। बरगी बांध में गुरुवार को डूबे क्रूज में सवार लापता चार पर्यटकों में से दो बच्चों के शव मिल गए हैं, जबकि दो अन्य की तलाश अब भी जारी है। हादसे के 48 घंटे बाद भी राहत एवं बचाव दल लापता लोगों की खोज में जुटा हुआ है। विराज सोनी का शव शनिवार शाम 6 बजे घटनास्थल के पास मिला है। शव को सफेद कपड़े में लपेटकर मेडिकल कॉलेज भिजवाया है। इसके साथ ही हादसे में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। कामराज (45) और उनका भतीजा मयूरम अब भी लापता है। सेना के साथ एनडीआरएफ-एसडीआरएफ वोट से सर्चिंग कर रही है। तेज हवा और डैम में उठ रही लहरों के कारण रेस्क्यू में समस्या आ रही है। मौके पर पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौजूद हैं। सर्चिंग टीम ने लापता लोगों की तलाश के लिए दायरा बढ़ा दिया है। एसडीओपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि बीच-बीच में सर्चिंग कुछ देर के लिए रोकी जाती है। छोटी वोट होने के कारण तेज हवा में रेस्क्यू अभियान संभलकर चलाना पड़ रहा है। हादसे को हुए 48 घंटे से ज्यादा हो चुके हैं। अब भी 2 लोगों की बॉडी नहीं मिली है।

जहां क्रूज डूबा वहां मगरमच्छ नहीं देखे गए

मध्य प्रदेश टूरिज्म अधिकारियों ने कहा कि घटना स्थल पूरी तरह पथरीला है, इसलिए यहां मगरमच्छ नहीं देखे गए हैं, क्योंकि वे आमतौर पर कीचड़ वाले स्थान पर रहते हैं। बरगी बांध में मगरमच्छ हो सकते हैं, लेकिन वे घटनास्थल से कई किलोमीटर दूर हैं। जहां क्रूज डूबा, वहां पहले कभी मगरमच्छ नहीं देखे गए और न ही स्थानीय लोगों ने ऐसा सुना है।

दिल्ली सीएम टिप्पणी मामला : पीयूष सुराणा को जमानत, कांग्रेस का सत्ता के दुरुपयोग का आरोप

अजमेर (एजेंसी)। राजस्थान के अजमेर में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर कथित अश्लील टिप्पणी मामले में गिरफ्तार कांग्रेस नेता पीयूष सुराणा को जमानत मिली है। खबर मिलते ही अजमेर कांग्रेस शहर अध्यक्ष डॉ. राजकुमार जयपाल के नेतृत्व में कार्यकर्ता एडीएम सिटी कार्यालय पहुंचे और भाजपा पर सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सुराणा को बिना किसी निष्पक्ष जांच के गिरफ्तार किया गया था। डॉ. जयपाल ने कहा कि कांग्रेस हमेशा महिलाओं का सम्मान करती है और इस पूरे मामले की वरिष्ठ अधिकारी से निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने थाने में भाजपा महिला मोर्चा के कथित व्यवहार को भी निंदनीय बताकर जांच की मांग की। नेता प्रतिपक्ष द्रौपदी कोली ने भाजपा पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को डराने की कोशिश करने का आरोप लगाकर कहा कि पार्टी इसतरह के प्रयासों से डरेगी नहीं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के पक्ष में कांग्रेस हमेशा खड़ी रही है और हमारे कार्यकर्ता को बिना जांच के गिरफ्तार किया गया। कांग्रेस नेता कोली ने भाजपा महिला मोर्चा के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जमानत पहले भी मिल सकती थी, लेकिन जानबूझकर इसमें देरी की गई।

बिहार में ऑर्केस्ट्रा पर पुलिस का शिकंजा : 21 नाबालिग रेस्क्यू, मानव तस्कर एजेंट गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)। बिहार पुलिस ने पूरे राज्य में ऑर्केस्ट्रा पर बड़ी कार्रवाई शुरू की है, जो अब तक देह व्यापार का अड्डा बने हुए थे। पुलिस मुख्यालय के आदेश के बाद, इन ऑर्केस्ट्रा को रेड लाइट एरिया की तर्ज पर स्कैन किया जा रहा है ताकि इसमें चल रहे अवैध धंधों का पर्दाफाश हो सके। सीवान में 450 से अधिक ऑर्केस्ट्रा की जांच के दौरान अब तक 21 नाबालिग लड़कियों को रेस्क्यू किया गया है, इन लड़कियों से जबरन जिस्मफरोशी कराई जा रही थी। इसी कड़ी में, सारण पुलिस ने एक ऑर्केस्ट्रा से एक बांग्लादेशी लड़की को भी बरामद किया। किशनगंज में भी छापेमारी कर पुलिस ने 5 पुरुषों और 3 महिलाओं को गिरफ्तार किया है। सीवान पुलिस इन अवैध ऑर्केस्ट्रा को पूरी तरह बंद कराने की तैयारी में जुट गई है। पुलिस ने लड़कियों की खरीद-फरोख्त करने वाली मुख्य एजेंट गुड़िया को सीवान से गिरफ्तार किया है। उस पर नेपाल, बंगाल और देश के अन्य हिस्सों से लड़कियों की तस्करी करने का गंभीर आरोप है। पुलिस अधिकारियों ने दावा किया है कि अगले 15 दिनों के भीतर ऑर्केस्ट्रा पर और भी बड़े पैमाने पर कार्रवाई की जाएगी, जिससे इस धंधे में फंसी और भी कई लड़कियों को मुक्त कराया जा सकेगा।

एग्जिट पोल्स पर ममता का हमला, शेयर बाजार में हेरफेर का लगाया आरोप

-टीएमसी 200 पार के साथ सत्ता में करेगी वापसी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के बाद सामने आए एग्जिट पोल्स पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इन एग्जिट पोल्स की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए शनिवार को कहा, कि इनके जरिए शेयर बाजार में हेरफेर करने की कोशिश की जा रही है।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख एवं सीएम ममता बनर्जी ने एग्जिट पोल्स को पूरी तरह खारिज करते हुए दावा किया कि उनकी पार्टी इस बार 200 से अधिक सीटें जीतकर सत्ता में वापसी करेगी। मतगणना से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर पार्टी की स्थिति बेहद मजबूत है और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम जीत के रूप में सामने आएगा।

सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि एग्जिट पोल्स का इस्तेमाल केवल जनमत का आकलन करने के लिए नहीं, बल्कि शेयर बाजार के व्यवहार को प्रभावित करने के एक औजार के रूप में किया जा रहा है। पार्टी सूत्रों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में इस बात का दावा किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया, एग्जिट पोल स्टॉक मार्केट में हेरफेर करने की एक कोशिश के अलावा और कुछ नहीं हैं। 2021 और 2024 में भी ऐसा ही किया गया था और इस बार भी वही प्रयास हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि टीएमसी फिर से सरकार बनाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अंतिम समय तक सतर्क और सक्रिय रहने की अपील की।

अभिषेक ने किया समर्थन

ममता के बयान के बाद अभिषेक बनर्जी ने भी उनकी बातों का समर्थन किया। डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव के दौरान मतदाताओं, खासकर महिलाओं को डराने-धमकाने के लिए केंद्रीय बलों का दुरुपयोग किया है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के नेता गांव-गांव जाकर माहौल प्रभावित करने की कोशिश करते रहे हैं। इस बीच कई जगहों पर महिलाओं व बच्चों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं भी सामने आई हैं। साथ ही, उन्होंने मीडिया के एक वर्ग पर भी पक्षपातपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप लगाया। चुनाव परिणामों से पहले इस तरह के आरोप-प्रत्यारोपों ने राज्य की राजनीति को और गर्मा दिया है। अब सबकी नजरें मतगणना के नतीजों पर टिकी हैं, जो इन दावों की सच्चाई को स्पष्ट करेंगे।

मिशन पंजाब-शाह संभालेंगे कमान, ड्रग्स के खिलाफ भाजपा छेड़ेगी बड़ा अभियान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मैराथन चुनावी अभियान के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पंजाब की राजनीति पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित कर दिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए भाजपा ने फ्रमिशन पंजाबफ्र का खाका तैयार किया है, जिसके तहत अमित शाह अब चुनाव होने तक हर महीने राज्य का दौरा करेंगे। इस बार भाजपा की चुनावी रणनीति के केंद्र में ड्रग्स

का मुद्दा रहने वाला है। बताया जा रहा है कि मई महीने से ही पंजाब में नशे के खिलाफ एक व्यापक अभियान की शुरुआत की जाएगी, जिसकी कमान स्वयं अमित शाह संभालेंगे। इस अभियान के अंतर्गत पूरे राज्य में जागरूकता यात्राएं निकाली जाएंगी, जिनमें समय-समय पर केंद्र और राज्य स्तर के दिग्गज नेता भी शिरकत करेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर जैसे राज्यों में सत्ता में होने के कारण भाजपा वहां मजबूत स्थिति में है, लेकिन पंजाब में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए उसे एक बड़े और प्रभावी मुद्दे की तलाश थी। ऐसे में ड्रग्स के खिलाफ यह मुहिम चुनावी बिसात पर एक अहम चाल मानी जा रही है। भाजपा नेताओं का दावा है कि यह अभियान केवल राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि पंजाब के युवाओं को बचाने और सामाजिक बदलाव लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। शाह के नेतृत्व में तैयार होने वाला यह नशामुक्त पंजाब रोडमैप राज्य की सियासत में नई हलचल पैदा करने वाला साबित होगा। आने वाले समय में ड्रग्स, कानून-व्यवस्था और विकास जैसे मुद्दों पर राज्य का राजनीतिक पारा और अधिक चढ़ना तय माना जा रहा है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती गोरखपुर से निकालेंगे ‘गविष्ठी धर्मयुद्ध यात्रा’

वाराणसी (एजेंसी)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती गौरक्षा का संकल्प लेकर ‘गविष्ठी धर्मयुद्ध यात्रा’ निकालेंगे। यह यात्रा प्रदेश के 403 विधानसभाओं से होकर गुजरेगी। यात्रा के दौरान शंकराचार्य सनातनी जनता से संवाद स्थापित करके उनको गौरक्षा के लिए श्रेष्ठ योगदान प्रदान करने के लिए प्रेरित करेंगे।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का कहना है कि गौमाता को राष्ट्र माता और राज्य माता घोषित कर उनके प्राणों की रक्षा करने में सरकार के समक्ष क्या कठिनाई है। क्या गौमांस के व्यापार से ही भारत के उदर की पूर्ति होगी। जगद्गुरू शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि गौमाता के प्राणों की रक्षा के लिए जितना यत्न भारत में हुआ अगर उतना प्रयास पाकिस्तान में भी होता तो वहां भी गौमाता के प्राणों की रक्षा सुनिश्चित कर उनको राष्ट्रमाता घोषित कर दिया जाता। दुर्भाग्य है कि भारत में खुद को हिंदूवादी कहने वाली सरकार के कानों पर जूं तक नही रेंग रही है। आखिर गौमाता को राष्ट्र माता और राज्य माता घोषित कर उनके प्राणों की रक्षा करने में सरकार के समक्ष क्या कठिनाई है? क्या अब गौमांस के व्यापार से ही भारत के उदर की पूर्ति होगी। गौमाता की रक्षा एवं प्रतिष्ठा के लिए सरकार को स्वयं सज्ञान लेकर कानून बनाना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि जब लोकतंत्र में हर जगह बहुमत से निर्णय होता है, तो गौमाता की रक्षा के लिए इस देश का बहुमत बार-बार निवेदन कर रहा है। फिर भी बहुमत की अवज्ञा करने का क्या कारण है। भारत में सभी सनातनी चाहते हैं कि गौमाता राष्ट्रमाता घोषित हों, लेकिन स्वतंत्रता के 78 वर्ष बीत जाने के बाद भी हिंदुओं की आवाज को अनसुनी किया जा रहा है। धिक्कार है सरकारों को, जिन्होंने हिंदुओं के वोट लेकर हिंदुओं के साथ छल किया है। अब समय आ गया है कि सनातनी राजनीति का प्रारंभ कर अपने गौमाता के प्राणों एवं सनातनी मूल्यों की रक्षा करें। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कि हम लोगों की 11 मार्च को लखनऊ में गविष्ठी यात्रा की घोषणा हुई थी। उत्तर प्रदेश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों से होकर यह गुजरेगी।

बंगाल में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के बावजूद निष्पक्ष मतदान नहीं हुआ: अल्वी

-चुनाव आयोग पर कांग्रेस ने लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक बयानबाज़ी तेज हो गई है। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने चुनाव प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान व्यापक स्तर पर अनियमितताएं हुई हैं, जो लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संकेत हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ दो-चार जगहों पर अनियमितताएं नहीं हुई बल्कि पूरे बंगाल में हुई हैं। बंगाल और असम में जिस प्रकार से चुनाव हुआ वह लोकतंत्र पर कलंक है।

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने शनिवार को कहा कि गड़बड़ियां केवल कुछ क्षेत्रों तक सीमित नहीं थीं, बल्कि पूरे पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के बावजूद निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित नहीं हो पाया। उनके अनुसार, करीब ढाई लाख केंद्रीय बलों की मौजूदगी के बावजूद जिस तरह की घटनाएं सामने आईं, वह लोकतंत्र पर ‘कलंक’ के समान हैं।

चुनाव आयोग भाजपा का अग्रिम संगठन बना?

कांग्रेस नेता ने यह भी दावा किया कि चुनाव ड्यूटी में ऐसे अधिकारियों को तैनात किया गया, जिनका झुकाव भारतीय जनता पार्टी की ओर है। उन्होंने मतगणना प्रक्रिया को लेकर भी आशंका जताई और कहा कि वहां भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया जा सकता है। इसी संदर्भ में उन्होंने तीखा सवाल उठाते हुए कहा, ‘क्या चुनाव आयोग भाजपा का कोई अग्रिम संगठन बन गया है?’

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी किसी भी स्थिति में पश्चिम बंगाल में सत्ता हासिल करना चाहती है। अल्वी ने यह भी

कहा कि यदि राज्य में भाजपा की सरकार बनती है, तो यह देश के लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकता है।

फाल्टा में हुए विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि टीएमसी कार्यकर्ता हिंसा या गड़बड़ी में शामिल हैं, तो चुनाव आयोग और तैनात पैरामिलिट्री बल क्या कर रहे हैं। उनके अनुसार, चूंकि चुनाव के दौरान पूरा प्रशासन चुनाव आयोग के अधीन होता है, इसलिए किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की जिम्मेदारी आयोग पर ही आती है।

कमर्शियल सिलेंडर महंगा: मायावती बोलीं, जनता पर महंगाई की एक और मार

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने हाल ही में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में हुई 993 रुपये की भारी वृद्धि पर अपनी गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने इस बढ़ोत्तरी को आम जनता के लिए एक बड़ी मार बताकर कहा कि पहले से ही बढ़ती महंगाई से जूझ रहे गरीब और मध्यम वर्ग पर इस तरह का अतिरिक्त बोझ डालना जनहित के बिल्कुल खिलाफ है। बसपा प्रमुख ने केंद्र सरकार से मांग की है कि पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों को नियंत्रित रखने वाली नीति को लगातार जारी रखा जाए। उनका मानना है कि ऐसा करने से ही जनता को राहत मिल सकेगी और देश में बढ़ती महंगाई पर लगाम लगाई जा सकेगी। अपने एक्स पर लिखते हुए मायावती ने बताया कि देश में कमर्शियल सिलेंडर की भारी किल्लत के बीच, उसकी कीमत में एकमुश्त 993 रुपये की वृद्धि और उसका आम जनजीवन पर पड़ने वाला प्रभाव सभी मीडिया की सुर्खियों में है। उन्होंने इस आशंका पर चिंता जाहिर की कि जल्द ही रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल सहित अन्य पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं, जिससे लोगों में बेचैनी व्याप्त है। मायावती ने कहा कि इसका वास्तविक कारण चाहे अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध हो या कुछ और, केंद्र सरकार ने जिस तरह से राज्यों के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों को काफी हद तक नियंत्रण में रखा था, उसी नीति को वर्तमान में भी व्यापक जनहित और जनकल्याण के लिए जारी रखना चाहिए। उन्होंने इस देशहित में उचित बताया। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में इस तरह की वृद्धि से देश के अधिकतर गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों पर पड़ने वाले प्रभाव का गंभीरता से आकलन करे और उसी के आधार पर अपनी नीतियों का निर्धारण करे ताकि जनता को वास्तविक राहत मिल सके।

राजनीतिक पाला बदलना राघव चड्ढा को पड़ा भारी

सोशल मीडिया पर अनफॉलो अभियान से जेन-जेड दे रही है झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के पूर्व पोस्टर बॉय राघव चड्ढा के लिए भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का फैसला डिजिटल मोर्चे पर एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। चड्ढा, जो अपनी आधुनिक सोच और युवा छवि के लिए जाने जाते थे, इन दिनों सड़कों पर होने वाले प्रदर्शनों के बजाय एक अलग तरह के विरोध का सामना कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल और उनकी पुरानी पार्टी के समर्थकों ने अब सोशल मीडिया पर अनफॉलो बटन को अपना हथियार बना लिया है। विशेष रूप से जेनरेशन जेड के युवाओं के बीच उनकी घटती लोकप्रियता चर्चा का विषय बनी हुई है।

एक चार्टर्ड अकाउंटेंट से राजनेता बने राघव चड्ढा की पहचान हमेशा से एक एक्सेसिबल नेता की रही है। ब्लिंकिट डिलीवरी जैसे रोजमर्रा के उदाहरणों और सामान्य व्यवहार के कारण युवा उन्हें पुराने ढर्रे के राजनेताओं से अलग मानते थे। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के साथ उनके विवाह ने उन्हें एक ग्लैमरस पहचान भी दी, जिससे वे युवाओं के लिए एक पड़ोस के लड़के (बॉय नेक्स्ट डोर) वाली छवि में फिट बैठते थे। हालांकि, जानकारों का मानना है कि उनका अचानक पाला बदलना युवाओं को पुरानी और गंदी राजनीति की वापसी जैसा महसूस हुआ है, जिससे उनका मोहभंग हो रहा है।

राजनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, युवा मतदाताओं में छवि को लेकर बहुत संवेदनशीलता होती है। राजनीति विज्ञान के जानकारों का कहना है कि युवा सांसदों से अक्सर सार्वजनिक नैतिकता और स्वच्छ राजनीति की एक नई संस्कृति लाने की उम्मीद की जाती है। चड्ढा ने अपनी छवि एक ऐसे नेता के रूप में गढ़ी थी जो आम जनता के मुद्दों से सरोकार रखता है, लेकिन हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों ने उनके समर्थकों को निराश किया है। विशेषकर जेन-जी विश्वासघात या व्यक्तिगत विशेषाधिकार को सुरक्षित रखने वाले राजनीतिक कदमों को आसानी से स्वीकार नहीं करती।

आज के दौर में डिजिटल दुनिया में किसी को अनफॉलो करना केवल एक तकनीकी क्रिया नहीं, बल्कि एक सशक्त राजनीतिक बयान बन गया है। यह बिना शोर मचाए अपनी असहमति दर्ज कराने का आधुनिक तरीका है। चड्ढा ने जो ऑनलाइन पहचान और साख बनाई थी, अब उसी के कारण उनके हर कदम की सूक्ष्मता से जांच हो रही है। सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स की संख्या में गिरावट यह स्पष्ट संकेत देती है कि डिजिटल युग में लोकप्रियता जितनी जल्दी मिलती है, उतनी ही जल्दी राजनीतिक निष्ठा बदलने पर छिन भी सकती है। चड्ढा के लिए अब चुनौती अपनी इस खोई हुई डिजिटल साख को फिर से हासिल करने की है।

नीतीश कुमार ने छोड़ा सीएम आवास, 7 सर्कुलर रोड बना नया पता

-लालू के पड़ोसी बने नीतीश

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 1 अणे मार्ग स्थित सीएम हाउस को खाली कर दिया है। अब वह अपने नए पते 7 सर्कुलर रोड पर शिफ्ट हो गए हैं। उनके बेटे निशांत कुमार भी इसी नए आवास में उनके साथ रहने वाले है। शनिवार को ही मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी उनसे मिलने 7 सर्कुलर रोड पहुंचे, जहां उप मुख्यमंत्री विजय चौधरी पहले से मौजूद थे। इन तीनों के बीच करीब बीस मिनट तक मंत्रिमंडल विस्तार पर चर्चा हुई। इससे पहले, सुबह नीतीश कुमार उप मुख्यमंत्री विजेंद्र यादव के आवास पर गए और करीब दस मिनट तक वहां रुके।

शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा के शुभ मौके पर नीतीश कुमार ने अपने इस नए बंगले में विधिवत पूजा-अर्चना की थी। इस दौरान निशांत कुमार भी मौजूद रहे और पूजा के लिए विशेष रूप से बौद्ध भिक्षुओं को आमंत्रित किया गया था। पूजा के बाद वह वापस 1 अणे मार्ग लौट गए थे, लेकिन शनिवार सुबह तक उनके सामान को नए आवास में स्थानांतरित करने का काम जारी रहा। इस बंगले को फूलों से सजाया गया है और सुरक्षा के मद्देनजर यहां पहले ही जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा तैनात कर दी गई है।

बीते बीस सालों में यह दूसरी बार है जब नीतीश ने सीएम हाउस छोड़कर 7 सर्कुलर रोड वाले बंगले में कदम रखा है। इसके पहले 2014 के लोकसभा चुनाव में हार के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ दिया था और जीतनराम मांझी को मुख्यमंत्री बनाया था, तब वे करीब आठ महीने बंगले में रहे थे। 7 सर्कुलर रोड स्थित यह बंगला नीतीश ने अपनी विशेष देखरेख में तैयार करवाया है। यह

आधुनिक तकनीक से निर्मित है और बड़े भूकंप के झटकों को सहने में सक्षम है। बंगले के लॉन को खास लुक देने के लिए कोलकाता से मंगवाकर घास लगाई गई है। यह आवास पहले मुख्यमंत्री के कार्यालय के रूप में उपयोग किया जा रहा था। इस नए आवास में शिफ्ट होने के साथ ही नीतीश और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव एक-दूसरे के पड़ोसी बन गए हैं। राबड़ी आवास यहां से बस दो घर बाद है, दोनों बंगलों के बीच करीब 200 मीटर की दूरी है और दोनों सर्कुलर रोड के दक्षिण तरफ स्थित हैं।

भारत बनाएगा अग्नि-6 बैलिस्टिक मिसाइल और हाइपरसोनिक हथियार

-यह मिसाइल पुरानी अग्नि श्रृंखला की तुलना में कहीं ज्यादा बेहतर रेंज

नई दिल्ली(एजेंसी)। डीआरडीओ प्रमुख समीर वी कामत ने देश की रक्षा क्षमताओं को लेकर जानकारी दी जिसमें अग्नि-6 बैलिस्टिक मिसाइल और हाइपरसोनिक हथियारों के विकास की प्रगति शामिल है। उन्होंने बताया कि भारत की सबसे आधुनिक इंटरकांटिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-6 का कार्यक्रम शुरू करने के लिए डीआरडीओ पूरी तरह तैयार है और अब केवल केंद्र सरकार की मंजूरी का इंतजार है। यह मिसाइल पुरानी अग्नि श्रृंखला की तुलना में कहीं ज्यादा बेहतर रेंज और मारक क्षमता वाली होगी।

दिल्ली में आयोजित एक नेशनल सिक्योरिटी समिट में कामत ने भारत की बढ़ती सैन्य ताकत का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया, जिसमें अग्नि-6 के साथ-साथ हाइपरसोनिक मिसाइलों पर तेजी से चल रहे काम को भी रेखांकित किया गया। उनका दावा है कि आने वाले समय में भारत की मिसाइल शक्ति विश्व की सबसे घातक ताकतों में से एक होगी। अग्नि-6 को भारत के रक्षा बेड़े की सबसे अहम कड़ी माना जा रहा है। यह हजारों किलोमीटर दूर बैठे दुश्मन को निशाना बनाने में सक्षम होगी।

डीआरडीओ प्रमुख ने संकेत दिया कि इसकी तकनीक मौजूदा प्रणालियों से कई गुना आगे है, और इसमें मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल टेक्नोलॉजी होने की उम्मीद है। इसका अर्थ है कि एक ही मिसाइल एक साथ कई अलग-अलग ठिकानों पर हमला कर सकेगी। सरकार की मंजूरी मिलते ही भारत उन चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो जाएगा जिनके पास यह अत्यंत घातक और लंबी दूरी की मिसाइल क्षमता है। समीर वी कामत ने हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल के बारे में भी अहम जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि भारत का एलआर-एएसएचएम कार्यक्रम अब उन्नत चरण में पहुंच चुका है, और बहुत जल्द इस हाइपरसोनिक मिसाइल का पहला परीक्षण किया जा सकता है। भारत वर्तमान में दो प्रकार की हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी पर काम कर रहा है। हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल और हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल। उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्लाइड मिसाइल का विकास क्रूज मिसाइल की तुलना में काफी आगे है। इसकी गति इतनी प्रचंड होती है कि किसी भी रडार सिस्टम के लिए इसे पकड़ना करीब असंभव हो जाता है। हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल स्क्रैमजेट इंजन का उपयोग करती है और अपनी पूरी उड़ान के दौरान इंजन की शक्ति से संचालित होती है। भारत इन दोनों पर अनुसंधान कर रहा है, लेकिन ग्लाइड संस्करण का परीक्षण अब अत्यंत निकट है। यह उपलब्धि भारत को उन चुनिंदा देशों की सूची में खड़ा कर देगी जिनके पास हाइपरसोनिक हथियार मौजूद हैं। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने भी मल्टी-लेयर्ड मिसाइल डिफेंस की जरुरत पर जोर दिया है,

जिसमें कम दूरी, मध्यम दूरी और लंबी दूरी की मिसाइलों का मिश्रण होगा। डीआरडीओ प्रमुख के मुताबिक इस नई मिसाइल फोर्स में 2000 किलोमीटर तक की रेंज वाली बैलिस्टिक मिसाइलें, क्रूज और हाइपरसोनिक मिसाइलें शामिल होंगी। प्रलय जैसी शॉर्ट रेंज मिसाइलें अपने परीक्षण के अंतिम चरण में हैं और जल्द ही सेना का हिस्सा बन सकती हैं। यह समेकित तैयारी भारत की सामरिक शक्ति को एक नया और दुर्जेय आयाम प्रदान करेगी।

ससुराल में रहकर ससुर को मार डाला, बेटी पर जुल्म होता देख सह न पाए राम

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा जिला के सीमापुरी इलाके में एक युवक मायके में अपनी पत्नी को पीट रहा था। ससुर बीच-बचाव कराने आए तो आरोपी ससुर से उलझने लगा। कहासुनी में आरोपी ने पहले ससुर को थप्पड़ मारा। इसके बाद वह ससुर को घसीटकर पहली मंजिल से गली में ले आया। आरोपी ने चाकू निकालकर उन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गली में भीड़ बढ़ती देखकर आरोपी वहां से फरार हो गया। गंभीर हालत में पीड़ित राम जतन (50) को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनको मृत घोषित कर दिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। क्राइम टीम व एफएसएल ने मौके से साक्ष्य जुटाए। बाद में हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की गई। शुक्रवार को पुलिस ने आरोपी दामाद संदीप (20) को सीलमपुर इलाके से दबोच लिया। उससे पूछताछ कर पुलिस वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद करने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम के बाद राम जतन का शव परिजनों के हवाले कर दिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस के मुताबिक राम जतन अपने परिवार के साथ सीमापुरी इलाके में रहते थे। इनकी बेटी नंदनी अपने पति संदीप के साथ पुराने सीलमपुर इलाके में रहती है। करीब डेढ़ साल पहले नंदनी की संदीप से शादी हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से संदीप का नंदनी के साथ व्यवहार ठीक नहीं है। वह छोटी-छोटी बातों पर उससे झगड़ा करता है। बृहस्पतिवार शाम के समय नंदनी अपने परिवार से मिलने के लिए मायके आई हुई थी। उसके साथ संदीप भी मौजूद था। इस बीच किसी बात पर पति-पत्नी के बीच बहस हो गई। इस बीच आरोपी ने नंदनी को थप्पड़ मार दिया। वहां मौजूद राम जतन ने दामाद को रोकते हुए बीच-बचाव का प्रयास किया। इस बात पर संदीप आग बबूला हो गया। उसने ससुर को थप्पड़ मारा। बाद में वह ससुर का गिरेबान पकड़कर सीढ़ियों से नीचे घसीटता हुआ ले आया। गली में लाते ही आरोपी ने चाकू निकालकर ससुर पर कई वार किए। बाद में आरोपी मौके से फरार हो गया। अस्पताल ले जाने पर राम जतन को मृत घोषित कर दिया गया। वारदात के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

गौर ग्रीन सोसायटी में जली इमारत के सरिये पिघले, पिलर में दरार, होगी जांच

कौमी पत्रिका

गाजियाबाद। इंदिरापुरम स्थित गौर ग्रीन एवेन्यू सोसायटी में भीषण आग से प्रभावित टावर डी की इमारत को भारी क्षति पहुंची है। करीब चार घंटे तक उच्च तापमान झेलने के कारण इसके मुख्य पिलर में तीन फीट लंबी दरार पड़ गई है। सरिये भी कमजोर हो गए हैं। इससे कंक्रीट की पकड़ ढीली पड़ गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी स्थिति में इमारत की भार वहन क्षमता घट जाती है। मामूली भूकंप में भी ढहने का खतरा रहता है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने विशेषज्ञों से इमारत की जांच कराने का फैसला लिया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर ही तय किया जाएगा कि यहां लोगों को रहने की अनुमति दी जाए या नहीं। आरडब्ल्यूए ने भी सुरक्षा और ढांचे को मजबूत बनाने के लिए टावर का स्ट्रक्चर ऑडिट कराने का फैसला लिया है। घटना की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दीवारों पर लगीं स्टील की एंगल आग की चपेट में आने से प्लास्टिक की भांति पिघल गईं और उसकी धातु बूंद-बूंद कर जमीन पर आ गिरी। प्लास्टर गिरने से छत और दीवारें भी कमजोर हो गई हैं। अग्निशमन विभाग के पूर्व सीएफओ के मुताबिक, लंबे समय तक आग का ताप झेलने से पिलर और दीवारों में दरार स्वाभाविक है। उच्च तापमान में लोहे के सरिये पिघलकर नरम पड़ जाते हैं। इससे कंक्रीट और लोहे का बंधन टूट जाता है, जिससे स्ट्रक्चर कमजोर हो जाता है। आग की चपेट में आए सात फ्लैट्स के परिवार सोसायटी छोड़कर रिश्तेदारों के यहां और होटलों में शरण लेने को मजबूर हैं। 11वीं मंजिल पर रहने वाले पूर्व सीएमओ नीरज मित्तल ने भी फ्लैट खाली कर दिया है। वह अपने बेटे के पास नोएडा चले गए हैं। उन्होंने बताया कि फ्लैट का कुछ हिस्सा ही आग की चपेट में आया है, लेकिन पिलर

में दरार पड़ने से यहां रहना सुरक्षित नहीं लग रहा। बिल्डिंग के गिरने का भय सता रहा है। जिलाधिकारी ने बिल्डिंग की स्ट्रक्चरल जांच के लिए चार सदस्यीय टीम गठित की है। इसमें प्राधिकरण, पीडब्ल्यूडी, फायर और इलेक्ट्रिकल सेफ्टी विभाग के अधिकारी शामिल हैं। तीन दिन में रिपोर्ट आने के बाद तय होगा कि बिल्डिंग को खाली कराया जाएगा या स्ट्रक्चर सेफ्टी सर्टिफिकेट देकर लोगों को रहने की अनुमति दी जाएगी। फ्लैट्स के फर्नीचर, पीवीसी वर्क और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों ने आग में घी का काम किया। टीम पीवीसी वर्क की भी जांच करेगी। बृहस्पतिवार को दिनभर आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने सुरक्षा और ढांचे को मजबूत बनाने पर मंथन किया। फिलहाल टावर डी का स्ट्रक्चर ऑडिट कराने का फैसला लिया गया है। ऑडिट रिपोर्ट आने के बाद ही मरम्मत और रखरखाव कार्यों की विस्तृत रूपरेखा तय की जाएगी। आरडब्ल्यूए के उपाध्यक्ष दिनेश त्यागी ने बताया कि आग से इमारत को हुए नुकसान का आकलन रिपोर्ट के आधार पर किया जाएगा और उसी के अनुसार आवश्यक कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने राहत जताई कि हादसे में कोई व्यक्ति झुलसा तक नहीं। साथ ही कहा कि भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा इंतजामों को और मजबूत किया जाएगा। त्यागी ने बताया कि जीडीए के समक्ष दो टावरों के बीच हर तीन से चार मंजिल पर स्काई ब्रिज बनाने का प्रस्ताव रखा जाएगा। अनुमति मिलने पर इस पर काम शुरू किया जाएगा। उनका कहना है कि स्काई ब्रिज बनने से किसी एक टावर में आपात स्थिति होने पर निवासी दूसरे टावर में सुरक्षित पहुंचकर वहां की लिफ्ट से नीचे उतर सकेंगे। इसके अलावा जल्द ही सोसायटी की जीबीएम बुलाई जाएगी, जिसमें सुरक्षा, रखरखाव और अन्य सुधार कार्यों पर व्यापक चर्चा कर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

सरकारी स्कूल के 10 लाख छात्रों को एक महीने बाद भी नहीं मिलीं किताबें, हाईकोर्ट का शिक्षा सचिव को नोटिस

नई दिल्ली। कैसी विडंबना है कि सरकारी स्कूल के 10 लाख छात्रों को अभी तक किताबें नहीं मिली हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने बृहस्पतिवार को दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग के सचिव को अवमानना नोटिस जारी किया है। यह अवमानना नोटिस सरकारी स्कूलों के करीब 10 लाख छात्रों को पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध ना कराए जाने पर जारी किया है। दिल्ली हाईकोर्ट की एकलपीठ न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की पीठ सोशल ज्यूरिस्ट की अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में आरोप लगाया गया कि कोर्ट के पिछले आदेशों और सचिव द्वारा दिए गए स्पष्ट वादों के बावजूद दिल्ली सरकार के स्कूलों में कक्षा 1 से 8 तक पढ़ने वाले लगभग 10 लाख छात्रों को नई शैक्षणिक सत्र 2026-27 शुरू होने के एक महीने बाद भी पाठ्यपुस्तकें और नोटबुक नहीं पहुंचाई गई हैं। अधिवक्ता अशोक अग्रवाल और कुमार उत्कर्ष ने याचिका में तर्क दिया कि कोर्ट के आदेशों की जानबूझकर अवहेलना की जा रही है, जिससे बच्चों की शिक्षा बुरी तरह प्रभावित हो रही है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सरकारी स्टैंडिंग काउंसल से सवाल किया और गंभीर लापरवाही पर नाराजगी जताई। स्टैंडिंग काउंसल ने कोर्ट को बताया कि किताबें ग्रीष्म अवकाश शुरू होने से पहले सभी छात्रों को वितरित कर दी जाएंगी। कोर्ट ने इस सबमिशन को बाध्यकारी मानते हुए नोटिस जारी किया और जवाबदेह पक्षकारों को स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। 8 अप्रैल 2024 को दिल्ली हाईकोर्ट ने सचिव (शिक्षा) के उस आश्वासन को रिकॉर्ड पर लिया था जिसमें उन्होंने कहा था कि किताबें, नोटबुक, लेखन सामग्री और फर्नीचर सभी छात्रों को समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जाएंगी। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि फंड की कोई कमी नहीं है। इसके बाद 4 जुलाई 2024 के आदेश में कोर्ट ने शिक्षा निदेशालय को बुनियादी ढांचे से संबंधित सभी दिशानिर्देशों और समय-सीमाओं का पालन करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने इन वादों को स्वीकार कर निदेशालय को बाध्य किया। इसके बाद 22 अप्रैल 2024 को दाखिल हलफनामे और 9 मई 2024 की अनुपालन रिपोर्ट में विभाग ने कहा कि टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और किताबों का वितरण शुरू हो चुका है। सचिव (शिक्षा) ने 16 अप्रैल 2024 के पत्र में स्पष्ट निर्देश दिए थे कि किताबें मार्च के अंतिम सप्ताह या 1 अप्रैल को सत्र शुरू होते ही छात्रों को वितरित कर दी जाएं। शैक्षणिक सत्र को शुरू हो चुका है, लेकिन अब तक लाखों छात्रों को किताबें नहीं मिली हैं। स्कूल 9 मई को ग्रीष्मकालीन अवकाश के लिए बंद हो जाएंगे और एक जुलाई को ही दोबारा खुलेंगे। ऐसे में छात्र तीन महीने तक बिना किताबों के रह जाएंगे, जिससे बुनियादी साक्षरता-संख्यात्मकता पाठ्यक्रम पूरा करना और पढ़ाई की निरंतरता बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

22 वर्षीय लड़की का अपहरण, लोगों ने दो अपहरणकर्ताओं को पकड़ लगाई मार

गाजियाबाद। अर्थ सोसाइटी के बाहर एक 22 वर्षीय युवती का अपहरण कर लिया गया। घटना के तुरंत बाद, युवती के परिवार और सोसाइटी के निवासियों ने तत्परता दिखाते हुए अपहरणकर्ताओं में से दो को पकड़ लिया। आक्रोशित भीड़ ने दोनों आरोपियों की जमकर पिटाई की और बाद में उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। युवती का अभी तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना मिलन अर्थ सोसाइटी के बाहर हुई। 22 वर्षीय युवती, जो मिलन अर्थ सोसाइटी की निवासी बताई जा रही है, जब वह बाहर थी तो उसका अपहरण कर लिया गया। घटना की सूचना मिलते ही युवती के परिजन और सोसाइटी के अन्य निवासी तुरंत हरकत में आ गए। स्थानीय लोगों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहरण में शामिल दो आरोपियों को मौके पर ही दबोच लिया। गुस्साए लोगों ने दोनों अपहरणकर्ताओं की खूब पिटाई की। इसके बाद, उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है और अपहरण में शामिल अन्य लोगों की तलाश जारी है। फिलहाल, अपहृत युवती का कोई पता नहीं चल पाया है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन युवती की तलाश में जुट गए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस ने तलाशी अभियान तेज कर दिया है और विभिन्न इलाकों में नाकेबंदी कर दी गई है।

बुजुर्ग ने हिम्मत दिखा घर में चोरी करने घुसे चोर को किया कमरे में बंद

मुरादनगर। यूपी के मुरादनगर स्थित शीतलपुरी कॉलोनी में बुधवार रात एक बुजुर्ग महिला ने हिम्मत दिखा घर में चोरी करने घुसे चोर को कमरे में बंद कर दिया। जबकि उसका साथी फरार हो गया। पुलिस पकड़े गए चोर से पूछताछ कर रही है। शीतलपुरी कॉलोनी निवासी ओमप्रकाश परिवार समेत रहते हैं, परिवार में पत्नी वीरों, बेटे अभिषेक व राज और बेटी प्रिया व शशि हैं। बुधवार रात परिवार के सभी सदस्य घर में अपने अपने कमरे में सोए हुए थे। रात्रि करीब 2:30 बजे ओमप्रकाश की पत्नी वीरों शौच के लिए उठीं, उन्होंने देखा मंदिर व कमरा खुला हुआ है। कमरे की लाइट जलाई तो देखा एक युवक कमरे में घुम रहा है। युवक ने महिला पर हमला कर दिया, बुजुर्ग महिला ने शोर मचाते हिम्मत दिखा चोर को कमरे में धक्का देकर बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। शोर सुनकर परिवार व कॉलोनी के लोगों जाग गए। आसपास के लोगों को मौके पर आता देख दूसरा चोर भाग गया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद लोगों ने चोर को पुलिस के हवाले कर दिया। एसीपी ने बताया कि पकड़े गए चोर से पूछताछ की जा रही है, उसके फरार साथी की तलाश की जा रही है।

27 करोड़ रुपये की कर चोरी के आरोप में कारोबारी पर रिपोर्ट दर्ज

इंदिरापुरम। राज्य कर विभाग के अधिकारियों ने 27 करोड़ रुपये की कर चोरी के आरोप में इंदिरापुरम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी है। राज्य कर विभाग की सहायक आयुक्त कल्पना सिंघल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वसुंधरा सेक्टर-2 के पते पर अप्रैल 2025 में धर्मेश एंटरप्राइजेज नाम से फर्म पंजीकृत कराई गई। फर्म संचालक ने न सिर्फ फर्जी आईटीसी हासिल की बल्कि कर भी नहीं दिया। इससे राजस्व को करीब 27 करोड़ का नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि टीम जांच के लिए फर्म के पते पर टीम पहुंची तो वहां कोई काम होता नहीं मिला। उक्त पते पर मिले व्यक्ति ने कहा कि उन्होंने कोई फर्ज पंजीकृत नहीं कराई। शुरुआती जांच में फर्म को किराये के भवन में संचालित दिखाकर फर्जीवाड़ा करने की बात सामने आई है। राज्य कर विभाग ने शिकायत देकर नेटवर्क में शामिल आरोपियों का पता लगाने के लिए अपील की है। फर्म ने बिना खरीददारी किए वित्तीय वर्ष 2025-26 में 16.17 करोड़ रुपये की फर्जी आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) का दावा किया था। साथ ही करीब 60 करोड़ रुपये की बिक्री दिखाते हुए 10.91 करोड़ रुपये के कर की देनदारी स्वीकार की। कर का भुगतान आईटीसी से समायोजित करते हुए बाकी रकम हड़प ली। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि पते और नंबर के आधार पर छानबीन कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने खेल उपकरणों की टेंडर प्रक्रिया में दखल देने से इनकार किया

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट की दो सदस्यीय खंडपीठ ने सरकारी स्कूलों के लिए खेल तथा आउटडोर जिम उपकरणों की खरीद संबंधी टेंडर शर्तों को चुनौती देने वाली एक याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि बोली न लगाने वाले एमएसएमई उद्यमियों द्वारा इतनी देरी से दायर की गई याचिका पर विचार नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति अनिल क्षेतरपाल और न्यायमूर्ति अमित महाजन की खंडपीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि टेंडर प्रक्रिया काफी आगे बढ़ चुकी है और याचिकाकर्ताओं ने बोली प्रक्रिया में भाग नहीं लिया था। ऐसे में न्यायिक हस्तक्षेप उचित नहीं है। अदालत ने इसे 'लैचेस' (अनुचित विलंब) का स्पष्ट मामला करार दिया। याचिकाकर्ता जेम (जीईएम) पोर्टल पर पंजीकृत कुछ गैर-बोलीदाता एमएसएमई थे, जिन्होंने टेंडर में सैंपल जमा करने की शर्त और अन्य प्रावधानों पर आपत्ति जताई थी। दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी इस टेंडर का उद्देश्य सरकारी स्कूलों में खेल सुविधाएं बढ़ाना है।अदालत ने हालांकि टेंडर की कुछ शर्तों जैसे सैंपल सबमिशन और एमएसई लाभ संबंधी व्यापक मुद्दों को भविष्य में किसी उचित मामले में परीक्षण के लिए खुला रखा है।

अनियंत्रित डंपर ने टेंपो को मारी जोरदार टक्कर, 100 मीटर तक घसीटा, दो की चली गई जान

रजबपुर (अमरोहा)। रजबपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के हुए सड़क हादसे में टेंपो सवार पिंटू (32) और नीरज (38) की मौत हो गई। तेज रफ्तार अनियंत्रित डंपर ने टेंपो को टक्कर मारने के बाद करीब 100 मीटर तक घसीटा। पेड़ से टकराने के बाद टेंपो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद आरोपी चालक डंपर छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद अज्ञात चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह हादसा अमरोहा-अतरासी मार्ग पर गांव सूदनपुर के पास शुक्रवार सुबह करीब चार बजे हुआ। अमरोहा नगर के फ्रेंड्स कॉलोनी निवासी पिंटू टेंपो चालक थे और अमरोहा की मंडी में काम करते थे। उनके साथ मोहल्ला काला कुआं निवासी नीरज कुमार भी टेंपो पर कार्य करता था। दोनों शुक्रवार रात अंगूर लादकर हापुड़ मंडी गए थे और देर रात वापस लौट रहे थे। जैसे ही दोनों अतरासी से अमरोहा की ओर बढ़ते हुए सूदनपुर के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रहे डंपर ने गलत दिशा में जाकर टेंपो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि डंपर टेंपो को लगभग 100 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया और अंत में सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया। हादसे में टेंपो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार पिंटू व नीरज गंभीर रूप से फंस गए। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद टेंपो में फंसे दोनों युवकों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद चालक डंपर को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया।

मेडिकल कॉलेज और औद्योगिक क्षेत्रों में महिलाएं खोलेंगी कैंटीन

गाजियाबाद। महिलाओं को रोजगार मिले और वहा आत्मनिर्भर बन सकें इसके लिए भीड़भाड़ वाले स्थानों में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को कैंटीन खुलवाने के आदेश हैं। शासन ने सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज, औद्योगिक क्षेत्र, सरकारी कार्यालयों में कैंटीन बनवाने के आदेश दिए हैं। इसके लिए जिलाधिकारी की तरफ से सभी विभागों को पत्र भेजा जा रहा है। सभी विभागों को स्थान चिह्नित करके उसकी जानकारी देनी है। उत्तर प्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन की तरफ से महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए जगह-जगह कैंटीन खोली जाएंगी। शासन के आदेश के बाद डीडीओ प्रज्ञा श्रीवास्तव ने पुलिस लाइन, औद्योगिक क्षेत्र, मेडिकल कॉलेज, डिग्री कॉलेज, इंटर कॉलेज, लोनी तहसील, मोदीनगर तहसील, लोनी का संयुक्त अस्पताल, रोडवेज बस अड्डे सहित अन्य सरकारी विभागों में जहां कैंटीन नहीं हैं वहां के लिए प्रस्ताव तैयार किया है। जिलाधिकारी की तरफ से सभी विभागों के पास स्थान चिह्नित करने के लिए यह पत्र भेजा जा रहा है। जहां-जहां निशुल्क स्थान मिल जाएगा वहां महिलाओं की कैंटीन खुलवाई जाएगी। इससे पहले विकास भवन परिसर सबसे पहली कैंटीन खुली थी जो पिछले पांच छह वर्षों से संचालित हो रही है। उसके अलावा महिला अस्पताल, एमएमजी अस्पताल सहित अन्य कई स्थानों पर कैंटीन खोली गई हैं। कैंटीन संचालित करने वाली महिलाएं अब लखपति दीदी की श्रेणी में आ गई हैं। डीडीओ प्रज्ञा श्रीवास्तव ने बताया कि इसके अलावा भी ग्राम पंचायतों, नगर पालिकाओं में भी महिलाओं के लिए दुकानें खुलवाने के निर्देश दिए गए हैं। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के बने उत्पादों को एक प्लेटफार्म मिल सके इसके लिए विकास भवन परिसर में दुकानें बनाई गई हैं। इन दुकानों में महिलाओं के उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। इसके अलावा विकास भवन में ही एनआरएलएम शोरूम तैयार किया गया है जिसमें फार्मर प्रोड्यूसर आॅर्गेनाइजेशन (एफपीओ) सहित महिलाओं के उत्पाद रखे गए हैं। इसमें मसालों, अनाज की बिक्री सहित महिलाओं के बनाए जूट के बैग, कपड़े, कान्हा जी की पोशाक, मिट्टी के बर्तन सहित आर्टिफिशियल ज्वैलरी आदि भी बिक रही है।

सिरी फोर्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होगा सुविधाओं का विस्तार

नई दिल्ली। डीडीए की ओर से सिरी फोर्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जल्द ही सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। यहां विभिन्न प्रशासनिक कार्यालयों के लिए कस्टमाइज्ड फर्नीचर उपलब्ध कराने की योजना पर काम शुरू किया है। डीडीए के अनुसार, यहां के कार्यालयों में आधुनिक डिजाइन और जरूरत के अनुरूप तैयार फर्नीचर लगाया जाएगा। यह कार्य सिरी फोर्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे रखरखाव कार्यों का हिस्सा है। लंबे समय से उपयोग में आ रहे पुराने फर्नीचर को बदलकर नई व्यवस्था के तहत ऑफिस स्पेस का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। विभाग का कहना है कि इस तरह के सुधारों से प्रशासनिक कार्य बेहतर होंगे। साथ ही खेल परिसर में आने वाले खिलाड़ियों और आगंतुकों को भी बेहतर अनुभव मिलेगा। इस योजना की लागत करीब 28 लाख रुपये तय की गई है। इस काम को पूरा करने की समय सीमा करीब दो महीने रखी है। इसके अलावा चिन्हित फर्म पर समान कार्य करने का अनुभव भी अनिवार्य है।

NAME CHANGE

I, JADHAV SAVITA VITTHAL, is legally mother of Army No. 2817597X, Rank – Sep, Name – JADHAV VINOD VITTHAL, presently residing at Vill – Rajuri, Post – Rajuri, Teh – Karmala, Dist – Solapur, State – Maharashtra, Pin – 413203, have changed my name from JADHAV SAVITA VITTHAL to SAVITA VITTHAL JADHAV for all future purposes. Vide affidavit dated 02/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, JADHAV VITTHAL SURYABHAN, is legally father of Army No. 2817597X, Rank – Sep, Name – JADHAV VINOD VITTHAL, presently residing at Vill – Rajuri, Post – Rajuri, Teh – Karmala, Dist – Solapur, State – Maharashtra, Pin – 413203, have changed my name from JADHAV VITTHAL SURYABHAN to VITTHAL SURYABHAN JADHAV for all future purposes. Vide affidavit dated 02/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I BALJIT KAUR W/O JOGINDER SINGH R/O WZ-69 E/2 MEENAKSHI GARDEN TILAK NAGAR DELHI-110018 have changed my name to BALJEET KAUR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I MANPREET D/O DAVINDER SINGH R/O WZ-170,MUKHARJI PARK TILAK NAGAR DELHI-110018 have changed my name to MANPREET KAUR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I hitherto known as Firoz khan alias Firoz Malik S/O: Bundu Fauji, R/O house No A-5, era garden, near sarasvati lok, noor nagar road, Meerut, Meerut, Uttar Pradesh - 250002, have changed my name and shall hereafter be known as FIROZ KHAN.

NAME CHANGE

I ,Jogendra kumar S/O Mohar Singh, R/O 139, aurangshahpur golabarh, rohta road, Meerut, meerut City, Uttar Pradesh, 250002, have changed the name of my minor son Kaku aged 15 year's and he shall hereafter be known as KARTIK.

Name Correction

I MOHAMMED AZIZ S/O MOHMMAD YAHIYA Resident of House No 1010 GALI NO 32 JAFRABAD SEELAMPUR NORTH EAST Delhi 110053 do hereby solemnly affirm and declare as under.That my Passport mention My Father incorrect name is MOHD YAHYA ALVI My Father Correct name MOHMMAD YAHIYA.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री सुरेन्द्र कुमार पंचाल एवं श्रीमती संतोष कुमारी, ग्राम सराय ख्वाजा, कॉलोनी जिसका नाम अशोका एन्क्लेव एक्सटेंशन नं. III, फरीदाबाद है, में स्थित आवासीय प्लॉट नं. 11, क्षेत्रफल 516.66 वर्ग गज पर निर्मित फ्रीहोल्ड आवासीय इकाई, अर्थात् फ्लैट नं. 11, ग्राउंड फ्लोर (फ्रंट साइड), जिसका कवर क्षेत्रफल 1400 वर्ग फुट है तथा जिसमें छत के अधिकार शामिल नहीं हैं, को श्री सुशांत मिश्रा से खरीदने का इरादा रखते हैं। उक्त संपत्ति के प्रारंभिक मूल स्वामी M/s Greater Ashoka Land & Development Co. (P) Ltd. थे, जिन्होंने दिनांक 14.05.2003 की विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से यह संपत्ति श्री अश्वनी खोसला को बेची। इसके पश्चात श्री अश्वनी खोसला ने दिनांक 24.03.2011 की विक्रय विलेख के माध्यम से यह संपत्ति श्री चमन लाल खोसला को बेची। तत्पश्चात श्री चमन लाल खोसला ने दिनांक 05.01.2022 को पंजीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी (GPA), एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत (Will) के माध्यम से यह संपत्ति श्री सुशांत मिश्रा को हस्तांतरित की। अतएव, श्री सुशांत मिश्रा उपरोक्त संपत्ति के स्वामी बताए जाते हैं। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, देनदारी, भार अथवा दावे से मुक्त बताई जाती है। कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति को Bajaj Housing Finance Ltd., Gurgaon Branch, Haryana के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE

THE PUBLIC AT LARGE TAKE NOTICE THAT MY CLIENTS SMT. KRISHNA DEVI AND SH. OMVEER SINGH, R/O PLANT ROAD GALI NO.3, RAMESHWAR MARRIGE HOME, ADARSH COLONY BIHARIPURA, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201009, HEREBY DISINHERIT HER SON PRAVEEN KUMAR AND DAUGHTER-IN-LAW POOJA SINGH W/O SH. PRAVEEN KUMAR FROM ALL THEIR PROPERTIES MOVABLE AND IMMOVABLE BECAUSE OF THEIR BAD CHARACTER AND UNCONTROLLABLE BEHAVIOR. THE SAID PERSONS WOULD THEREFORE BE NO LONGER SON & DAUGHTER-IN-LAW OF MY CLIENTS, THE SAID SON & DAUGHTER-IN-LAW WILL NOT INHERIT ANY PROPERTY OF MY CLIENTS WHILE ALIVE OR AFTER THE DEATH OF MY CLIENTS, MY CLIENTS SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY QUARREL, CRIMINAL CIVIL CASE, OR OTHER ACTS OF HIS FAMILY MEMBERS AND RELATIVES OR FOR ANY DEBTS INCURRED BY THEM

NITIN HOODA ADVOCATE
CHAMBER NO. 628, 6th FLOOR
LAWYER'S CHAMBER BLOCK,
DWARKA DISTRICT COURT.
SEC-10, NEW DELHI-75

अदालती सूचना
न्यायालय,
श्रीमान् सब जज छः गया।

हकियत वाद सं0- 2/2025
ईश्वरी मिस्त्री वगैरह ....**वादीगण**
बनाम
मदन लाल उर्फ मदन मिस्त्री
वगैरह ....प्रतिवादीगण
नोटिस बनाम

प्रतिवादी सं0 1. मदन लाल उर्फ मदन मिस्त्री, पिता स्व0 बाबु लाल मिस्त्री, निवासी ग्राम-कजुर टोला राजवारा खुर्द, थाना अतरी, जिला गया, 2. श्रवण कुमार पिता स्व0 बाबु लाल मिस्त्री, निवासी ग्राम कजुर टोला राजवारा खुर्द, याना अतरी, जिला गया, वर्तमान ई0बी0/1 तीसरा तल्ला विजय विहार फेज-01 रोहनीसेक, नई दिल्ली पिन- 110085। वजरिये नोटिस आपलोगों को सुचित किया जाता है कि आपलोगों के विरुद्ध उपरोक्त हकियत वाद मेरे न्यायालय में लाया गया है। आपलोगों के विरूद्ध न्यायालय द्वारा नजारत एवं निबंधित डाक द्वारा सम्मन नोटिस की कारवाई की जा चूकी है। किन्तु आपलोग आज तक उपस्थित नहीं हुचे हैं। अतः दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशन के माध्यम से अंतिम सूचना भेजी जा रही है ताकि अगली निर्धारित तिथि को इस हकयत वाद में दिनांक 19-06-26. को 7.30 बजे दिन में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा आपसबों के विरूद्ध हकियत वाद की सुनवाई एकपक्षीय कर ली जायेगी। इसे ताकिद जानें।
आज दिनांक 27-4-26 को को न्यायालय के मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया जाता है
सब जज छः गया।

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my client Sh. Vivek Kumar S/o Late Sh. Gajraj Singh R/o F-80, B, Jaitpur Extension, Badarpur, New Delhi-110044 Also At: E-54, Roop Nagar, Jaitpur, New Delhi-110044 has disowned his son namely Yash Kumar @ Yash Gaur, aged 24 years his all movable and immovable property and has disconnected his relations with him due to their ill behaviour towards my client.

RANJIT SINGH Advocate
Chamber No.640, Saket Courts,
New Delhi-110017

NAME CHANGE

I, SADIA KHAN/SADIYA KHAN W/O MOHD AAQIL KHAN Residing at D-69 BAND GALI NEAR SAEEDIYA MASJID, CHAUHAN BANGAR SEELAMPUR, North East Delhi, 110053 have changed my name to SHADIYA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, AAQIL KHAN/AAKIL KHAN S/O SAJID ALI KHAN Residing at D-69 BAND GALI NEAR SAEEDIYA MASJID, CHAUHAN BANGAR SEELAMPUR, North East Delhi, 110053 have changed my name to MOHD AAQIL KHAN for all future purpose.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82 Cr.PC. / 84 BNSS** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **अमन पांचाल, पुत्रः** विरेन्द्र पांचाल **पताः** म. नंबर 51, कैमराला चक्रसेनपुर, दादरी, गौतम बुद्ध नगर, यूपी - 203207, ने **CC No: 5121/24, U/s: 138 NI Act, थानाः रुपनगर, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **अमन पांचाल,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **अमन पांचाल,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC No: 5121/24, U/s: 138 NI Act, थानाः रुपनगर, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त, **अमन पांचाल,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.06.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अर्जुन किरार
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी (एनआई एक्ट)–05
केंद्रीय, कमरा सं. 2, ग्राउंड फ्लोर,
एनेक्सी 1 भवन, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली
DP/5792/N/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **बब्लू कुमार** पुत्र श्री राजबीर निवासी मकान नंबर 1260, सेक्टर-3, वसुंधरा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 97/2018 धारा 279/427भा.द.स और 185 एमवी अधिनियम, थाना मौरिस नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **बब्लू कुमार** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **बब्लू कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **बब्लू कुमार, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 97/2018 धारा 279/427भा.द.स और 185 एमवी अधिनियम, थाना मौरिस नगर, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **सुबह 10:00 बजे** दिनांक **06.06.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
श्री करणबीर सिंह
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-02
कमरा संख्या 26
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली
DP/5668/N/2026

NAME CHANGE

I, JC-710661A, Rank-NB SUB Name-BIKASH UPADHYAY Unit ARMY HOSPITAL R&R DELHI CANTT R/o 86 SAWANSA, BAKSHA, JAUNPUR, UTTAR PRADESH-222108, have changed my father's name from MAHENDER KUMAR UPADHYAY to MAHENDRA KUMAR UPADHYAY for all future purposes vide Affidavit dated 02/05/2026 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, NO-15488135F, Rank-DFR, Name-GOVIND PATHAK residing at VPO-BERI, BER, DARBHANGA, BIHAR-848213, in my service records, my father's (RAM NARAYAN PATHAK), date of birth is wrongly mentioned as 01/07/1963 instead of correct date of birth as 01/11/1961, vide affidavit dated 02/05/2026, before Notary Public, New Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, NO-15488135F, Rank-DFR, Name-GOVIND PATHAK residing at VPO-BERI, BER, DARBHANGA, BIHAR-848213, have changed my mother's name from FOOLIDAY DEVI to FUL DEVI for all future purposes, and in my service records, my mother's date of birth is wrongly mentioned as 01/07/1965 instead of correct date of birth as 01/01/1966, vide affidavit dated 02/05/2026, before Notary Public, New Delhi.

NAME CHANGE

I, JYOTHI wife of NO-14661512W, Rank-HAV, Name-JANARDHANA RAO CHITTIRI residing at 2-9, MAIN STREET, ANANDAPURAM, SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532168, have changed my name from JYOTHI to JYOTHI CHITTIRI for all future purposes, vide Affidavit dated 02/05/2026 before Executive Magistrate, Delhi

NAME CHANGE

It is for general information that I, VIMAL EMMANUEL TYAGI S/o SAMUEL CHANDER PRASAD TYAGI, R/o H NO-575, NEAR JEET RASHAN SHOP, PANA UDYAN, NARELA DELHI-110040, declare that name of mine and my father has been wrongly written as VIMAL E TYAGI and S C PRASAD TYAGI in my Education Document . The actual name of mine and my father is VIMAL EMMANUEL TYAGI and SAMUEL CHANDER PRASAD TYAGI, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

रेडियो के प्रति अटूट प्रेम : रमेश कुमार ने आकाशवाणी हिसार संग्रहालय को भेंट किए अपने पसंदीदा सात रेडियो सेट

एजेंसी

हिसार। आकाशवाणी हिसार के संग्रहालय में उस समय एक भावुक और प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला, जब स्थानीय निवासी रमेश कुमार ने अपने अनमोल खजाने में से सात ऐतिहासिक रेडियो सेट आकाशवाणी को भेंट किए। रेडियो के प्रति अपनी दीवानगी के लिए पहचाने जाने वाले रमेश कुमार ने इन रेडियो सेट्स को संग्रहालय की शोभा बढ़ाने के लिए भेंट स्वरूप दिये। रेडियो : एक हमसफ़र की तरह रमेश कुमार ने अपनी यादें सांझा करते हुए बताया कि रेडियो उनके जीवन का केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि उनके जीवन का सबसे अहम हिस्सा रहा है। उन्होंने बताया कि जब वे रेहड़ी लगाते थे, तब पूरा दिन रेडियो उनके साथ रहता था। रेडियो पर बजते गीतों और कार्यक्रमों की वजह से उनका कठिन काम भी आसान हो जाता था। रेडियो ने एक सच्चे साथी की तरह हर सुख-दुख में उनका साथ निभाया। आज भी जारी है लगाव वर्तमान में एक निजी स्कूल में गेटकीपर के तौर पर कार्यरत रमेश कुमार आज भी अपने कर्तव्य के दौरान पूरा दिन रेडियो सुनते हैं। उन्होंने बताया कि रेडियो के माध्यम से वे दुनिया भर की जानकारियों और मनोरंजन से जुड़े रहते हैं, जिससे वे अपना काम खुशी-खुशी और ऊर्जा के साथ कर पाते हैं। विरासत का संरक्षण आकाशवाणी को भेंट किए गए इन सात रेडियो सेट्सकी खासियत यह है कि ये 30 से 50 साल पुराने हैं।

जजपा कार्यकर्ता कृष्ण गाड़ोली व पवन धनकोट पार्टी से निष्कासित

गुरुग्राम। पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर जननायक जनता पार्टी कार्यकर्ता कृष्ण गाड़ोली व पवन धनकोट को तत्काल प्रभाव से पार्टी के सभी पदों से निष्कासित कर दिया गया है। पार्टी के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र ठाकरान के मुताबिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा तथा पूर्व उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला से विस्तृत विचार-विमर्श के उपरांत यह कार्रवाई की गई। सुरेंद्र ठाकरान ने स्पष्ट किया कि जननायक जनता पार्टी अनुशासन और संगठनात्मक मर्यादा के सिद्धांतों पर चलने वाली पार्टी है। किसी भी स्तर पर पार्टी विरोधी गतिविधियों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दोनों कार्यकर्ताओं को 29 मार्च 2026 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, किंतु उनका जवाब असंतोषजनक पाया गया तथा उनके अन्य राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होने के प्रमाण भी सामने आए। पार्टी ने पूर्व में कृष्ण गाड़ोली को नगर निगम गुरुग्राम में पार्षद (काउंसलर) के रूप में नामित कर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी थी। इसके बावजूद उनका इस प्रकार का आचरण न केवल संगठनात्मक अनुशासन के विरुद्ध है, बल्कि पार्टी के विश्वास के साथ भी प्रतिकूल है।

लुवास्ता कार्यकारिणी निर्विरोध निर्वाचित, शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

हिसार। लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), में अध्यापक संघ 'लुवास्ता' के लिए विभिन्न पदों के चुनाव परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। सभी पदों पर उम्मीदवारों का निर्विरोध निर्वाचन संगठन में आपसी सहमति, एकजुटता एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण का प्रतीक है। घोषित परिणामों के अनुसार डॉ. अमित पूनिया को अध्यक्ष, डॉ. गौरव गुप्ता को उपाध्यक्ष, डॉ. सतीश जांगड़ा को महासचिव, डॉ. रचना को संयुक्त सचिव तथा डॉ. कनिष्ठ बत्रा को कोषाध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध चुना गया है। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में डॉ. तेज प्रकाश, डॉ. वंदना चौधरी, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. नरेंद्र कुमार, डॉ. जसमेर एवं डॉ. ज्योत्सना का भी निर्विरोध निर्वाचन हुआ है। इस अवसर पर लुवास्ता के वरिष्ठ शिक्षकगणों ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का स्वागत करते हुए सभी पदाधिकारियों को बधाई दी। निवर्तमान प्रधान डॉ. अशोक मलिक ने भी नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह टीम संगठन के कार्यों को नई दिशा देगी और उन्हें और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगी। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह विश्वविद्यालय के पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया।

नगर परिषद सफाई कर्मियों ने शुरू की दो दिवसीय हडताल

जींद। नगर पालिका कर्मचारी संघ के आह्वान पर सफाई कर्मचारियों ने अपनी दो दिवसीय हडताल शुरू की। हडताल की अध्यक्षता जिला प्रधान सोहनलाल ने की। हडताल के चलते जिले में सफाई कार्य भी नही किया गया। जिसके चलते शहर में जगह-जगह गंदगी के ढेर लग गए। नगर परिषद कार्यालय परिसर में हडतालरत सफाई कर्मियों को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सोहनलाल ने कहा कि वो लंबे समय से मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं लेकिन उनकी मांगों की तरफ कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। कर्मचारी नेता विक्रम सिंह ने कहा कि मई दिवस पर नगर पालिका कर्मचारियों ने हडताल शुरू की है। रिटायर्ड कर्मचारी संघ उनकी हडताल का समर्थन करता है। आज मई दिवस भी है और मजदूरों के हकों पर पर ही सरकार लगातार हमला कर रही है। सकसं नेता संजीव ढांडा ने कहा कि नगर पालिका संघ ने जो दो दिवसीय हडताल शुरू की है, इसका सर्व कर्मचारी संघ समर्थन करता है। इनकी मांगें पूरी तरह से जायज हैं। सरकार लगातार सफाई कर्मियों के साथ अन्याय कर रही है। ठेकेदारी प्रथा को वो पूर्ण रूप से खत्म करवाना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नवांशहर में सतगुरु श्री ब्रह्मानंद जी महाराज को दी श्रद्धांजलि

बोले— नर सेवा ही नारायण सेवा का मार्ग दिखाया

एजेंसी

चंडीगढ़/ नवांशहर (पंजाब)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंजाब के नवांशहर पहुंचे, जहां उन्होंने सतगुरु श्री ब्रह्मानंद जी महाराज भूरीवाले के 24वें निर्वाण दिवस समारोह में भाग लिया। इस आध्यात्मिक समागम में मुख्यमंत्री ने गुरुदेव के चरणों में नमन करते हुए उनके द्वारा दिखाए गए सत्य और सेवा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। 'बिनु सत्संग विवेक न होई ' समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने मानस की चौपाई का उल्लेख किया : 'बिनु सत्संग विवेक न होई। राम कृपा बिनु सुलभ न सोई।' उन्होंने कहा कि बिना सत्संग के विवेक प्राप्त नहीं होता और ईश्वर की कृपा के बिना सत्संग का सौभाग्य नहीं मिलता। उन्होंने नवांशहर की पावन धरा पर इस अवसर को अपना सौभाग्य बताया।

मुख्यमंत्री सैनी ने सतगुरु श्री ब्रह्मानंद जी महाराज के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरुदेव ने न केवल अध्यात्म का ज्ञान दिया, बल्कि 'मानव सेवा ही ईश्वर की सेवा है' के सिद्धांत को अपने जीवन में जीकर दिखाया।

शिक्षा और स्वास्थ्य में योगदान: महाराज जी द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए गए कार्य आज भी समाज के लिए प्रेरणापुंज बने हुए हैं।

प्रेरणादायक जीवन: उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज के वंचित वर्गों के उत्थान और आध्यात्मिक चेतना जागृत करने में समर्पित कर दिया।

भूरीवाले संप्रदाय से जुड़ाव : समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री के आगमन पर संप्रदाय के अनुयायियों और आयोजन समिति ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि सतगुरु के विचार सदैव मानवता का मार्गदर्शन करते रहेंगे और समाज में प्रेम व सद्भाव की भावना को सुदृढ़ करेंगे।

कांस्टेबल भर्ती के लिए अब तक 20 हजार का हुआ पीएमटी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में होने वाली पुलिस कांस्टेबल भर्ती के लिए अब तक 20 हजार युवाओं का शारीरिक माप परीक्षण (पीएमटी) पूरा हो चुका है। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य एवं नोडल अधिकारी भूपेंद्र चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि पंचकूला स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित शारीरिक माप परीक्षण के लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने बताया कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह द्वारा परीक्षा व्यवस्थाओं का निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है तथा आयोग के दो सदस्य भी प्रतिदिन सुधार रूप से प्रबंधन देख रहे हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो रही है। चौहान ने बताया कि 20 से 30 अप्रैल के बीच लगभग 20,000 अभ्यर्थियों ने शारीरिक माप परीक्षण में भाग लिया है। वर्तमान में यह परीक्षण प्रक्रिया जारी है। इस पूरी प्रक्रिया के सफल संचालन के लिए लगभग 250 अधिकारियों व कर्मचारियों की तैनाती की गई है, जिनमें हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग, स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीम, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, अग्निशमन विभाग, शारीरिक शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग तथा नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हैं। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए जीरकपुर बस स्टैंड से ताऊ देवीलाल स्टेडियम तक बस सेवा उपलब्ध करवाई गई है। स्टेडियम परिसर में अभ्यर्थियों के लिए विश्राम क्षेत्र (रेस्ट एरिया), पेयजल, टेंट तथा सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि एक अभ्यर्थी की पूरी प्रक्रिया में लगभग 40 से 45 मिनट का समय लगता है। अभ्यर्थियों को प्रवेश द्वार से निकास द्वार तक सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

स्वर्ण पदक विजेता सैनिक धावक को सेना की ओर से श्रद्धांजलि

एजेंसी

सोनीपत। भारतीय सेना के लांस नायक और स्वर्ण पदक विजेता एथलीट कृष्ण आंतिल की रस्म तेहरवीं गांव खेवड़ा में हुई। उनकी रेजिमेंट की ओर से कमांडिंग आफिसर के प्रतिनिधि के रूप में एक नायब सूबेदार, दो एनसीओ और एक लांस नायक गांव पहुंचे और शोक संवेदना संदेश उनकी माता पूजा देवी को सौंपा। पूरे गांव में शोक का माहौल रहा और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने श्रद्धांजलि दी। कृष्ण आंतिल का जन्म 23 अप्रैल 2000 को सोनीपत जिले के गांव खेवड़ा में हुआ था। शुरुआती पढ़ाई गांव के निजी स्कूल में हुई। बचपन से ही दौड़ में रुचि रखने वाले कृष्ण ने स्कूल स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और एक दर्जन से अधिक पदक जीते। उनकी खेल प्रतिभा के आधार पर 10 मई 2021 को भारतीय सेना में भर्ती हुई और उनकी पोस्टिंग 110 मीडियम रेजिमेंट में हुई। खेल गतिविधियों के कारण वे अधिकतर समय हैदराबाद में प्रशिक्षण लेते रहे। उन्होंने स्कूल नेशनल, आर्मी सर्विस गेम्स, क्रॉस कंट्री और कमांड स्तर की प्रतियोगिताओं में रजत व स्वर्ण पदक हासिल किए। 23 अप्रैल 2026 को रूड़की में सेना की खेल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने के बाद वे कार से अपने गांव लौट रहे थे। बड़ौत के पास उनकी कार पुलिया से टकरा गई और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। सूचना मिलते ही परिवार और गांव में शोक फैल गया। ग्रामीणों ने यमुना घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया, जहां क्षेत्रीय विधायक कृष्ण गहलोत ने भी संवेदना व्यक्त की। सेना की ओर से नायब सूबेदार जयबीर, हवलदार सतबीर, हवलदार सुजीत और लांस नायक मुकेश हुड्डा मौजूद रहे। परिजनों ने बताया कि एक साल पहले उनके पिता का निधन हो चुका था और उनका छोटा भाई भी सेना में सेवा दे रहा है।

नूंह में युवाओं को ध्यान में रखकर बढ़ाएं रोजगार के अवसर: असीम घोष

एजेंसी

नूंह। हरियाणा के राज्यपाल असीम कुमार घोष ने नूंह जिले के विकास को नई दिशा देने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने पर विशेष जोर दिया। लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित इस बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले के समग्र विकास के लिए केवल योजनाएं बनाना पर्याप्त नहीं, बल्कि उनका प्रभावी और समन्वित क्रियान्वयन भी आवश्यक है। राज्यपाल ने प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी को रेखांकित करते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और संवेदनशील समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर नागरिक को उचित सुनवाई मिले और उसकी समस्या का संतोषजनक समाधान हो, जिससे जनता और प्रशासन के बीच विश्वास मजबूत हो सके। साथ ही

उन्होंने फील्ड स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग और कार्यों की वास्तविक स्थिति का आकलन करने पर भी बल दिया। राज्यपाल ने सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि सरकारी भवन केवल संरचनाएं नहीं, बल्कि सरकार और जनता के साझा प्रयासों का प्रतीक होते हैं। ऐसे में इनमें कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों को सकारात्मक कार्य वातावरण बनाते हुए जनता के साथ बेहतर संवाद स्थापित करना चाहिए।शिक्षा क्षेत्र को लेकर राज्यपाल ने विशेष चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पर्याप्त शिक्षकों की उपलब्धता और विद्यार्थियों में अंग्रेजी व आधुनिक विषयों की समझ विकसित करना अत्यंत जरूरी है। स्कूलों में बढ़ती ड्रॉपआउट दर को गंभीर विषय बताते हुए इसे कम करने के निर्देश दिए गए। साथ ही ग्रामीण युवाओं को उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। महिलाओं की शिक्षा और उनकी भागीदारी बढ़ाने को भी प्राथमिकता देने की बात कही गई। स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के लिए राज्यपाल ने अस्पतालों में सुविधाओं के विस्तार, डॉक्टरों और स्टाफ की उपलब्धता तथा आपातकालीन सेवाओं को मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि ये दोनों विभाग जिले के विकास की रीढ़ हैं। कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए पुलिस अधिकारियों को शांति, स्थिरता और जनविश्वास कायम रखने के निर्देश दिए गए।

हरियाणा में पेयजल आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करें: नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गर्मी के मौसम के मद्देनजर प्रदेश के सभी हिस्सों में पीने के पानी की आपूर्ति को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। सभी तालाब, जलघर और अन्य जलाशय भरकर रखे जाएं। यह निर्देश मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को सचिवालय में जन स्वास्थ्य विभाग व सिंचाई विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ पेयजल व कृषि सिंचाई के लिए पानी की स्थिति की समीक्षा करते हुए दिए। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश व उत्तर प्रदेश से संबंधित किशाऊ सहित अन्य जल परियोजनाओं के संबंध में जल्द ही जल शक्ति मंत्रालय के साथ बैठक की जाएगी जिसमें इन राज्यों के अधिकारी भी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए प्रदेश के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में पेयजल व सिंचाई के पानी की कमी न रहने दी जाए। उन्होंने कहा कि पेयजल

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए। (02.05.2026)

के लिए नहरों से जुड़े सभी जलघरों व तालाबों को भरकर रखा जाए। जहां ट्यूबवेल आधारित जलापूर्ति होती है वहां यदि कोई ट्यूबवेल खराब हो जाता है तो उसे प्राथमिकता के आधार पर ठीक करवाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि जरूरत पड़े तो लोगों को टैंकर से भी पानी उपलब्ध करवाया जाए। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस बार भाखड़ा बांध में पानी की स्थिति काफी अच्छी है। इस समय भाखड़ा बांध में पानी का लेवल 36 फुट अधिक है। हरियाणा ने भाखड़ा बांध से अपने कोटे का अभी तक केवल 75-76 प्रतिशत पानी ही इस्तेमाल किया है। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में जलघरों में पानी की उपलब्धता की समीक्षा की।

अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के 4000 एकल गांव आधारित जलघर हैं जबकि 2500 जलघर एक से अधिक गांवों के लिए हैं। उन्होंने बताया कि ये सभी जलघर नहरों से जुड़े हैं और फिलहाल इनमें पर्याप्त पेयजल उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने नहरों की सफाई, मरम्मत व पुनर्निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की और यह सभी कार्य त्वरित गति से करवाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। नायब सिंह सैनी ने मुख्यमंत्री घोषणाओं से संबंधित कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही इस संबंध में अतिरिक्त मुख्य सचिवों के साथ मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे।

हरियाणा की औद्योगिक लाइसेंसिंग पॉलिसी में बदलाव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने इंडस्ट्रियल लाइसेंसिंग पॉलिसी में संशोधन किया है। यह फैसला राज्य में निवेश को आकर्षित करने और उद्योगों के लिए प्रक्रियाओं को आसान बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। सरकार ने वर्ष 2015 की इंडस्ट्रियल लाइसेंसिंग पॉलिसी में संशोधन करते हुए शहरीकरण और इंफ्रास्ट्रक्चर के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की है। नई व्यवस्था के तहत अब प्रकाशित डेवलपमेंट प्लान के अंतर्गत इंडस्ट्रियल जोन के साथ-साथ ट्रांसपोर्ट और कम्युनिकेशन जोन में भी औद्योगिक कॉलोनी स्थापित करने की अनुमति दी जाएगी। यह अनुमति कुल नियोजित क्षेत्र के 25 प्रतिशत तक ही सीमित रहेगी, ताकि प्लानिंग संतुलित बनी रहे। 24 मार्च को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में यह निर्णय लिया गया था। इसके बाद अब टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल ने निर्देश जारी किए हैं। इस नीति बदलाव से प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियां तेज होंगी, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। साथ ही, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ेगी।सरकार के इस फैसले से शहरी क्षेत्रों में उद्योग स्थापित करना पहले से अधिक आसान हो जाएगा। पहले जहां केवल सीमित क्षेत्रों में ही अनुमति मिलती थी, अब ट्रांसपोर्ट और कम्युनिकेशन जोन को भी शामिल करने से इंडस्ट्रियल विस्तार के नए रास्ते खुलेंगे। इससे लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी के लिहाज से भी उद्योगों को फायदा मिलेगा। पॉलिसी में एक बड़ा बदलाव एग्रीकल्चर जोन से जुड़ा है। अब यदि कोई इंडस्ट्रियल लाइसेंस शहरी सीमा से 500 मीटर से बाहर एग्रीकल्चर जोन में लिया जाता है, तो वहां आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर की लागत संबंधित डेवलपर को ही वहन करनी होगी। यानी सडक़, बिजली, पानी जैसी सुविधाओं का खर्च सीधे निवेशक से लिया जाएगा।

सोनीपत नगर निगम चुनाव में भाजपा परचम लहराएगी: डा.सतीश पूनिया

एजेंसी

सोनीपत। भाजपा के प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि जन आशीर्वाद और कार्यकर्ताओं की मेहनत से सोनीपत नगर निगम चुनाव में भाजपा जीत दर्ज करेगी। मुरथल रोड और सेक्टर 23 में हुई संगठनात्मक बैठकों में उन्होंने मेयर उम्मीदवार राजीव जैन और 22 वार्डो के पार्षद उम्मीदवारों के साथ बैठक कर वार्ड अनुसार जानकारी ली और जरूरी दिशा निर्देश दिए। बैठकों में प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, संगठन महामंत्री फणींद्र नाथ शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल, प्रदेश महामंत्री अर्चना गुप्ता, विधायक निखिल मदान, विधायक कृष्णा गहलावत, विधायक पवन खरखौदा, पूर्व मंत्री कविता जैन, जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। डा. पूनिया ने कहा कि जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की नीतियों पर भरोसा है। लोगों ने भारत को विकसित बनाने के संकल्प को आगे बढ़ाने का मन बनाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं और जनता इनकार्यों से संतुष्ट है, इसलिए निकाय चुनाव में भाजपा की जीत तय मानी जा रही है। प्रदेश प्रभारी ने कार्यकर्ताओं से छोटी बैठकों के माध्यम से लोगों की समस्याएं सुनने और समाधान का भरोसा देने को कहा। उन्होंने बूथ स्तर पर टीम को मजबूत कर प्रचार तेज करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी, दिन-रात मेहनत कर हर वार्ड में कमल खिलाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष औपचारिक रूप से चुनाव लड़ रहा है और कार्यकर्ताओं को घर-घर सम्पर्क अभियान तेज करना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि नगर निकाय चुनाव में भाजपा के पक्ष में माहौल

बन चुका है। जनता विकास और पारदर्शिता को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की उपलब्धियां घर-घर पहुंचाने और हर मतदाता से सम्पर्क कर मतदान सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने विश्वास जताया कि सोनीपत सहित प्रदेश में भाजपा ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होते हैं और उनकी मेहनत से ही चुनावी जीत सुनिश्चित होती है।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने गुरप्रीत सिंह को गोली लगने से मौत मामले में एसपी को दिए कड़ी कार्रवाई के निर्देश

एजेंसी

अंबाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने बीती रात टुंडला के निकट गोली लगने से युवक गुरप्रीत सिंह की मौत के मामले में आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर मामले में कड़ी कार्रवाई के निर्देश अम्बाला एसपी को दिए।

विज ने आज प्रातः अम्बाला छावनी सिविल अस्पताल में पहुंच मृतक के परिजनों को इस मामले में हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। विज ने मौके पर ही एसपी को फोन मिलाते हुए मामले में संलिप्त आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए।

वहीं, पत्रकारों से बातचीत के दोरान उन्होंने बताया कि रात्रि गौ तस्कर थे जो कि गौ लेकर जा रहे थे और जैसे ही पुलिस को पता लगा तो हमारी पुलिस की दो गाड़ियां पीछे लगी। आरोपियों ने गोलियां चलाई जो कि उनके हलके के गांव गरनाला निवासी युवक गुरप्रीत सिंह को लगी। पोस्टमार्टम में यह साफ होगा कि गोली किसकी लगी। उन्होंने इस मामले में अम्बाला एसपी को सख्त निर्देश दिए हैं कि जल्द आरोपियों को पकड़ा जाए।

सड़क निर्माण में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त, एडीसी ने ली बैठक

एजेंसी

कैथल। जिला में सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। एडीसी सुशील कुमार ने स्पष्ट कहा कि सड़क सुरक्षा सीधे तौर पर आमजन के जीवन से जुड़ा विषय है, इसलिए सभी संबंधित विभाग जिम्मेदारी के साथ काम करते हुए सड़कों को सुगम और सुरक्षित बनाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि रोड सेफ्टी मानकों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित जिला स्तरीय रोड सेफ्टी कमेटी की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए एडीसी ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सड़क निर्माण, मरम्मत, जल निकासी और सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। एडीसी ने पूंडरी-करनाल रोड, ढांड रोड, कौल, चंदाना और राजौंद क्षेत्र में चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि जहां-जहां निर्माण कार्य लंबित हैं, वहां तेजी लाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि बरसात से पहले सभी मुख्य सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया जाए। बैठक में सामने आया कि कई स्थानों पर सीवरेज जाम और नगर परिषद को शहर में अतिक्रमण हटाने और नालों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि पानी सड़कों पर जमा न

जलभराव की समस्या बनी हुई है। इस पर एडीसी ने पब्लिक हेल्थ विभाग को तुरंत कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि सीवर की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, ताकि सड़कों को नुकसान न पहुंचे। उन्होंने सभी चौकों पर रिफ्लेक्टर लगाने, सड़कों के किनारे बर्म की सफाई करने और अवैध कटों को नियमित रूप से बंद करने के निर्देश भी दिए। हो। एडीसी ने विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि किए गए कार्यों का मौके पर भौतिक सत्यापन किया जाए और फोटो सहित एटीआर समय पर प्रस्तुत की जाए। इस अवसर पर गुहला एसडीएम कैप्टन प्रमेश कुमार, डीडीपीओ रितु लाठर, डीईओ सुभाष, गैर सरकारी सदस्य सतीश सेठ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

साइबर पुलिस ने होल्ड करवाए 98 लाख रुपये पीडितों को लौटाए

एजेंसी

जींद। जिला जींद में साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। वर्ष 2026 में साइबर मामालों की कुल 1454 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। साइबर हेल्पलाइन 1930 के माध्यम से त्वरित कार्रवाई करते हुए एक करोड़ 37 लाख, 81 हजार 179 रुपये की राशि को होल्ड करवाया गया है। जो पीड़ितों को राहत प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है। इसी दौरान 22 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। जिनमें से 12 मामलों को ट्रेस किया गया। गौरतलब है कि साइबर अपराधियों द्वारा प्रतिदिन साइबर ठगी के नए-नए तरीके अपनाए जा रहे हैं। जिसके कारण आमजन को आर्थिक परेशानी का सामाना करना पडता है। पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई के साथ-साथ लोगों की जागरूकता भी अहम भूमिका निभा रही है। साइबर क्राइम थाना जींद पुलिस के प्रभारी उपनिरीक्षक जगदीप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि होल्ड की गई एक करोड़ 37 लाख, 81 हजार 179 रुपये की राशि में से लगभग 98 लाख 40 हजार 416 रुपये पीड़ितों को सुपरदारी के माध्यम से वापस लौटाए गए हैं। पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने आमजन से अपील की कि वे साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे नए-नए तरीकों से सतर्क रहें। विशेष रूप से डिजिटल अरेस्ट जैसे फर्जी तरीकों से लोगों को डरा कर पैसे ऐंठने की घटनाएं सामने आ रही हैं। आमजन को समझना चाहिए कि कोई भी सरकारी एजेंसी फोन या वीडियो कॉल के माध्यम से इस प्रकार की कार्रवाई नहीं करती है। डिजिटल अरैस्ट जैसी उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए विभिन्न बैंकों द्वारा शीघ्र ही ड्यूल ओटीपी सिस्टमश् लागू किया जा रहा है। इस प्रणाली के तहत प्रारंभिक चरण में 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के खाता धारकों को इसमें शामिल किया जाएगा। इस व्यवस्था के अंतर्गत किसी भी वित्तीय लेन-देन के लिए आने वाला ओटीपी मूल खाताधारक के साथ-साथ उनके परिजन जैसे बेटे, बेटी या अन्य विश्वसनीय सदस्य के पास भी भेजा जाएगा। दोनों की पुष्टि के पश्चात ही ट्रांजेक्शन को स्वीकृति दी जाएगी।

भारतीय कंपनियों के बड़े अधिग्रहण- शेयरधारकों को नहीं मिला अपेक्षित लाभ बाजार से पिछड़ी चाल

10 में से 8 बड़े सौदों में अरबों डॉलर खर्च करने वाली कंपनियों के शेयर व्यापक बाजार से पिछड़ गए

नई दिल्ली ।

पिछले दो दशकों में भारतीय कंपनियों द्वारा किए गए बड़े अधिग्रहणों ने शेयरधारकों को कोई खास लाभ नहीं पहुंचाया है। एक विश्लेषण से पता चला है कि अरबों डॉलर खर्च करके महत्वपूर्ण संपत्तियों को खरीदने वाली अधिकांश कंपनियों (10 में से 8) के शेयरों की चाल अधिग्रहण के बाद व्यापक बाजार से काफी सुस्त रही है, जिससे उनके निवेश पर प्रश्नचिह्न लग गया है। बताया जा रहा है` कि एक नमूने में शामिल 10 सबसे बड़े अधिग्रहणकर्ता फर्मों में से केवल दो - हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल - ही बाजार से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहीं। हालांकि, इनके मामले में भी विश्लेषकों का मानना है कि शेयरों में हालिया उछाल घरेलू कारकों या वैश्विक कमोडिटी कीमतों के कारण है, न कि विदेशी अधिग्रहण से हुए सीधे लाभ के कारण। उदाहरण के लिए, हिंडाल्को ने 2007 में नोवेलिस का 5.7 अरब डॉलर में अधिग्रहण किया, लेकिन कंपनी के शेयर भाव ने दो साल पहले ही निफ्टी 50 से आगे निकलना शुरू किया, जिसका श्रेय औद्योगिक धातुओं की वैश्विक कीमतों में उछाल को दिया जाता है। इसी तरह, भारती एयरटेल के मजबूत प्रदर्शन का श्रेय घरेलू दूरसंचार बाजार में बढ़ते वर्चस्व को दिया जा रहा है, न कि 2010 में जेन टेलीकॉम के अफ्रीकी कारोबार के 10.7 अरब डॉलर के अधिग्रहण को। अन्य प्रमुख कंपनियों की बात करें तो टाटा स्टील ने 2006 में कोरस समूह को 12.78 अरब डॉलर में खरीदा था, जो किसी भारतीय कंपनी द्वारा विदेश में किया गया सबसे बड़ा अधिग्रहण था। लेकिन 20 साल बाद भी कंपनी का शेयर कमजोर रहा; अधिग्रहण के बाद से यह केवल 397 फीसदी बढ़ा जबकि निफ्टी 50 में 551 फीसदी की वृद्धि हुई। इसी तरह, टाटा मोटर्स ने 2008 में फोर्ड से जगुआर लैंड रोवर का अधिग्रहण किया, लेकिन व्यापक बाजार को पीछे छोड़ने के लिए संघर्ष करती रही। ओएनजीसी का 2008 में इंपीरियल एनर्जी का 2.6 अरब डॉलर का अधिग्रहण भी असफल साबित हुआ, जहां उसका शेयर मूल्य केवल 78 फीसदी बढ़ा जबकि निफ्टी 50 में इसी अवधि में 458 फीसदी की तेजी आई। यह प्रवृत्ति हाल के वर्षों में भी जारी है। यूपीएल ने 2018 में एरिस्टा लाइफसाइंसेज का 4.2 अरब डॉलर में अधिग्रहण किया, जिसके बाद से उसके शेयर का प्रदर्शन कमजोर बना हुआ है। बायोकॉन द्वारा 2022 में वियाट्रिस के बायोसिमिलर व्यवसाय और रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा 2023 में वॉल्ट डिज्नी के इंडिया कारोबार के अधिग्रहण के बाद भी यही कहानी दोहराई गई है। अदाणी ग्रीन एनर्जी और कोफोर्ज जैसी कंपनियों के शेयर मूल्य भी अपने बड़े अधिग्रहणों के बाद बेंचमार्क सूचकांकों से पीछे रहे हैं। यह विश्लेषण भारतीय कंपनियों के लिए बड़े अधिग्रहणों से शेयरधारक मूल्य बनाने की चुनौतियों को उजागर करता है।

सरकारी बैंक पूंजी जुटाने को तैयार, ईसीएल मानदंड से पहले मजबूत करेंगे बैलेंस शीट

बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक जुटाएंगे हजारों करोड़ रुपए

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के कई बैंक, जिनमें बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक शामिल हैं, इक्विटी और बॉन्ड के माध्यम से पूंजी जुटाने की संभावनाएं तलाश रहे हैं। यह कदम उन्हें अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) ढांचे के अप्रैल 2027 से लागू होने से पहले अपनी कॉमन इक्विटी टियर-1 (सीईटी1) पूंजी को मजबूती देने में मदद करेगा। पूंजी जुटाने की यह पहल इन बैंकों को सरकारी हिस्सेदारी कम करने में भी सहायक होगी, क्योंकि कुछ बैंकों में सरकार की हिस्सेदारी 90 प्रतिशत से भी अधिक है। बैंक ऑफ इंडिया को वित्त वर्ष 2027 के दौरान 7,500 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बोर्ड से मंजूरी मिल गई है। इसमें से 2,500 करोड़ रुपये अतिरिक्त टियर-1 (एटी-1) बॉन्ड और 5,000 करोड़ रुपये टियर-2 बॉन्ड के माध्यम से जुटाए जाएंगे। दिसंबर 2025 तक बैंक ऑफ इंडिया का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 17.09 फीसदी था, जबकि उसका सीईटी1 अनुपात 13.76 फीसदी था। एटी-1 बॉन्ड विशेष रूप से बैंक की सीईटी1 पूंजी को बढ़ावा देगा।

अप्रैल में शेयर बाजार नकदी सेगमेंट में उछाल डेरिवेटिव्स में गिरावट

नई दिल्ली ।

अप्रैल महीने में भारतीय शेयर बाजार की ट्रेडिंग गतिविधियों में एक बड़ा विरोधाभास देखने को मिला। इक्विटी बाजार में आई जोरदार तेजी के दम पर नकदी (कैश) सेगमेंट के टर्नओवर में प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई, वहीं डेरिवेटिव्स (वायदा एवं विकल्प) कारोबार, बढ़ी हुई सिक्योरिटीज़ ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) के कारण फिसल गया। नकदी बाजार में दो साल का उच्चतम टर्नओवर अप्रैल में नकदी बाजार का टर्नओवर 7 फीसदी बढ़ा, जिसे इक्विटी में आई जबरदस्त तेजी का सहारा मिला। इक्विटी में जोरदार रिकवरी के कारण नकदी सेगमेंट का दैनिक औसत टर्नओवर करीब 1.44 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो लगभग दो साल का उच्चतम स्तर है। बेंचमार्क सूचकांकों ने एक साल से भी ज्यादा समय में अपनी सबसे मजबूत मासिक रिकवरी दर्ज की, जिसमें सेंसेक्स 6.9 फीसदी और निफ्टी 7.5 फीसदी बढ़ा। व्यापक बाजारों में यह तेजी और भी स्पष्ट थी, निफ्टी मिडकैप 100 में 13.6 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 18.4 फीसदी की जोरदार बढ़त हुई। बढ़ी हुई एसटीटी से डेरिवेटिव्स को झटका दूसरी ओर डेरिवेटिव्स के टर्नओवर में 6

फीसदी की गिरावट आई। इसका मुख्य कारण 1 अप्रैल से लागू हुई सिक्योरिटीज़ ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) में बढ़ोतरी थी। वायदा कारोबार पर एसटीटी 0.02 फीसदी से बढ़कर 0.05 फीसदी कर दिया गया, जबकि ऑप्शंस के लिए यह 0.1 फीसदी से बढ़कर 0.15 फीसदी हो गया।

इंडियन ओवरसीज बैंक का मुनाफा 43 फीसदी उछला

नई दिल्ली ।

इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने जनवरी-मार्च तिमाही में मजबूत वित्तीय नतीजे पेश किए हैं। बैंक ने 1,505 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 43.2 प्रतिशत अधिक है। बैंक अे धिकारी ने बताया कि कर्मचारियों को ऋण निर्णय लेने के लिए सशक्त करने की रणनीति इस प्रदर्शन की कुंजी रही है। बैंक ने हालिया वित्त वर्ष में 24 प्रतिशत की ऋण वृद्धि दर्ज की, जो उद्योग औसत (16 प्रतिशत) से कहीं बेहतर है। खुदरा, कृषि व एमएसएमई खंड पर विशेष जोर, जिसमें 78 फीसदी ऋण पोर्टफोलियो है, ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बैंक ने आगामी वित्त वर्ष के लिए 12-13 फीसदी ऋण वृद्धि और 13-14 फीसदी जमा वृद्धि का लक्ष्य रखा है। बैंक 3.20-3.25 फीसदी के आसपास अपने शुद्ध ब्याज मार्जिन को बनाए रखने की उम्मीद करता है।

एसबीआई एफडी पर पाएं शानदार रिटर्न और सुरक्षा!

2 लाख निवेश करें और पाएं 1.05 लाख तक का फिक्स रिटर्न

नई दिल्ली ।

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर आकर्षक ब्याज दरों की घोषणा की है, जिससे निवेशकों को सुरक्षित और गारंटीड रिटर्न का मौका मिल रहा है। ये स्कीमें 7 दिनों से लेकर अधिकतम 10 साल तक की अवधि के लिए उपलब्ध हैं। एसबीआई की एफडी योजनाओं में ब्याज दरें अवधि के अनुसार भिन्न हैं। न्यूनतम 7 दिन की एफडी पर 3.05 से 3.65 फीसदी तक ब्याज मिलता है, जबकि 46 दिनों से 179 दिनों तक की अवधि पर यह दर 4.90 से 5.50 फीसदी के बीच रहती है। 180 दिनों से 210 दिनों की एफडी पर बैंक 5.65 से 6.25 फीसदी तक ब्याज दे रहा है। वहीं, लंबी अवधि की एफडी, खासकर 5 से 10 साल की योजनाओं में, ब्याज दरें अधिकतम 7.15 फीसदी तक पहुंच सकती हैं, जो इसे एक बेहतरीन निवेश विकल्प बनाती हैं। निवेशकों के रिटर्न की बात करें तो 6 साल की एफडी स्कीम में 2 लाख के निवेश पर सामान्य नागरिकों को परिपक्वता पर करीब 2,86,747 रुपए मिलते हैं, जिसमें 86,747 रुपए का ब्याज शामिल है। वरिष्ठ नागरिकों को इसी निवेश पर लगभग 3,04,184 रुपए मिलते हैं, जिनमें करीब 1,04,184 रुपए ब्याज होता है। सुपर वरिष्ठ नागरिकों को तो लगभग 3,05,983 रुपए तक मिल सकते हैं, जिसमें 1,05,983 रुपए का आकर्षक ब्याज शामिल है। यह स्कीम सभी उम्र वर्ग के निवेशकों के लिए एक विश्वसनीय और फायदेमंद विकल्प है।

वैश्विक उथल-पुथल और घरेलू खरीदारी के बीच झूलता रहा भारतीय शेयर बाजार

साप्ता हिक आधार पर सेंसेक्स में लगभग 0.50 फीसदी और निफ्टी में 0.39 फीसदी की गिरावट रही

मुंबई ।

मजदूर दिवस के अवकाश के कारण यह सप्ताह छोटा रहा, पर भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को भावनाओं के रोलरकोस्टर का अनुभव हुआ। लगातार तीन सत्रों की गिरावट के बाद सोमवार को बाजार में आशा लौटी पर मंगलवार और खासकर गुरुवार को वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और विदेशी फंडों की निकासी से बाजार फिर दबाव में आ गया। इस अस्थिर सप्ताह में सेंसेक्स और निफ्टी में तीव्र उतार-चढ़ाव रहा। सप्ताह का पहला दिन भारतीय बाजार के लिए राहत भरा रहा। पिछली गिरावट के बाद सोमवार को बाजार जोरदार हरे निशान पर खुले। वैश्विक सकारात्मक संकेतों और प्रमुख शेयरों में खरीदारी से दिनभर तेजी रही। सेंसेक्स 639 अंक बढ़कर 77,303 पर, और निफ्टी 194 अंक चढ़कर 24,092 पर बंद हुए, जिससे निवेशकों को बड़ी राहत मिली। मंगलवार को बाजार की गति धीमी रही।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में गिरावट से नरमी आई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 208 अंक गिरा, निफ्टी भी 42 अंक लुढ़का। रुपया भी डॉलर के मुकाबले 24 पैसे कमजोर हुआ। दिन के मध्य में सुधार का प्रयास टिकाऊ नहीं रहा। अंततः, सेंसेक्स 416 अंक गिरकर 76,886 पर, और निफ्टी 97 अंक गिरकर 23,995 पर बंद हुए, जिससे यह 24 हजार के स्तर से नीचे चला गया। बुधवार को बाजार ने शानदार वापसी की। ईरान-अमेरिका तनाव कम होने की उम्मीद और सकारात्मक वैश्विक संकेतों के दम पर भारतीय शेयर बाजार में तेजी लौटी। मजबूत खरीदारी से सेंसेक्स 77,400 और निफ्टी 24,100 के पार निकल गए। अंत तक सेंसेक्स 609 अंक उछलकर 77,496 पर, जबकि निफ्टी 24,177 पर पहुंचा। सप्ताह का अंत फिर नकारात्मक रहा। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल, कमजोर वैश्विक रुझानों और विदेशी निधियों की लगातार निकासी के बीच प्रमुख सूचकांकों में तेज गिरावट आई। शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स 959 अंकों तक टूटा और 76,537 पर पहुंचा, जबकि निफ्टी 285 अंक कमजोर होकर 23,892 पर आ गया। वैश्विक दबाव और पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर पड़ा। अंततः, सेंसेक्स 582 अंक गिरकर 76,913 पर बंद हुआ, और निफ्टी 180 अंक गिरकर 23,997 पर आ गया, एक बार फिर 24 हजार के स्तर से नीचे। कुल मिलाकर यह सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए तीव्र अस्थिरता और वैश्विक घटनाओं पर बढ़ती निर्भरता का परिचायक रहा।

सप्ताह का अंत सेंसेक्स और निफ्टी दोनों के लिए मामूली गिरावट के साथ हुआ, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच बाजार में सावधानी भरे रुख को दर्शाता है। आने वाले समय में निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया की स्थिति, कच्चे तेल की कीमतों और वैश्विक आर्थिक संकेतों पर बनी रहेंगी।

डिजिटल गवर्नेंस से छोटे कारोबारों को मिली नई उड़ान आईएमएफ रिपोर्ट

डिजिटल गवर्नेंस से छोटे कारोबारों को मिली नई उड़ान आईएमएफ रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के एक हालिया अध्ययन ने पुष्टि की है कि भारत में सरकारी प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने की पहल ने छोटे कारोबारों (माइक्रो एंटरप्राइज) की उत्पादकता में वृद्धि की है और विभिन्न कंपनियों के बीच असमानता को भी कम किया है। यह रिपोर्ट सरकारी सुधारों के आर्थिक प्रभावों पर प्रकाश डालती है।

2010-11 और 2015-16 के राष्ट्रीय सर्वे डेटा पर आधारित इस शोध में पाया गया कि जिन राज्यों ने टैक्स फाइलिंग, परमिट, निरीक्षण और विवाद समाधान जैसे कार्यों को डिजिटल किया, वहां व्यवसायों की कार्यक्षमता में तेजी से सुधार हुआ। 2014 में शुरू किया गया 98-पॉइंट एक्शन प्लान, जिसने व्यापार नियमों को सरल बनाया और प्रक्रियाओं को ऑनलाइन किया, इस बदलाव में महत्वपूर्ण रहा। इन डिजिटल सुधारों से छोटे कारोबारियों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने से मुक्ति मिली, जिससे समय और पैसे दोनों की बचत हुई। ऑनलाइन सिस्टम ने पारदर्शिता बढ़ाई और रिश्वत जैसे अनौपचारिक खर्चों में कमी लाकर एमएसएमई सेक्टर को सशक्त किया, जो देश के मैन्युफैक्चरिंग उत्पादन का 35 फीसदी योगदान देता है और 11 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करता है। रिपोर्ट यह भी

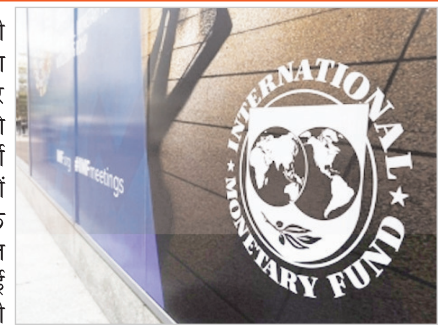

दर्शाती है कि शुरुआती डिजिटल कदमों का प्रभाव सबसे अधिक रहा, जो अंततः देश की आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन को गति दे रहा है।

ऐपल का भारत पर बड़ा दांव, टिम कुक ने जताई अपार संभावनाएं

भारत में लगातार दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

ऐपल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने भारत के प्रति अपनी गहरी आशावादिता व्यक्त की है। भारत में कंपनी ने लगातार दूसरी तिमाही में दोहरे अंकों की शानदार वृद्धि दर्ज की है, जो इसे वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक बना रहा है। कुक ने देश के उभरते मध्यम वर्ग और बड़े बाजार के आकार को कंपनी के लिए बड़ा अवसर बताया है। कुक का यह बयान ऐसे समय में आया है जब आईफोन और आईपैड बनाने वाली कंपनी ने भारत में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है। वैश्विक स्तर पर भी, अमेरिका, लैटिन अमेरिका, ग्रेटर चीन, जापान और पश्चिमी यूरोप जैसे अधिकांश बाजारों में ऐपल ने दो अंकों की वृद्धि दर्ज की है। दूसरी तिमाही में कंपनी के प्रमुख उत्पाद आईफोन की बिक्री 57 अरब डॉलर तक पहुंच गई। कुक ने विश्लेषकों से कहा कि आईफोन से लेकर मैकबुक, आईपैड और ऐपल वॉच तक खरीदने वाले अधिकांश ग्राहक नए हैं, जो कंपनी के लगातार बढ़ते आधार को दर्शाता है। भारत अब ऐपल के लिए एक महत्वपूर्ण विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में भी उभरा है।

अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के दो पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों की ईडी हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली।

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने लोन फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े अहम मामले में अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के दो पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों अमिताभ झुनझुनवाला और अमित बापना की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) हिरासत 15 मई तक बढ़ा दी है। यह मामला मुख्य रूप से रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों से जुड़ा है। दिल्ली की अदालत ने ईडी की उस याचिका को स्वीकार किया, जिसमें दोनों आरोपियों से आगे पूछताछ के लिए हिरासत बढ़ाने की मांग हुई थी। सुनवाई के दौरान झुनझुनवाला को स्वास्थ्य कारणों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया, जबकि बापना को अदालत में पेश किया।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने झुनझुनवाला की स्वास्थ्य स्थिति को देखकर जेल प्रशासन को उनकी मेडिकल रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने दोनों को मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया है।

यह जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा पहले दर्ज मामलों के आधार पर शुरू हुई थी। आरोप है कि संबंधित कंपनियों में उच्च पदों पर रहते हुए दोनों अधिकारियों ने वित्तीय फैसलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और संभवतः बैंक लोन के धन का गलत उपयोग किया गया। सूत्रों के मुताबिक, झुनझुनवाला पहले रिलायंस ग्रुप में ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर और रिलायंस कैपिटल के वाइस चेयरमैन रह चुके हैं, जबकि बापना कंपनी के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर और आरएचएफएल के निदेशक थे। जांच में यह भी सामने आया है कि लोन की राशि को अलग-अलग माध्यमों से घुमाकर इस्तेमाल किया गया, जिससे मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका पैदा हुई। हालांकि, रिलायंस समूह ने स्पष्ट किया है कि झुनझुनवाला और बापना कंपनी से जुड़े नहीं हैं। दोनों अधिकारियों ने वर्ष 2019 में ही समूह छोड़ दिया था और वर्तमान में उनका रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड तथा रिलायंस पावर लिमिटेड सहित किसी भी ग्रुप कंपनी से कोई संबंध नहीं है।

भारत में सोने का आयात 30 साल के निचले स्तर पर

अप्रैल में सिर्फ 15 टन रहा आयात, बैंकों ने 3 फीसदी आईजीएसटी के विरोध में शिपमेंट रोकी

नई दिल्ली ।

भारत में सोने के आयात में अप्रत्याशित गिरावट दर्ज की गई है, जो अप्रैल महीने में लगभग 30 साल के सबसे निचले स्तर, मात्र 15 टन पर आ गया है। यह गिरावट मुख्य रूप से बैंकों द्वारा सोने की शिपमेंट रोके जाने के कारण हुई है, जो 3 फीसदी इंटीग्रेटेड गुड्स एंड सर्विस टैक्स (आईजीएसटी) को लेकर उपजे विवाद का नतीजा है। इस स्थिति से देश के स्वर्ण बाजार के साथ-साथ वैश्विक सोने की कीमतों पर भी गहरा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। कस्टम विभाग द्वारा सोने के आयात पर 3 फीसदी आईजीएसटी लागू किए जाने के बाद बैंकों ने खरीद पूरी तरह बंद कर दी है।

दरअसल, 2017 में आईजीएसटी लागू होने पर बैंकों को इस टैक्स से छूट दी गई थी, लेकिन अब सरकार से स्पष्ट आदेश में देरी के कारण कस्टम विभाग यह टैक्स वसूल रहा है। एक सरकारी अधिकारी के अनुसार अप्रैल में बैंकों ने कस्टम से कोई सोना क्लियर नहीं कराया, हालांकि थोड़ी मात्रा में सोना इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज के माध्यम से आयात किया गया। यह आंकड़ा पिछले साल अप्रैल के 35 टन और 2025-26 के मासिक औसत 60 टन से काफी कम है। इस महीने आयात पर केवल 1.3 अरब डॉलर खर्च हुए, जो औसत मासिक 6 अरब डॉलर से बहुत कम है। अक्षय तृतीया जैसे शुभ अवसर के बावजूद यह गिरावट चिंताजनक है। भारत, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना उपभोक्ता होने के कारण, इस गिरावट का वैश्विक सोने की कीमतों पर भी असर पड़ने की आशंका है। एक रिपोर्ट बताती है कि मार्च तिमाही में निवेश के लिए सोने की मांग (82 टन) पहली बार ज्वेलरी की मांग (66 टन) से अधिक रही, क्योंकि निवेशक शेयर बाजार के कमजोर रिटर्न के बीच सुरक्षित विकल्प तलाश रहे हैं।

साइबर ठगों के निशाने पर क्रिप्टोकरेंसी यूजर्स सरकार ने जारी की चेतावनी

फर्जी वेबसाइटों और पी2पी प्लेटफॉर्म्स के जरिए हो रही है धोखाधड़ी

मुंबई ।

देश में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों के बीच अब क्रिप्टोकरेंसी यूजर्स भी ठगों के नए निशाने पर आ गए हैं। गृह मंत्रालय से जुड़ी साइबर एजेंसियों ने एक गंभीर चेतावनी जारी करते हुए खुलासा किया है कि ट्रस्ट वालेट जैसे लोकप्रिय क्रिप्टो वॉलेट इस्तेमाल करने वाले लोगों को बड़े पैमाने पर ठगा जा रहा है। ये ठग पी2पी प्लेटफॉर्म्स और नकली वेरिफिकेशन वेबसाइट्स के जरिए यूजर्स के वॉलेट खाली कर रहे हैं। इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर और एनसीटीएयू की रिपोर्ट के अनुसार, ठग पी2पी प्लेटफॉर्म्स पर संपर्क कर बातचीत को वाट्सएप या टेलीग्राम पर ले जाते हैं। फिर वे यूजर्स को नकली वेरिफिकेशन वेबसाइट्स पर भेजते हैं, जहां वॉलेट कनेक्ट करने को कहा जाता है। अनुमति मिलते ही, ठग बिना देरी के पूरा वॉलेट खाली कर देते हैं। क्रिप्टो लेनदेन अपरिवर्तनीय होने के कारण एक बार पैसा जाने पर उसे वापस पाना लगभग असंभव है।

क्या बरतें सावधानी? साइबर एजेंसियों ने यूजर्स को कुछ महत्वपूर्ण सावधानियां बरतने की सलाह दी है

किसी भी अनजान वेबसाइट से वॉलेट कनेक्ट न करें।

अपनी संवेदनशील जानकारी साझा न करें।

किसी भी लिंक की जांच किए बिना आगे न बढ़ें।

संदिग्ध डीएप्स को तुरंत डिस्कनेक्ट करें।

धोखाधड़ी का शिकार होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें या सायबरक्रामडाटजीओवीइन पर शिकायत दर्ज कराएं।

महाराष्ट्र में दशक का सबसे मजबूत अप्रैल, संपत्ति पंजीकरण में 6 फीसदी उछाल

अप्रैल 2026 में 13,864 लेनदेन दर्ज, उपभोक्ता मांग में वृद्धि का संकेत

मुंबई ।

महाराष्ट्र के आवासीय संपत्ति बाजार ने अप्रैल 2026 में एक दशक से अधिक समय का सबसे मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है। राज्य के पंजीकरण और स्टाम्प विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में कुल 13,864 संपत्ति लेनदेन हुए, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 6 प्रतिशत अधिक हैं। यह वृद्धि शहरों में उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग का स्पष्ट संकेत है। यह अप्रैल का महीना पिछले 14 वर्षों में भी सबसे अच्छा रहा। इस दौरान 1,114 करोड़ रुपये से अधिक का स्टाम्प शुल्क संग्रह हुआ, पर पंजीकरण में वृद्धि के बावजूद राजस्व में सालाना आधार पर मात्र 1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की गई। नाइट फ्रैंक इंडिया के एक अे धिकारी बताते हैं कि उच्च पंजीकरण के बावजूद, स्टाम्प शुल्क संग्रह में नरमी टिकट के आकार में बदलाव (मध्यम बजट वाले घरों की मांग) के कारण है, जो निरंतर मांग का संकेत है। रियल एस्टेट विशेषज्ञ इसे अंतिम उपभोक्ताओं, विशेषकर मध्यम वर्ग की बढ़ती मांग का प्रमाण मानते हैं, जो छोटे और मध्य-श्रेणी के आवासों की ओर बढ़ रहे हैं। हालांकि, पिछले महीने (मार्च) की तुलना में अप्रैल में पंजीकरण में 13 प्रतिशत और स्टाम्प शुल्क संग्रह में 27 प्रतिशत की गिरावट आई, जो मार्च के मजबूत प्रदर्शन के बाद एक सामान्य मौसमी धीमी गति है।

धर्म शासित ईरान की सामरिक-आक्रामक तैयारी व बढ़ती सैन्य क्षमता गैर इस्लामिक देशों के लिए नसीहत है, कैसे?

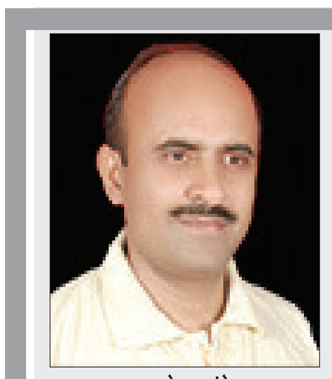

कमलेश पांडेय

मिसाइल, ड्रोन और प्रॉक्सी का संयुक्त मॉडल ही ईरानी सफलता का सूत्र है, क्योंकि ईरान ने केवल अपनी सेना पर निर्भर रहने के बजाय क्षेत्रीय नेटवर्क तैयार किया–हिजबुल्लाह, हूती और अन्य सहयोगी समूहों के माध्यम से उसने बहु-स्तरीय दबाव बनाया। यह “Hybrid Warfare” का आधुनिक मॉडल है।

भारत के निकटम पड़ोसी देश ईरान की सामरिक और आक्रामक तैयारी पूरी भारत-इजरायल समेत पूरी दुनिया के लिए नसीहत बन गई है, क्योंकि उसने सीमित संसाधनों और भारी पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद 'असममित युद्ध' (Asymmetric Warfare) की ऐसी क्षमता विकसित कर ली, जिसने अमेरिका, इजराइल और पश्चिमी सैन्य गठबंधनों को भी नई रणनीति बनाने और उससे आगे की सोचने पर मजबूर कर दिया है। यदि समय रहते इसकी काट विकसित नहीं की गई, तो अरब देशों पर अमेरिका के बाद चीन की पकड़ मजबूत होगी, क्योंकि उसके साथ ईरान का सहयोगी रूस भी खड़ा है।

वहीं, इस्लामिक मुल्क के नाम पर मुस्लिम देशों का अंदरूनी झुकाव भी उसकी ओर है, जिससे रूसी मित्रता और चीनी छल की चक्की में भारत के पिसने के आसार प्रबल हैं। अनुभव बताता है कि ईरान अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान और अफगानिस्तान पर ज्यादा भरोसा करता है और इस्लामिक नाटो का पक्षधर भी है, इसलिए ईरान के मामले में भारत की जरा सी रणनीतिक लापरवाही उसे चीनी चक्रब्यूह में घिरे अभिमन्यु वाली कर देगी, क्योंकि भारत की हिन्दू विरोधी मुस्लिम राजनीति के आर्थिक स्त्रोत भी इस्लामिक मुल्कों से ही जुड़े बताए जाते हैं।

पहले ईरान से भारत-इजरायल समेत शेष दुनिया को मिलने वाली प्रमुख सामरिक सीखें निम्नलिखित हैं–

पहला, आत्मनिर्भर सैन्य उत्पादन सबसे बड़ी ताकत है क्योंकि ईरान ने दशकों के प्रतिबंधों के बावजूद अपने मिसाइल, ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तंत्र को घरेलू स्तर पर विकसित किया। आज उसके पास मध्य-पूर्व का सबसे बड़ा बैलिस्टिक मिसाइल भंडार माना जाता है। चूंकि वहां के लोग ज्यादा पढ़े लिखे होते हैं और ईरान ने लोकतंत्र की बजाय समानांतर कट्टर धार्मिक तंत्र विकसित कर लिया, जिससे भारत को अवश्य सीखने की जरूरत है। क्योंकि ईरान की इस नीति का संदेश स्पष्ट है- 'जो देश रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर होगा, वही लंबे संघर्ष में टिकेगा।'

दूसरा, ड्रोन युद्ध ने युद्ध की परिभाषा ही बदल दी है, क्योंकि ईरान ने कम लागत वाले ड्रोन को 'रणनीतिक हथियार' बना दिया। उसने दिखाया कि हजारों करोड़ की एयर डिफेंस प्रणाली को सस्ते ड्रोन झुंड (swarm) से भी चुनौती दी जा सकती है। इसलिए आज अमेरिका तक स्वीकार कर रहा है कि महंगे इंटरसेप्टर मिसाइलों के मुकाबले सस्ते ड्रोन “Cost Imbalance” पैदा कर रहे हैं।

तीसरा, युद्ध केवल हथियार नहीं, 'धैर्य' से जीता जाता है, यही बात ईरान ने दुनिया को सिखलाया है। जिस तरह से उसने अमेरिका-इजरायल के यौद्धिक गुरूर को तोड़ा है, वह शोध का विषय है, क्योंकि रूस-चीन के नैतिक मदद से उसने यह सफलता हासिल की है। ईरान ने प्रत्यक्ष युद्ध से अधिक 'लंबी थकाऊ लड़ाई' (War of Attrition) की रणनीति अपनाई। उसका उद्देश्य तत्काल जीत नहीं, बल्कि विरोधी की आर्थिक, सैन्य और मनोवैज्ञानिक क्षमता को थकाना रहा। यह आधुनिक युद्ध की नई वास्तविकता है–

'हर युद्ध Blitzkrieg नहीं होता; कई युद्ध विरोधी को थकाकर जीते जाते हैं।'

चौथा, कमांड सिस्टम का बैकअप अत्यंत जरूरी होता है, ताकि भारी हमलों और शीर्ष कमांडरों के मारे जाने के बावजूद ईरान का सैन्य कमांड ढांचा पूरी तरह ध्वस्त नहीं हुआ। उसने पहले से वैकल्पिक नेतृत्व और विकेंद्रीकृत कमांड संरचना तैयार कर रखी थी। यह हर राष्ट्र के लिए बड़ा संदेश है कि–'युद्ध में नेतृत्व का विकल्प पहले से तैयार होना चाहिए।'

पांचवां, मिसाइल, ड्रोन और प्रॉक्सी का संयुक्त मॉडल ही ईरानी सफलता का सूत्र है, क्योंकि ईरान ने केवल अपनी सेना पर निर्भर रहने के बजाय क्षेत्रीय नेटवर्क तैयार किया–हिजबुल्लाह, हूती और अन्य सहयोगी समूहों के माध्यम से उसने बहु-स्तरीय दबाव बनाया। यह “Hybrid Warfare” का आधुनिक मॉडल है।

छठा, समुद्री मार्गों पर नियंत्रण की शक्ति विकसित करके आक्रमणकारियों को तोड़ना ईरानी दूरदर्शिता का ही तकाजा है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का प्रभाव पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित करता है। इसी कारण अमेरिका और पश्चिम लगातार उस क्षेत्र में सैन्य उपस्थिति बढ़ाते रहे हैं। इससे यह सिद्ध होता है–'भूगोल भी उतना ही बड़ा हथियार है जितना मिसाइल।'

सातवां, तकनीकी युद्ध में सस्ता हथियार भी निर्णायक होता है, यह ईरान ने साबित कर दिया है। ईरान ने दिखाया कि हर युद्ध अत्याधुनिक स्टील्थ फाइटर से नहीं जीता जाता। कभी-कभी सस्ती, तेज और बड़ी संख्या में उपलब्ध तकनीक अधिक प्रभावी होती है।

निष्कर्षतः ईरान की तैयारी गैर इस्लामिक दुनिया को यह सिखाती है कि आधुनिक युद्ध केवल परमाणु बम या महंगे लड़ाकू विमानों से नहीं लड़े जाते। आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन, ड्रोन तकनीक, मिसाइल क्षमता, साइबर-रणनीति, वैकल्पिक नेतृत्व और मनोवैज्ञानिक युद्ध–ये सब मिलकर किसी राष्ट्र को सामरिक शक्ति बनाते हैं। इसीलिए आज अमेरिका, इजराइल, रूस, चीन और भारत समेत दुनिया की बड़ी सैन्य शक्तियां भी 'ईरानी मॉडल' का गंभीर अध्ययन कर रही हैं।

एक बात और, ईरान के सामरिक मॉडल से भारत के लिए सबसे बड़ा सबक यह है कि केवल पारंपरिक सैन्य शक्ति पर्याप्त नहीं होती; दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए 'बहुस्तरीय राष्ट्रीय प्रतिरोध क्षमता' विकसित करनी पड़ती है। विशेषकर तब, जब भारत को दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद, कट्टरपंथ और चीन-पाकिस्तान जैसे सामरिक गठबंधनों का सामना करना पड़ रहा हो।

हालांकि यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि 'इस्लामिक देश' एक समान इकाई नहीं हैं। भारत के कई इस्लामी देशों–जैसे संयुक्त अरब अमीरात (UAE), सऊदी अरब, इंडोनेशिया और कतर–से मजबूत रणनीतिक और आर्थिक संबंध हैं। भारत की मुख्य सुरक्षा चुनौती कुछ कट्टरपंथी नेटवर्क, आतंकवादी संरचनाओं और शत्रुतापूर्ण राज्य-नीतियों से रही है, न कि सम्पूर्ण इस्लामी विश्व से।

भारत के लिए प्रमुख सबक इस प्रकार हैं–

पहला, आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन ही निर्णायक सुरक्षाः ईरान ने प्रतिबंधों के बावजूद अपने ड्रोन, मिसाइल और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तंत्र विकसित किए। भारत के लिए इसका अर्थ है कि विदेशी हथियारों पर अत्यधिक निर्भरता घटानी होगी। 'आत्मनिर्भर भारत' को केवल नारा नहीं, बल्कि युद्धकालीन औद्योगिक क्षमता बनाना होगा।

दूसरा, सस्ते ड्रोन बनाम महंगी सुरक्षाः ईरान ने दिखाया कि कम लागत वाले ड्रोन भी महंगी एयर डिफेंस प्रणाली को चुनौती दे सकते हैं। भारत को सीमा सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी अभियानों और समुद्री निगरानी के लिए बड़े पैमाने पर स्वदेशी ड्रोन नेटवर्क बनाना होगा।

तीसरा, 'मोजेक डिफेंस' मॉडलः ईरान की विकेंद्रीकृत सैन्य संरचना–जहां शीर्ष नेतृत्व पर हमला होने के बाद भी स्थानीय इकाइयाँ लड़ती रहती हैं–भारत के लिए महत्वपूर्ण संकेत है। भारत को भी साइबर, सीमा, वायु और समुद्री मोर्चों पर ऐसी बहुस्तरीय कमांड संरचना विकसित करनी होगी जो अचानक हमले में भी सक्रिय रहे।

चौथा, केवल सीमा नहीं, 'मनोवैज्ञानिक युद्ध' भीः आधुनिक संघर्ष अब केवल बंदूक और मिसाइल का नहीं, बल्कि सूचना और नैरेटिव का भी है। भारत को फेक न्यूज, साइबर-प्रोपेगेंडा और धार्मिक कट्टरता आधारित डिजिटल अभियानों से निपटने के लिए राष्ट्रीय सूचना सुरक्षा ढांचा मजबूत करना होगा।

पांचवां, लंबी लड़ाई की तैयारीः ईरान ने दिखाया कि “War of Attrition” यानी विरोधी को धीरे-धीरे थकाना भी रणनीति हो सकती है। भारत को सीमित अवधि के युद्ध की सोच से आगे जाकर लंबे संघर्ष, आपूर्ति श्रृंखला और गोला-बारूद भंडारण की तैयारी करनी होगी।

छठा, ऊर्जा सुरक्षा भी राष्ट्रीय सुरक्षा हैः यदि पश्चिम एशिया में बड़ा युद्ध होता है, तो भारत की तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इसलिए सामरिक तेल भंडार, वैकल्पिक ऊर्जा और समुद्री मार्ग सुरक्षा भारत के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

सातवां, 'संयुक्त युद्ध' की तैयारीः आज युद्ध भूमि, समुद्र और आकाश तक सीमित नहीं है; साइबर, स्पेस और इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र भी युद्धक्षेत्र बन चुके हैं। भारत को थिएटर कमांड, AI आधारित निगरानी और संयुक्त सैन्य संचालन को तेज करना होगा।

आठवां, राष्ट्रीय एकता सबसे बड़ी सुरक्षाः ईरान के उदाहरण से यह भी स्पष्ट हुआ कि बाहरी दबाव के समय आंतरिक सामाजिक एकता निर्णायक होती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण राष्ट्र में सांप्रदायिक विभाजन, राजनीतिक ध्रुवीकरण और सामाजिक अविश्वास राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर कर सकते हैं।

निष्कर्षतया यह कहा जा सकता है कि भारत के लिए सबसे बड़ा सबक यह है कि भविष्य का युद्ध केवल सेना नहीं, बल्कि पूरा राष्ट्र लड़ता है–तकनीक, अर्थव्यवस्था, साइबर क्षमता, ऊर्जा सुरक्षा, सामाजिक एकता और मनोवैज्ञानिक दृढ़ता–सब मिलकर राष्ट्रीय शक्ति बनाते हैं। ईरान ने दुनिया को यह दिखाया कि सीमित संसाधनों वाला राष्ट्र भी यदि आत्मनिर्भर, संगठित और रणनीतिक रूप से धैर्यवान हो, तो वह कहीं बड़ी शक्तियों को भी लंबे समय तक चुनौती दे सकता है।

संपादकीय

शोर का न ओर-छोर

यूं तो हाल के वर्षों में आम भारतीय की अभिव्यक्ति में तल्खी व शोर का ग्राफ तेज हुआ है। अभिव्यक्ति का मुखर होना अच्छा है लेकिन उसका तल्ख होना, किसी की भी सेहत के लिए अच्छा नहीं है। वैसे हमारे परिवेश में लगातार बढ़ता शोर झेलना हमारी नियति हो चला है। सड़कों पर वाहनों के शोर, नये दौर के कर्कश संगीत से लेकर राजनीतिक विमर्श में होने वाले शोरगुल वाले संवाद से लेकर तमाम ऐसा कुछ घट रहा है, जो हमारी परेशानी का सबब बन रहा है। यूं तो कोई प्रमाणिक राष्ट्रव्यापी वैज्ञानिक शोध व्यापक रूप में हमारे सामने तो नहीं आए हैं जो ठीक-ठीक बताएं कि ध्वनि प्रदूषण हमारी सेहत पर कितना घातक असर डाल रहा है। लेकिन गाहे-बगाहे सामने आए आंकड़े इस बात की पुष्टि जरूर करते हैं कि लगातार बढ़ता शोर हमारी सेहत बिगाड़ रहा है। लेकिन इसके बावजूद इसे रोकने के लिए उचित निगरानी, समयबद्ध कार्रवाई और दंड के प्रावधान लागू होते नजर नहीं आते हैं। लेकिन विभिन्न अध्ययनों के निष्कर्ष बता रहे हैं देश के महानगरों से लेकर कस्बों तक हमारे परिवेश का शोर तय मानकों से कहीं अधिक है। जाहिरा तौर ये शोर हमारी सेहत को गहरे तक प्रभावित कर रहा है। जिससे न केवल हमारी श्रवण शक्ति कमजोर हो रही है बल्कि नींद में कमी, मानसिक तनाव, उच्च रक्तचाप के अलावा हृदय रोग तक का खतरा बढ़ रहा है। लेकिन इस दिशा में कागजों में तो लुभावनी योजनाएं तो बनायी जाती हैं लेकिन जमीनी हकीकत बदलती नजर नहीं आती। यह सुखद है कि पिछले दिनों देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस दिशा में नई पहल शुरू की गई है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया आरंभ की है। दावा किया जा रहा है कि प्रदूषण के स्रोतों की कायदे से निगरानी होगी। इसके अलावा समयबद्ध ढंग से कार्रवाई होगी। साथ ही जुमार्ना भी अनिवार्य रूप से वसूला जाएगा। ये तो आने वाला वक्त बताएगा कि अच्छी योजना कितनी जमीनी हकीकत बनती है। लेकिन सवाल यह है कि जब देश में पहले से शोर नियंत्रण के कानून मौजूद हैं और हमारी अदालतें भी समय-समय पर हमारे नीति नियंताओं को आगाह करती ही रहती हैं, तो फिर सूरत क्यों नहीं बदलती। आखिर इन नियम-कानूनों के क्रियान्वयन में कहां खोट रह जाता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि ध्वनि प्रदूषण विनियमन और नियंत्रण नियम, 2000 के तहत ध्वनि विस्तारक यंत्रों, निर्माण कार्यों और उद्योगों में इस्तेमाल की जाने वाली मशीनों, वाहनों के हार्न आदि अन्य स्त्रोतों को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया था। ताकि लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा हो पाए। उल्लेखनीय है कि ये प्रावधान दिन व रात के लिये अलग-अलग हैं।

चिंतन-मनन

राजा की उदारता

राजा भोज के नगर में एक विद्वान ब्राह्मण रहते थे। एक दिन गरीबी से परेशान होकर उन्होंने राजभवन में चोरी करने का निश्चय किया। रात में वे वहां पहुंचे। सभी लोग सो रहे थे। सिपाहियों की नजरों से बचते हुए वह राजा के कक्ष तक पहुंच गए। स्वर्ण, रत्न, बहुमूल्य पात्र इधर-उधर पड़े थे। किंतु वे जो भी वस्तु उठाने का विचार करते, उनका शास्त्र ज्ञान उन्हें रोक देता। ब्राह्मण ने जैसे ही स्वर्ण राशि उठाने का विचार किया, मन में स्थित शास्त्र ने कहा- स्वर्ण चोर नर्पगामी होता है। जो भी वे लेना चाहते, उसी की चोरी को पाप बताने वाले वाक्य उनकी स्मृति में जाग उठते। रात बीत गई पर वे चोरी नहीं कर पाए। सुबह पकड़े जाने के भय से ब्राह्मण राजा के पलंग के नीचे छिप गए। महाराज के जागने पर रानियां व दासियां उनके अभिवादन हेतु प्रस्तुत हुई। राजा भोज के मुंह से किसी श्लोक की तीन पंक्तियां निकली। फिर अचानक वे रुक गए। शायद चौथी पंक्ति उन्हें याद नहीं आ रही थी। विद्वान ब्राह्मण से रहा नहीं गया। चौथी पंक्ति उन्होंने पूर्ण की।

महाराज चौंके और ब्राह्मण को बाहर निकलने को कहा। जब ब्राह्मण से भोज ने चोरी न करने का कारण पूछा तो वे बोले- राजन्, मेरा शाह्य ज्ञान मुझे रोकता रहा। उसी ने मेरी धर्म रक्षा की। राजा बोले- सत्य है कि ज्ञान उचित-अनुचित का बोध कराता है, जिसका धर्म संकट के क्षणों में उपयोग कर उचित राह पाई जा सकती है। राजा ने ब्राह्मण को प्रचुर धन देकर सदा के लिए उनकी निर्धनता दूर की दी।

स्वतंत्र मीडिया लोकतंत्र की सेहत का आईना

सौरभ वार्ष्णेय

प्रत्येक वर्ष 3 मई को पूरे विश्व में प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सेहत का आईना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक मीडिया किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। प्रेस की आजादी सिर्फ पत्रकारों का अधिकार नहीं, बल्कि नागरिकों के जानने के अधिकार का विस्तार है। वहीं रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स द्वारा जारी 2026 विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 180 देशों में 157 वें स्थान पर है। पिछले वर्ष (2025) के 151वें स्थान की तुलना में यह छह पायदान की गिरावट है। भारत में पत्रकारों के खिलाफ हिंसा, मीडिया के केंद्रीकृत स्वामित्व और राजनीतिक दबाव के कारण यह रैंकिंग बेहद गंभीर श्रेणी में है।

आज जब दुनिया तेजी से डिजिटल होती जा रही है, सूचना का प्रवाह पहले से कहीं अधिक तेज और व्यापक हो गया है। लेकिन इसी के साथ प्रेस की स्वतंत्रता पर नए प्रकार के खतरे भी मंडरा रहे हैं। फेक न्यूज, ट्रोल संस्कृति, सत्ता का दबाव, कॉरपोरेट हितों का प्रभाव और पत्रकारों की सुरक्षा जैसे मुद्दे गंभीर चुनौती बनकर उभरे हैं। कई देशों में पत्रकारों को सच्चाई उजागर करने की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है–यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए चिंताजनक है।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यहां प्रेस न केवल सत्ता की निगरानी करता है, बल्कि समाज के हाशिए पर खड़े लोगों की आवाज भी बनता है। हालांकि, हाल के वर्षों में यह बहस तेज हुई है कि क्या मीडिया अपनी स्वतंत्रता और निष्पक्षता को बनाए रखने में पूरी तरह सफल है? गोडी मीडिया जैसे शब्दों का प्रचलन इस चिंता को दशार्ता है कि कहीं न कहीं मीडिया का एक वर्ग सत्ता के अधिक निकट जाता दिख रहा है।

प्रेस की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि वह बिना जिम्मेदारी के कार्य करे। स्वतंत्रता के साथ जवाबदेही भी जुड़ी होती है। पत्रकारिता का मूल धर्म सत्य की खोज, तथ्यों की पुष्टि और निष्पक्ष प्रस्तुति है। जब मीडिया सनसनीखेजता या पक्षपात की ओर झुकता है, तो वह अपने ही अस्तित्व को कमजोर करता है।

इस अवसर पर सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे पत्रकारों को सुरक्षित और स्वतंत्र वातावरण प्रदान करें, जहां वे बिना भय के अपना कार्य कर सकें। वहीं, मीडिया संस्थानों को भी आत्ममंथन करना होगा कि वे व्यावसायिक दबावों से ऊपर उठकर जनहित को प्राथमिकता दें। लोकतंत्र को जीवित रखना है, तो उसकी आवाज को स्वतंत्र रखना ही होगा। यह केवल एक विचार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल सिद्धांत है। लोकतंत्र किसी भवन की तरह है, जिसकी नींव जनता की भागीदारी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर टिकी होती है। यदि इस अभिव्यक्ति पर अंकुश लगाया जाए, तो लोकतंत्र का ढांचा धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। स्वतंत्र आवाज केवल मीडिया तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक के विचार, प्रश्न और असहमति को व्यक्त करने के अधिकार का प्रतीक है। जब नागरिक बिना भय के अपनी बात कह पाते हैं, तभी सरकारें जवाबदेह बनती हैं और नीतियों में पारदर्शिता आती है। इसके विपरीत, जब आवाजों को दबाया जाता है, तो सत्ता निरंकुशता की ओर बढ? लगती है।आज के समय में यह चुनौती और भी जटिल हो गई है। एक ओर डिजिटल प्लेटफॉर्म ने अभिव्यक्ति के नए अवसर दिए हैं, वहीं दूसरी ओर दुष्प्रचार, ट्रोलिंग और सेंसरशिप जैसी प्रवृत्तियां भी सामने आई हैं। ऐसे में संतुलन बनाना आवश्यक है–जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनी रहे, वहीं जिम्मेदारी और सत्यनिष्ठा भी सुनिश्चित हो।लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता; यह निरंतर संवाद, आलोचना और विचार-विमर्श की प्रक्रिया है। इसलिए जरूरी है कि हम न केवल अपनी आवाज को स्वतंत्र रखें, बल्कि दूसरों की आवाज को सुनने और सम्मान देने की संस्कृति भी विकसित करें। लोकतंत्र की मजबूती इस बात पर निर्भर करती है कि उसकी आवाज कितनी स्वतंत्र, निष्पक्ष और सशक्त है। यदि यह आवाज जीवित और निर्भीक है, तो लोकतंत्र भी जीवित और सशक्त रहेगा।

प्रेस की स्वतंत्रता केवल कानूनों से नहीं, बल्कि समाज की जागरूकता और समर्थन से भी सुरक्षित रहती है। जब नागरिक सच को महत्व देंगे और निष्पक्ष पत्रकारिता का साथ देंगे, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस हमें यही संदेश देता है–अगर लोकतंत्र को जीवित रखना है, तो उसकी आवाज को स्वतंत्र रखना ही होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है। यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अर्बन हीट आइलैंड का असरः क्यों तप रहे हैं भारत के शहर

सुनील कुमार महला

भारतः100 में 95 शहर सबसे गर्म...

ग्लोबल वार्मिंग आज पूरी दुनिया के सामने एक गंभीर समस्या के रूप में उभर रही है और इसका प्रभाव भारत में बेहद स्पष्ट और चिंताजनक रूप से दिखाई दे रहा है। हाल ही में जारी रियल-टाइम वैश्विक तापमान रैंकिंग के अनुसार, दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में से 95 शहर अकेले भारत के हैं, जबकि टॉप-20 सबसे गर्म शहरों में 19 भारत के ही शामिल हैं। यह स्थिति बताती है कि देश इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अप्रैल माह में ही देश के कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है और मध्य भारत से लेकर गंगा के मैदानी क्षेत्रों तक अनेक शहरों में लू का प्रकोप देखने को मिल रहा है। कई स्थानों पर तापमान 45त्ड के करीब दर्ज किया गया है। इस सूची में केवल बड़े महानगर ही नहीं, बल्कि छोटे कस्बे भी शामिल हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि गर्मी का प्रभाव व्यापक और गहराई तक फैल चुका है। महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्य सबसे अधिक प्रभावित हैं, जहां के कई शहर वैश्विक सूची में प्रमुखता से दर्ज हैं। मौसम संबंधी रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा इस समय हाई हीट रिस्क जोन में है, जबकि सामान्यतः अफ्रीका और अरब देशों को दुनिया का सबसे गर्म क्षेत्र माना जाता था, लेकिन अब भारत के शहर उन्हें भी पीछे छोड़ते नजर आ रहे हैं।

वास्तव में आज के समय में भारत के शहर तेजी से अर्बन हीट आइलैंड में बदलते जा रहे हैं, जहां कंक्रीट, डामर और कांच से बनी इमारतें दिनभर गर्मी को सोखती हैं और रात में धीरे-धीरे छोड़ती हैं, जिससे तापमान कम नहीं हो पाता। मुंबई, दिल्ली, गुरुग्राम, लखनऊ, कानपुर, बेंगलुरु, कटक, जयपुर और भोपाल जैसे शहर इस प्रभाव की चपेट में तेजी से आ रहे हैं। मकानों की सीमेंट की छतें और घनी बस्तियां भी गर्मी को बढ़ाने में योगदान दे रही हैं। एक उपलब्ध आंकड़े के अनुसार, पिछले एक दशक में वार्म नाइट्स यानी गर्म रातों में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2025 में ही फरवरी के अंत तक रात के तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। वर्तमान स्थिति यह है कि देश के 266 जिले अत्यंत गंभीर गर्मी की श्रेणी में, 151 जिले गंभीर श्रेणी में और 201 जिले मध्यम श्रेणी में आ चुके हैं, जो स्थिति की भयावहता को दशार्ता है।

यदि कारणों की बात करें तो भारत में ग्लोबल वार्मिंग केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि मानवीय गतिविधियों का परिणाम है। इसके प्रमुख कारणों में कोयला, पेट्रोल और डीजल जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, तेजी से बढ़ता शहरीकरण और कंक्रीट का विस्तार, वनों की अंधाधुंध कटाई, बढ़ता औद्योगीकरण और प्रदूषण, परिवहन क्षेत्र का तेजी से विस्तार, विलासितापूर्ण जीवनशैली, कृषि गतिविधियों से उत्सर्जन, कचरा और प्लास्टिक प्रबंधन की समस्या तथा तेजी से बढ़ती जनसंख्या शामिल हैं। स्पष्ट है कि ये सभी कारक मिलकर तापमान वृद्धि को और तेज कर रहे हैं।

हाल फिलहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव आज पूरी दुनिया में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। इसके कारण पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे भीषण गर्मी, अनियमित वर्षा और सूखा जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं। हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं, जिसके कारण समुद्र स्तर बढ़ रहा है और तटीय क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा, जैव विविधता पर भी गंभीर असर पड़ रहा है, कई प्रजातियाँ विलुप्त होने के कगार पर हैं। मानव स्वास्थ्य, कृषि उत्पादन और जल संसाधनों पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, जिससे यह एक वैश्विक संकट बन चुका है।

अंततः, यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। इस समस्या को कम करने के लिए सौर और पवन ऊर्जा जैसे स्वच्छ स्त्रोतों को अपनाना, वृक्षारोपण को बढ़ावा देना, वनों की कटाई रोकना, निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन या साइकिल का उपयोग करना, बिजली और पानी की बचत करना, प्लास्टिक का सीमित उपयोग करना और कचरे का सही प्रबंधन करना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही, पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी उतना ही जरूरी है। सामूहिक प्रयासों से ही इस बढ़ती हुई चुनौती का समाधान संभव है और भविष्य को सुरक्षित बनाया जा सकता है।

ईरानी फुटबॉल प्रमुख को टोरंटो में प्रवेश की नहीं मिली इजाजत, मचा सियासी बवाल

-इमिग्रेशन मंत्री बोलीं- मैं पूरी तरह जवाबदेह हैं, इस फैसले में वह सीधी भागीदार नहीं

टोरंटो (एजेंसी)। कनाडा में उस समय सियासी हलचल तेज हो गई जब ईरान के फुटबॉल संघ के अध्यक्ष मेहदी ताज को देश में प्रवेश के लिए जरूरी दस्तावेज जारी किए जाने का मामला सामने आया। ताज का नाम इस्लामिक क्रांतिकारी गार्ड कोर (आईआरजीसी) से जुड़े होने के कारण पहले ही विवादों में रहा है, और यही वजह है कि इस फैसले ने सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया है। मामला तब और गंभीर हो गया जब यह खुलासा हुआ कि ताज और उनका प्रतिनिधिमंडल वैंकूवर में होने वाली फीफा कांग्रेस में हिस्सा लेने कनाडा आ रहे थे। हालांकि, उड़ान के दौरान ही उनके दस्तावेज रद्द कर दिए गए और टोरंटो पहुंचने पर उन्हें देश में प्रवेश की इजाजत नहीं दी गई। बाद में उन्हें वापस भेज दिया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इमिग्रेशन मंत्री लीना डायब ने संसद की समिति के सामने पेश होते हुए कहा कि वह इस घटना के लिए पूरी तरह जवाबदेह हैं, लेकिन इस फैसले की प्रक्रिया में उनकी सीधी भागीदारी नहीं थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि संबंधित व्यक्ति के पास कनाडा आने का कोई वैध दर्जा नहीं था और जैसे ही स्थिति स्पष्ट हुई, उसकी अनुमति रद्द कर दी गई। डायब ने यह भी भरोसा दिलाया कि इस मामले की पूरी जांच की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी चूक दोबारा न हो, खासकर तब जब देश 2026 के बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन की तैयारी कर रहा है। सरकार की ओर से सफाई दी गई, लेकिन विपक्ष ने इसे बड़ा मुद्दा बना लिया है। कंजर्वेटिव नेता मिशेल रेम्पेल गार्नर ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक प्रशासनिक गलती नहीं, बल्कि सुरक्षा से जुड़ा गंभीर सवाल है उनके मुताबिक किसी भी हालत में एक ऐसे व्यक्ति को परमिट नहीं दिया जाना चाहिए था, जिसका नाम एक प्रतिबंधित संगठन से जुड़ा रहा हो। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की घटनाएं कनाडा की इमिग्रेशन प्रणाली पर लोगों का भरोसा कमजोर कर रही हैं। यह पूरा विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब 2026 का फीफा वर्ल्ड कप नजदीक है और कनाडा इसकी सह-मेजबानी करने जा रहा है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की एंट्री और सुरक्षा जांच को लेकर सरकार पर दबाव और बढ़ गया है।

ईरान ने दो जासूसों को दी फांसी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने एक बार फिर सख्त कदम उठाते हुए इजराइल के लिए जासूसी के आरोप में दो लोगों को फांसी दे दी है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब इलाके में तनाव पहले से ही बना हुआ है। इन दोनों पर देश की अहम और संवेदनशील जानकारी बाहर पहुंचाने का आरोप था, जिसे कोर्ट ने गंभीर माना और सजा सुनाई गई। इनमें से एक शख्स पर इस्फहान प्रांत में मौजूद नतांज परमाणु साइट के आसपास से खुफिया जानकारी जुटाने का आरोप था। ईरान की न्यायपालिका ने कहा कि दोनों को इजराइल और उसकी खुफिया एजेंसी मोसाद के साथ सहयोग का दोषी पाया गया, जिसके बाद उन्हें फांसी दी गई। यही वजह है कि इस पूरे मामले को ईरान में बड़ी सुरक्षा कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है।

अमेरिका में एच-1बी वीज़ा के भविष्य पर बड़ा संकट भारतीय पेशेवरों की बढ़ी चिंता

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी संसद में पेश किया गया एक नया विधेयक, एंड एच-1बी वीज़ा एब्यूज एक्ट ऑफ 2026, भारत सहित दुनिया भर के उन लाखों पेशेवरों और छात्रों के अमेरिकन ड्रीम पर गहरा संकट पैदा कर रहा है जो अमेरिका में अपने करियर की तलाश में हैं। रिपब्लिकन सांसदों के एक प्रभावशाली समूह द्वारा पेश किए गए बिल को एच-1बी वीज़ा कार्यक्रम के भविष्य के लिए बड़ा खतरा माना जा रहा है। रिपब्लिकन सांसद एली क्रेन द्वारा प्रस्तुत विधेयक को ब्रैंडन गिल, पॉल गोसर और एंडी ओगल्स सहित 35 से अधिक कट्टरपंथी सांसदों का समर्थन मिला है। इसके पीछे फ्रीडम कॉकस नामक करीब 40-45 रिपब्लिकन सांसदों का शक्तिशाली गुट है, जो अमेरिकी श्रमिकों के हितों की रक्षा और आर्थिक राष्ट्रवाद को प्राथमिकता देने की अपनी नीतियों के लिए जाना जाता है। उनका मानना है कि वर्तमान वीज़ा व्यवस्था अमेरिकी नागरिकों के बजाय कॉर्पोरेट जगत को लाभ पहुँचाती है। यह बिल मौजूदा एच-1बी वीज़ा प्रणाली में केवल सुधार नहीं, बल्कि पूरी तरह से बदलने का प्रस्ताव करता है। इसके प्रमुख प्रावधानों में नए एच-1बी वीज़ा जारी करने पर तीन साल का पूर्ण प्रतिबंध, वार्षिक कोटा को मौजूदा 65,000 से घटाकर मात्र 25,000 करना, लॉटरी सिस्टम खत्म कर न्यूनतम 200,000 डॉलर (करीब1.89 करोड़ रुपए) सालाना वेतन की शर्त पर वीज़ा जारी करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, छात्रों के लिए ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) कार्यक्रम को पूरी तरह से समाप्त करने, एच-1बी धारकों के परिजनों (एच-4 वीज़ा) के काम करने पर रोक और इस वीज़ा से ग्रीन कार्ड की राह को बंद करने का भी प्रस्ताव है। वीज़ा एजेंसियों के माध्यम से भर्ती पर भी पूर्ण प्रतिबंध का प्रावधान है।

कनाडा में पेश हुई खुफिया रिपोर्ट, खालिस्तानी चरमपंथी गतिविधियां देश के लिए खतरा

आटोवा (एजेंसी)। कनाडा की सुरक्षा खुफिया सेवा सीएसआईएस ने नई रिपोर्ट जारी कर देश में सक्रिय खालिस्तानी चरमपंथी गतिविधियों को लेकर गंभीर चिंता जता दी है। रिपोर्ट को कनाडाई संसद में भी पेश किया गया, जिसमें कहा गया है कि कुछ खालिस्तानी समूह देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कनाडा में मौजूद कुछ खालिस्तानी तत्व एक हिंसक चरमपंथी एजेंडा को बढ़ावा दे रहे हैं। इन समूहों पर आरोप है कि वे न केवल अपने विचारों का प्रचार कर रहे हैं, बल्कि कुछ मामलों में हिंसक गतिविधियों से भी जुड़े हो सकते हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप की ईरान को दो टूक, कहा- पागलों को नहीं देंगे परमाणु बम

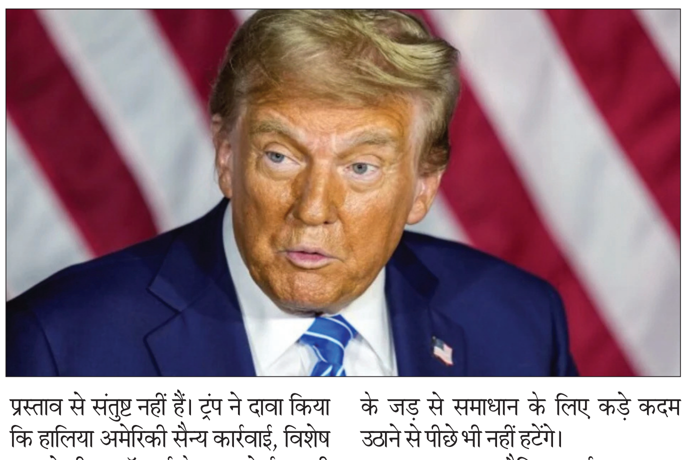

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम और वहां के मौजूदा नेतृत्व के खिलाफ एक बार फिर आक्रामक रुख अपना लिया है। ट्रंप ने चेतावनी भरे लहजे में स्पष्ट किया कि वे ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे, क्योंकि यह वैश्विक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा है। उन्होंने दोटूक कहा कि अगर ईरान के पास परमाणु शक्ति आती है, तो उसका पहला निशाना इजरायल, फिर मध्य पूर्व और यूरोप होगा, जिसके बाद अमेरिका की बारी आएगी। उन्होंने ईरानी नेतृत्व को पागल और दुष्ट करार देते हुए कहा कि ऐसे हाथों में परमाणु तकनीक विनाशकारी साबित होगी।

पाकिस्तान की मध्यस्थता के जरिए आए शांति प्रस्ताव पर असंतोष जाहिर करते हुए ट्रंप ने कहा कि ईरान की शर्तें अमेरिका को मंजूर नहीं हैं। फ्लोरिडा रवाना होने से पहले उन्होंने संकेत दिया कि हालांकि ईरान समझौता चाहता है, लेकिन वे मौजूदा प्रस्ताव से संतुष्ट नहीं हैं। ट्रंप ने दावा किया कि हालिया अमेरिकी सैन्य कार्रवाई, विशेष रूप से बी-2 बॉम्बर्स के प्रहार ने ईरान की रक्षा क्षमताओं को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। उनके अनुसार, अब ईरान के पास न प्रभावी नौसेना बची है और न ही रडार सिस्टम। जब उनसे भीषण हमले की संभावना पर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि वे मानवीय आधार पर किसी देश को खत्म नहीं करना चाहते, लेकिन समस्या के जड़ से समाधान के लिए कड़े कदम उठाने से पीछे भी नहीं हटेंगे।

इस तनाव का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ा है। 28 फरवरी को शुरू हुई जंग और होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) के प्रभावित होने से अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में हाहाकार मचा हुआ है। दुनिया की 20 प्रतिशत तेल आपूर्ति का मार्ग होने के कारण इस संकट ने कच्चे तेल की कीमतों को 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचा दिया है, जो बीते चार साल का उच्चतम स्तर है। हालांकि, सीजफायर की खबरों के बीच कीमतों में मामूली गिरावट देखी गई है, लेकिन तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा। दूसरी ओर, अमेरिका ने आर्थिक घेराबंदी तेज कर दी है। वाशिंगटन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि होर्मुज मार्ग से गुजरने वाले जो भी शिपिंग कंटेनर ईरान को टोल शुल्क का भुगतान करेंगे, उन पर कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। इस दबाव के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि यदि अमेरिका धमकी भरी बयानबाजी बंद करे, तो वे कूटनीति के लिए तैयार हैं। हालांकि, ईरान ने भी अपने एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय कर दिया है और किसी भी संभावित हमले का जवाब देने के लिए अपनी सेना को मुस्तैद रखा है। फिलहाल, पूरी दुनिया की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या कूटनीति से यह संकट सुलझेगा या सैन्य कार्रवाई का नया दौर शुरू होगा।

अमेरिकी सेना समुद्री डाकू, ईरानी बंदरगाहों से अब तक कई जहाजों को पकड़ा

ट्रंप ने कहा- संघर्ष जारी रखने सांसदों से विशेष अनुमति लेने की जरूरत नहीं

वाशिंगटन,(ईएमएस)। ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिका की नाकाबंदी जारी है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी नौसेना की तारीफ करते हुए उन्हें समुद्री डाकू बताया है। ट्रंप ने ये भी दावा किया है कि नाकाबंदी से अमेरिका को काफी फायदा हुआ है। ट्रंप ने कुछ दिन पहले अमेरिकी सेना के एक जहाज को जब्त करने का जिक्र किया।

उन्होंने बताया कि ईरान के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिकी सेना ने ईरानी बंदरगाहों से निकलने वाले कई जहाजों को पकड़ा। इसके अलावा, एशियाई समुद्री क्षेत्रों में भी ईरान के टैंकरों और प्रतिबंधित कंटेनर जहाजों पर कार्रवाई की गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान के बंदरगाहों पर नाकाबंदी कर रही अमेरिकी नौसेना की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वो समुद्री डाकू की तरह काम कर रही है। हाल ही में ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस नेताओं को पत्र लिखकर दावा किया था कि ईरान के साथ जारी युद्ध और सैन्य संघर्ष अब खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि युद्ध शक्तियों की समयसीमा खत्म हो गई है, इसलिए अब ईरान के साथ कोई गोलीबारी नहीं हो रही है। बता दें 1 मई को जंग को 60 दिन पूरे हो गए और इसके साथ ट्रंप को जंग जारी रखने के लिए सांसदों की अनुमति की जरूरत है, लेकिन अब ट्रंप का कहना है कि लड़ाई खत्म हो चुकी है, इसलिए उन्हें इस संघर्ष को जारी रखने के लिए सांसदों से विशेष अनुमति लेने की जरूरत नहीं है। दूसरी तरफ अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने शिपमेंट कंपनियों को चेतावनी दी है कि होर्मुज से गुजरने के लिए ईरान को किसी भी तरह का टोल या शुल्क न दिया जाए। अगर कोई कंपनी ईरान को पैसे देती है, चाहे वो ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी जैसे संगठनों को दान के रूप में ही क्यों न हो, तो उस पर सख्त प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

ईरान में महंगाई ने तोड़ी लोगों की कमर, एक लाख रियाल में सिर्फ दो रोटी

-आर्थिक संकट के बीच 1 करोड़ का नया नोट कर चुका है जारी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में बढ़ती महंगाई ने आम लोगों की जिंदगी को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। हालात ऐसे हैं कि अब देश का एक लाख रियाल का नोट भी बेहद कम मूल्य का माना जाने लगा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस रकम में केवल दो फ्लैटब्रेड यानी रोटी ही खरीदी जा सकती हैं, जो आम नागरिकों के लिए चिंता का विषय है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के कारण लोगों को रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए भारी मात्रा में नकदी साथ रखनी पड़ रही है। आर्थिक दबाव के चलते छोटे मूल्य के नोटों का महत्व तकरीबन समाप्त होता जा रहा है और बड़ी रकम भी जल्दी खर्च हो जाती है।

रिपोर्ट के मुताबिक इसी बीच सरकार ने हाल ही में 1 करोड़ रियाल का नया बैंकनोट जारी किया है, जो अब तक का सबसे बड़ा नोट है। हालांकि इसकी वास्तविक कीमत भारतीय मुद्रा में करीब 650 से 700 रुपए के आसपास ही है। गुलाबी रंग के इस नोट के एक तरफ 9वीं सदी की जामा मस्जिद की तस्वीर है, जबकि दूसरी ओर ऐतिहासिक बाम किले का चित्र अंकित है। इससे पहले फरवरी में 50 लाख रियाल का नोट जारी किया था, लेकिन नया नोट उससे भी अधिक मूल्य का है।

सरकार का कहना है कि इस बड़े नोट को जारी करने का उद्देश्य लोगों तक नकदी की आसान उपलब्धता सुनिश्चित करना है, हालांकि डिजिटल भुगतान प्रणाली को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके बावजूद एटीएम के बाहर लंबी कतारें देखी जा रही हैं और कई मशीनों में नकदी की कमी की शिकायतें सामने आई हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक अमेरिका और इजराइल के साथ बढ़ते तनाव के चलते लोगों में अनिश्चितता का माहौल है। उन्हें आशंका है कि किसी भी समय इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणाली प्रभावित हो सकती है, जिसके चलते वे ज्यादा नकदी अपने पास रखना चाहते हैं।

अमेरिका ने समुद्र में उतारे मिसाइल डेस्ट्रॉयर, ईरान पर सटीक हमले की तैयारी

वाशिंगटन (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने अपनी नौसेना को हाई अलर्ट पर रखते हुए युद्धपोतों की तैनाती शुरू कर दी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, गाइडेड-मिसाइल डेस्ट्रॉयर यूएसएस डेलबर्ट डी ब्लैक सहित कई जहाजों पर भारी मात्रा में ईंधन, रसद, आधुनिक हथियार और अन्य जरूरी सैन्य सामान लोड किया जा रहा है। यह तैयारी इस ओर इशारा करती है कि अमेरिकी नौसेना क्षेत्र में लंबे समय तक चलने वाले किसी भी सैन्य ऑपरेशन के लिए पूरी तरह कमर कस चुकी है।

इस बीच सैन्य हलकों से आ रही खबरें और भी चौंकाने वाली हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के कमांडर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई के विभिन्न विकल्पों से अवगत कराया है। व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान एडमिरल ब्रैड कूपर ने राष्ट्रपति के समक्ष एक छोटे लेकिन बेहद शक्तिशाली हमले का खाका पेश किया है। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य ईरान की बची हुई सैन्य क्षमता, उसके शीर्ष नेतृत्व और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना है। चर्चा यह भी है कि इस संभावित हमले में अमेरिका अपने सबसे घातक और उन्नत हथियार डार्क ईगल हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल कर सकता है।

अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि ईरान सीजफायर की आड़ में अपनी सैन्य शक्ति को फिर से संगठित करने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी सरकार उन मिसाइलों और ड्रोन प्रणालियों को मलबे या भूमिगत ठिकानों से बाहर निकाल रही है, जो पिछले अमेरिकी-इजरायली हवाई हमलों के दौरान सुरक्षित बच गए थे। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि यदि सैन्य ऑपरेशन दोबारा शुरू होता है, तो ईरान अपनी बढ़ी हुई ड्रोन और मिसाइल क्षमता का उपयोग कर मध्य पूर्व के अन्य देशों पर जवाबी हमला कर सकता है। तनाव की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि गुरुवार रात ईरान की राजधानी तेहरान में एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय होने की खबरें आईं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, ये सिस्टम किसी संदिग्ध ड्रोन या टोही विमान को मार गिराने के लिए सक्रिय हुए थे। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह कोई वास्तविक खतरा था या केवल एक युद्धाभ्यास। फिलहाल, वाशिंगटन से लेकर तेहरान तक सैन्य हलचलें तेज हैं और पूरी दुनिया की नजरें राष्ट्रपति ट्रंप के अगले कदम पर टिकी हैं।

इजरायल ने यूएई की सुरक्षा के लिए तैनात की अपनी सबसे उन्नत लेजर रक्षा प्रणाली

तेल अवीव (एजेंसी)। मध्य पूर्व के बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कूटनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। इजरायल ने ईरान के संभावित मिसाइल और ड्रोन हमलों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए अपनी सबसे आधुनिक लेजर-आधारित वायु रक्षा प्रणाली आयरन बीम को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में तैनात कर दिया है। साल 2020 में हुए अब्राहम एकॉर्ड्स के बाद दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग का यह अब तक का सबसे बड़ा और अभूतपूर्व उदाहरण है। इस कदम की खास बात यह है कि इजरायल ने न केवल अपने अत्याधुनिक हथियार बल्कि उन्हें संचालित करने के लिए अपने सैन्य कर्मियों को भी पहली बार किसी अरब देश की धरती पर उतारा है।

इजरायल द्वारा यूएई को दिए गए इस सुरक्षा कवच में तीन प्रमुख तकनीकें शामिल हैं। सबसे महत्वपूर्ण आयरन बीम है, जो एक हाई-एनर्जी लेजर हथियार है। यह प्रणाली कम दूरी के रॉकेट, आर्टिलरी और ड्रोन्स को महज 4 से 5 सेकंड में लेजर बीम से जलाकर नष्ट कर देती है। इसके साथ ही, दुनिया की सबसे भरोसेमंद रक्षा प्रणाली आयरन डोम और स्पेक्ट्रो सिस्टम भी तैनात किए गए हैं। स्पेक्ट्रो सिस्टम एक उन्नत निगरानी प्रणाली है जो शाहेद जैसे छोटे ईरानी ड्रोन्स को 20 किलोमीटर दूर से ही रडार पर पकड़ने में सक्षम है। इस रक्षा समझौते का सबसे चौंकाने वाला पहलू इजरायली सैनिकों की मौजूदगी है। रिपोर्टों के अनुसार, केवल हथियारों का निर्यात नहीं किया गया है, बल्कि इन प्रणालियों के संचालन के लिए दर्जनों इजरायली सैन्य कर्मी यूएई में मौजूद हैं। यह बड़े पैमाने पर बूट्स ऑन द ग्राउंड की स्थिति है। इसके अतिरिक्त, इजरायल अब पश्चिमी ईरान से होने वाले मिसाइल लॉन्च की रियल-टाइम खुफिया जानकारी भी यूएई के साथ साझा कर रहा है।

बताया जा रहा है कि ईरान द्वारा हाल के समय में किए गए भारी मिसाइल और ड्रोन हमलों को देखते हुए इजरायल ने आनन-फानन में अपने वे हथियार भी भेज दिए जो अभी प्रोटोटाइप चरण में थे। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दशकों की कड़वाहट के बाद इजरायल का अपनी सबसे संवेदनशील तकनीक एक अरब देश को देना गहरे भरोसे को दर्शाता है। यह ईरान के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि अब खाड़ी के देश और इजरायल एक साझा रक्षा मोर्चे पर एकजुट हैं। लेजर तकनीक का उपयोग ड्रोन हमलों का एक किफायती तोड़ भी साबित हो रहा है, क्योंकि इसमें इंटरसेप्टर मिसाइलों की तरह करोड़ों का खर्च नहीं आता।

ट्रंप ने फिर उड़ाया मुस्लिम महिला सांसद का मजाक, बोले- इन्होंने सगे भाई से शादी की

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने विवादास्पद बयानों और तीखे तेवरों के चलते एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। फ्लोरिडा में आयोजित एक चुनावी रैली के दौरान ट्रंप ने न केवल अमेरिका की मुस्लिम सांसद इल्हान उमर के बोलने के लहजे (एक्सेंट) की नकल उतारी, बल्कि उन पर बेहद निजी और गंभीर आरोप लगाकर नया विवाद खड़ा कर दिया। ट्रंप ने मंच से एक पुरानी और विवादित अफवाह को दोहराते हुए दावा किया कि इल्हान उमर ने अपने सगे भाई से शादी की है। इस दौरान उन्होंने उपहास उड़ाते हुए कहा कि यह पूरी तरह गैरकानूनी है, लेकिन फिर भी वे एक प्यारी जोड़ी की तरह दिखते हैं।

ट्रंप ने रैली में इस कथित रिश्ते का मजाक उड़ाने के लिए एक काल्पनिक बातचीत का स्वांग रचा और ब्रदर शब्द का इस्तेमाल करते हुए इल्हान उमर की मिमिक्री की। उन्होंने समर्थकों के बीच उमर को घिनौना करार देते हुए कहा कि वह उन्हें देखना तक बर्दाश्त नहीं कर सकते। गौरतलब है कि रूढ़िवादी गुट लंबे समय से यह दावा करते रहे हैं कि उमर ने आव्रजन नियमों का फायदा उठाने के लिए अपने भाई से शादी की थी, जिसे ट्रंप ने चुनावी हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया।

सांसद उमर के मूल देश सोमालिया को लेकर भी ट्रंप ने बेहद तल्ख टिप्पणी की। उन्होंने व्यंग्य करते हुए सोमालिया को एक ऐसा देश बताया जहां न सरकार है और न सेना, बल्कि वहां सिर्फ गरीबी और अपराध का बोलबाला है। ट्रंप ने नाराजगी जताते हुए कहा कि ओमार एक ऐसे देश से आती हैं जिसकी हालत दुनिया में सबसे खराब है, लेकिन वे अमेरिका आकर यहां के लोगों को शासन चलाने की नसीहत देती हैं। उन्होंने उमर को पाखंडी बताते हुए उनके संवैधानिक अधिकारों पर भी सवाल उठाए।

इतना ही नहीं, ट्रंप ने इल्हान उमर पर वित्तीय धोखाधड़ी के आरोप भी लगाए। उन्होंने एक कथित घटना का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले महीने उमर ने अपनी संपत्ति 38 मिलियन डॉलर घोषित की थी, लेकिन जांच शुरू होते ही उन्होंने इसे महज एक अकाउंटिंग की गलती बताकर 80,000 डॉलर से भी कम कर दिया। अपने भाषण के अंत में ट्रंप ने बेहद सख्त लहजे में कहा कि ऐसे लोगों का जीवन घोटालों पर आधारित होता है और उन्हें देश से बाहर निकाल देना चाहिए। उनके इस भाषण के बाद राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

अमेरिका ने ईरान की नाकेबंदी तोड़ने के लिए बनाया अंतरराष्ट्रीय गठबंधन का प्लान

-होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के बीच...

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच जारी सैन्य टकराव अब एक नए और जटिल रणनीतिक मोड़ पर पहुंच गया है। पिछले दो महीनों से जारी इस संघर्ष की गति भले ही कुछ धीमी पड़ती दिख रही हो, लेकिन तनाव का स्तर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। वर्तमान में इस टकराव का केंद्र दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बन गया है। ईरान द्वारा इस मार्ग पर की गई नाकेबंदी ने अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की चिंताएं बढ़ा दी हैं, क्योंकि वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। इस नाकेबंदी के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ते नकारात्मक प्रभाव को देखते हुए अब अमेरिका ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है।

अमेरिकी प्रशासन अब सीधे सैन्य टकराव के बजाय कूटनीतिक और सामूहिक सुरक्षा की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। इस नई रणनीति के तहत 'मैरीटाइम फ्रीडम कंस्ट्रक्ट' यानी समुद्री स्वतंत्रता संरचना नाम का एक अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाने की तैयारी की जा रही है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य से वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही को फिर से सामान्य करना और समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस योजना को प्रभावी बनाने के लिए अमेरिकी विदेश विभाग और अमेरिकी सेंट्रल कमान (सेंटकॉम) मिलकर काम करेंगे। जहाँ विदेश विभाग विभिन्न देशों और शिपिंग कंपनियों के साथ कूटनीतिक समन्वय करेगा, वहीं सेंटकॉम समुद्री गतिविधियों की निगरानी और जहाजों को सुरक्षा प्रदान करने का जिम्मा संभालेगा। दरअसल, फरवरी के अंत में हुए हमलों के बाद ईरान ने इस मार्ग पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी, जिससे शिपिंग ट्रैफिक लगभग ठप हो गया है। दूसरी ओर, ईरान ने भी अमेरिका की इस घेराबंदी का जवाब देने के लिए फोन डिप्लोमेसी का सहारा लिया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तुर्की, कतर, सऊदी अरब, मिस्र और इराक जैसे क्षेत्रीय देशों के विदेश मंत्रियों से संपर्क कर अपनी स्थिति स्पष्ट की है। ईरान ने इन देशों को संदेश दिया है कि क्षेत्र में अस्थिरता का मुख्य कारण अमेरिका और इजरायल की नीतियां हैं। ईरान का कहना है कि वह शांति का पक्षधर है और उसने इस युद्ध की शुरुआत नहीं की थी, लेकिन अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए उसकी सेना पूरी तरह तैयार है। ईरान ने यह संकेत भी दिया है कि यदि अमेरिका अपना रुख बदलता है, तो बातचीत के रास्ते खुले हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट है कि होर्मुज का यह संघर्ष अब केवल सैन्य नहीं, बल्कि एक बड़े वैश्विक राजनीतिक और कूटनीतिक युद्ध में तब्दील हो चुका है, जिसके परिणाम पूरी दुनिया के लिए दूरगामी होंगे।

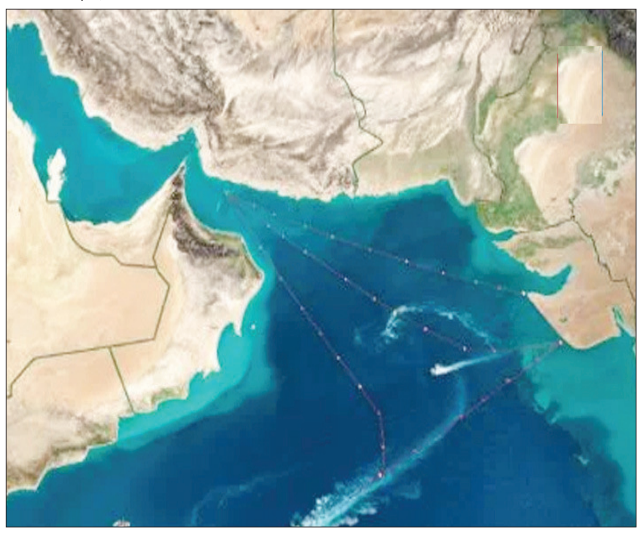

खूब पिएं गन्ने का जूस, होते हैं इतने सारे फायदे

गर्मी के मौसम में शरीर को ज्यादा पानी की आवश्यकता होती है। पानी की कमी से शरीर को कई नुकसान होते हैं। गन्ने का जूस शरीर में पानी की कमी दूर करने का एक अच्छा विकल्प है। दुनिया में सबसे ज्यादा गन्ना भारत में पैदा होता है। गन्ने का जूस सस्ता होता है, आसानी से मिल जाता है। शरीर के लिए लाभदायक तत्वों से भरपूर गन्ने के जूस के सेवन से शरीर का प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत होता है।

- अगर किसी को सर्दी-जुकाम की समस्या है तो उसे गन्ने का जूस पीने की सलाह दी जाती है। ऐसे कई रोग हैं जिनका इलाज गन्ने का जूस है। आइए जानते हैं गन्ने के जूस के सेवन शरीर को होने वाले फायदे।
- गन्ने का जूस आपकी किडनी को स्वस्थ बनाए रखने में काफी मदद करता है। इसका जूस डाईयूरेटिक होता है। इसे पीने से पथरी तक की समस्या का समाधान संभव है।
- आयुर्वेद के अनुसार गन्ने का जूस आपके लिवर के लिए बहुत लाभप्रद होता है। पीलिया रोग के मरीजों को भी गन्ने के जूस के सेवन से आराम मिलता है। गन्ने का जूस आपके शरीर से अवांछित पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है।
- गन्ने के जूस में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, आयरन और पोटैशियम जैसे शरीर के लिए लाभदायक तत्व पाए जाते हैं। इसके लगातार सेवन से व्यक्ति का शरीर मजबूत होता है और कार्यक्षमता में वृद्धि होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार गन्ने के सेवन से पेट संबंधी रोग दूर हो जाते हैं। एंटीऑक्सिडेंट गुणों से भरपूर गन्ने के सेवन से बदहजमी की समस्या से निजात मिलती है।

सौंफ के फायदे

भारत के घरों में साधारणतः सौंफ का इस्तेमाल खाना खाने के अंत में किया जाता है, क्योंकि इसको खाने से मुंह की बदबू दूर होती है। सौंफ में तांबा आयरन, कैल्सियम, पोटैशियम, मैंगनीस, सिलीनीअम, जिंक और मैग्नेशियम जैसे मिनरल्स पाए जाते हैं। चलिए पता लगाते हैं कि सौंफ खाने के और कितने फायदे होते हैं-

सांस की बदबू को दूर करता है: सौंफ माउथ फ्रेशनर का काम करती है। इसमें कई तरह के सुगंधित तेल होते हैं जो मुंह से बदबू को दूर करता है। इसको चबाने से आपके मुंह में लार का उत्पादन बढ़ता है जो मुंह में छिपे हुए खाद्य पदार्थों को निकालकर हजम करने की क्रिया को शुरू करवाती है। एंटी-बैक्टिरीअल और एंटी इन्फ्लैमटोरी गुणों के अलावा ये सांसों के बदबू और मसूड़ों को संक्रमित करने वाले जीवों को नष्ट करती है।

टिप: खाना खाने के बाद सांस की बदबू को दूर करने के लिए सौंफ खाएं। अगर आपके मसूड़ों में संक्रमण हैं तो सौंफ के कुछ दानों को पानी में डालकर उबाल लें और उस काढ़े से गार्गल करें। इस काढ़े से नियमित रूप से गरारा करने पर सांस की बदबू दूर होती है।

बदहजमी, कब्ज और ब्लोटिंग से राहत दिलाती है। सौंफ बदहजमी को दूर करती है। जैसे ही आप सौंफ को चबाना शुरू करते हैं, इसमें जो जरूरी तत्व होते हैं, वे पाचन क्रिया का काम करना शुरू कर देते हैं। इसके साथ ही इसमें जो फाइबर होता है, वह मल को नरम करके कब्ज की समस्या को दूर करती है।

मासिक धर्म के दर्द से राहत दिलाता है : सौंफ श्रोणि और गर्भाशय की जगह में रक्त को नियमित व संतुलित रूप से प्रवाह करवाकर मासिक धर्म के दौरान दर्द से राहत दिलाती है। जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेद के अनुसार जो महिलाएं मासिक धर्म के दौरान सौंफ का सेवन करती हैं, उनको दर्द का कष्ट कम सहना पड़ता है।

टिप: एक पैन में जरूरत के अनुसार पानी लें और उसमें एक बड़ा चम्मच सौंफ डालकर उसको तब तक उबालें जब तक कि पानी का रंग न बदल जाए। उसके बाद काढ़े को छान लें। मासिक धर्म के दौरान गुनगुना गर्म काढ़े का सेवन करने से दर्द से राहत मिलती है।

कैंसर की संभावना को कम करता है: सौंफ मैंगनीस के अच्छे स्रोतों में एक है। शरीर जब इस मिनरल का इस्तेमाल करता है, तब एक शक्तिशाली एंटी-ऑक्सिडेंट एंजाइम सूपरऑक्साइड डिस्म्यूटेस का उत्पादन होता है, जो कैंसर की संभावना को कम करता है। सौंफ चबाने से त्वचा, पेट और स्तन कैंसर की संभावना कुछ हद तक कम होती है।

अनिमिआ से रक्षा करती है: सौंफ में आयरन, तांबा और हिस्टिडाइन तीनों भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जिससे शरीर में लाल रक्त कण का उत्पादन अच्छी तरह से हो पाता है। सौंफ का सेवन करने से शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ने लगती है, जिसके फलस्वरूप हिमोग्लोबिन की मात्रा भी बढ़ जाती है। रोजाना सौंफ खाना गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष रूप से लाभदायक होता है, क्योंकि ये अनिमिआ के बुरे प्रभाव से बचाती है।

वाटर रिटेनशन को कम करता है: सौंफ में मूत्रवर्द्धक गुण होने के कारण यह इडीमा होने से शरीर की रक्षा करती है। इसी गुण के कारण इसके नियमित सेवन से वजन भी घटता है। इडीमा होने के बहुत से कारण होते हैं, इसलिए सौंफ का इस्तेमाल करने के पहले सही वजह का पता पहले लगा लेना अच्छा होता है।

क्या यह वजन घटाएगा: सौंफ में मूत्रवर्द्धक गुण होता है। इसी कारण जब आप इसको अपने डाइट में शामिल करेंगे, तब यह आपके हजम शक्ति को सुधारने के साथ-साथ शरीर के चयापचय के रेट को बढ़ाकर वजन को घटाती है। जर्नल ऑफ डाइबीटिज एंड मेटाबॉलिक सिंड्रोम के अध्ययन के अनुसार सौंफ और काले मिर्च के मिश्रण का सेवन करने से इंसुलिन की संवेदनशीलता बढ़ती है और वजन घटता है। साथ ही ये कोलेस्ट्रोल के स्तर को कम करती है और मेटाबॉलिक सिंड्रोम और डाइबीटिज से बचाती है।

टिप: जरूरत के अनुसार सौंफ को भूनकर पीस लें। इसके पावडर को गर्म पानी में मिलाकर काढ़ा बना लें। अब इस काढ़े को दिन में दो बार खाली पेट खाने से बहुत ही अच्छा फल मिलता है।

ब्लड-प्रेशर को नियंत्रित करती है: जर्नल ऑफ फूड साइंस के अध्ययन के अनुसार सौंफ में नाइट्राइट और नाइट्रेट प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। ये दोनों यौगिक नए रक्त कोशिकाओं के बनने और संख्या को बढ़ाने में सहायता करती है। अध्ययन से यह पता चला है कि ये लार में नाइट्राइट की मात्रा को बढ़ाकर नैचरल तरीके से ब्लड-प्रेशर को नियंत्रित करती है। इसके अलावा सौंफ में जो पोटाशियम की उच्च मात्रा होती है, ये कोशिका और बॉडी फ्लूइड की जरूरी तत्व में से एक है। ये तत्व हृदय की गति और ब्लड-प्रेशर को नियंत्रित करने में भी सहायता करती है।

रेसिपी

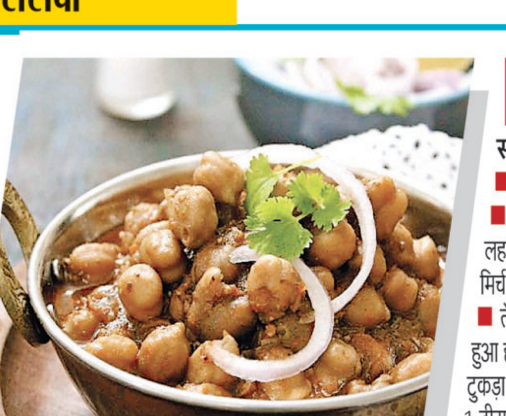

पंजाबी चना मसाला

सामग्री

■ काबुली चना: 1/2 कप ■ चाय की पत्तियां : 1 टीस्पून ■ टमाटर: 2 ■ प्याज बारीक कटा: 1 ■ अदरक-लहसुन का पेस्ट: 1½ टीस्पून ■ हरी मिर्च : 1 ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ हल्दी पाउडर: 1/4 टीस्पून ■ तेल: 3 टेबलस्पून ■ नमक स्वाद के अनुसार ■ कटा हुआ हरा धनिया: 2 टेबलस्पून ■ तेज पत्ता का एक छोटा सा टुकड़ा ■ काली इलायची: 1 बड़ी ■ सूखे धनिए के बीज: 1 टीस्पून ■ जीरा: 1 टीस्पून ■ काली मिर्च:4-5 ■ सूखी लाल मिर्च: 1 ■ लौंग: 2

विधि

सफेद चने को रातभर या लगभग 8-10 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। 1 टीस्पून चाय को एक सादे कपड़े में बांध दे और कुकर में चने के साथ रख दें। चाय के साथ ही इसमें नमक और पानी भी डालें। 4-5 सीटी आने तक पकाएं। उबले हुए चने में से एक्स्ट्रा पानी को एक कटोरे में छान लें, जिसका इस्तेमाल आगे करेंगे। तेज पत्ता, बड़ी इलायची, सूखे धनिए के बीज, जीरा, काली मिर्च, सूखी लाल मिर्च और लौंग कम आंच पर 1 मिनट के लिए भून लें। सूखा पंजाबी मसाला पाउडर बनाने के लिए भूने हुए मसालों को मिक्सी में बारीक पीस लें। टमाटर को मिक्सी में पीसकर प्यूरी बना लें। एक कड़ाही में मध्यम आंच पर तेल गरम करें। प्याज डालकर उसे सुनहरा होने तक भून लें। अब उसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट और कटी हुई हरी मिर्च डालकर 30 सेकंड के लिए भूनेंगे। टमाटर की प्यूरी और नमक डालें। तेल अलग होने लगे तब प्यूरी डालकर 4-5 मिनट पकाएं हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और सूखा मसाला पाउडर (स्टेप-4 में तैयार किया हुआ) डाले। उबले हुए चने, तैयार चना पेस्ट और 1 कप पानी (उबले हुए चने में से छाना हुआ) डाले और अच्छी तरह से मिलाएं। ग्रेवी को गाढ़ा होने तक पकने दें, उसमें लगभग 4-5 मिनट लगेंगे। तैयार है आपका पंजाबी चना मसाला।

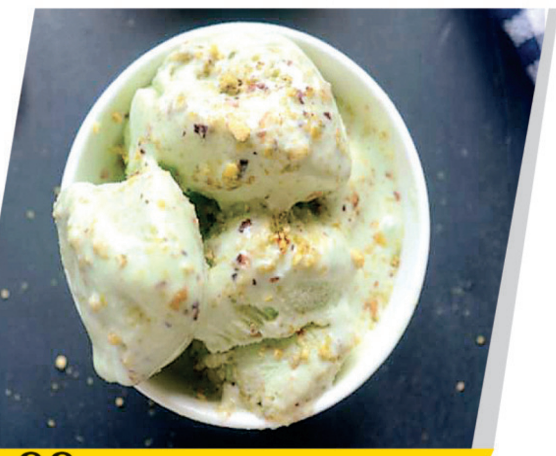

पिस्ता आईसक्रीम

सामग्री

- पिस्ता: आधा कप (पिसा हुआ)
- दूध:1 कप
- क्रीम: 2 कप (फेंटी हुई)
- चीनी: 3/4 कप
- वनीला एसेंस: डेढ़ टीस्पून
- पिस्ता: 2 टीस्पून बारीक कटा
- चॉको चिप्स: 2 टीस्पून

विधि

मिक्सिंग बाउल में दूध, वनीला एसेंस और चीनी डालकर ब्लेंडर से दो मिनट तक फेंट लें। फिर इसमें क्रीम डालें और दोबारा स्मूद होने तक फेंट लें। फिर इसमें पिसा हुआ पिस्ता डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। इसके बाद मिक्सचर को प्लास्टिक कंटेनर में डालकर प्लास्टिक शीट से उसे ढक दें और फिर कंटेनर को ढक्कन से बंद करके फ्रीजर में एक से डेढ़ घंटे तक रख दें। इसके बाद इसे फ्रीजर से निकालें और 10 मिनट बाद फिर से फेंट लें और दोबारा इसे फ्रीजर में 4-5 घंटे तक जमने के लिए रख दें। कटे हुए पिस्ते से गार्निशिंग करके सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

हंसी के फूव्वारें

एक कवि की कविताएं कोई नहीं सुनता था आखिरकार एक दिन जब एक व्यक्ति ने उनकी कविता सुनी तो कवि ने उसका आभार मानते हुए कहा कि'आप पहले ऐसे महानुभाव है जिन्होंने कि मेरी कविताएं इतने ध्यान से सुनी हैं.'

दूसरा व्यक्ति- 'जरा जोर से बोलिए मैं थोड़ा ऊंचा सुनता हूँ.'

□ □ □

एक कैदी से मिलने जेल में कोई नहीं आता था,यह देख कर जेलर को उस पर दया आ गई उसने कैदी को बुलाकर पूछा कि 'क्या बात है तुमसे मिलने तुम्हारा कोई रिश्तेदार जेल में क्यों नहीं आता है ?'

कैदी- 'क्योंकि साहब वे सब भी तो यहीं ही है !'

□ □ □

दो मित्र आपस में बातें कर रहे थे. एक बोला- 'क्या यह ताज्जुब की बात नहीं कि रमेश के भाग्य ने उसका आखिर तक साथ दिया.'

'वह कैसे ?'

'खाना खाते हुए वह एक मोती निगल गया था.' मित्र ने पूरी बात बताते हुए कहा -'जब उसका ऑपरेशन करके वह मोती निकाला गया तो वह इतना कीमती निकला कि उसकी कीमत से न केवल आपरेशन का बिल ही चुक गया, बल्कि उसका क्रिया-कर्म भी ठाठ से सम्पन्न हुआ.'

□ □ □

काकुरो पहेली - 4042

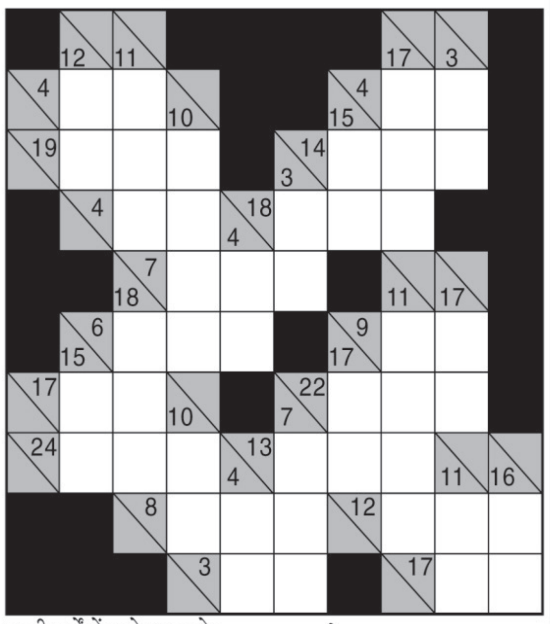

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

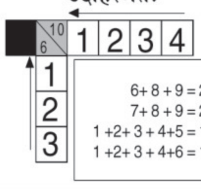

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -4041 का हल

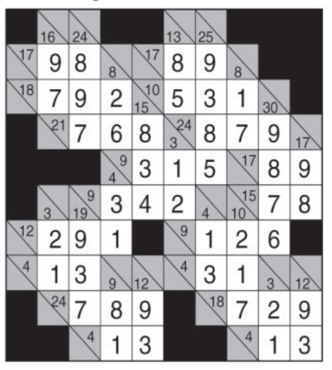

फिल्म वर्ग पहेली - 4042

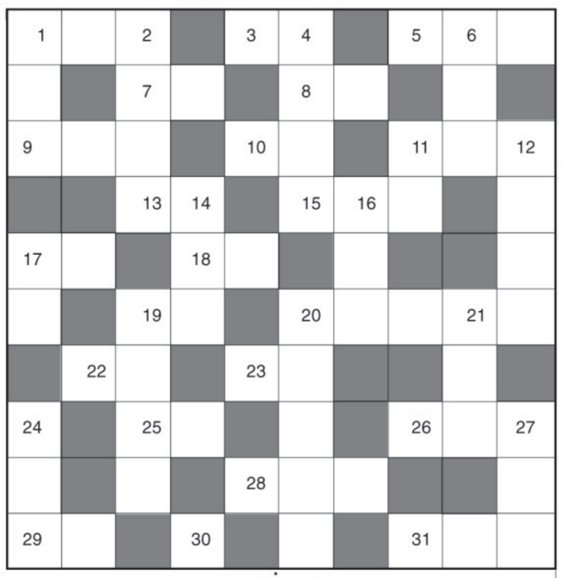

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, माधुरी की 'सात सुरों के तार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चांदी की साइकल' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-२
५. अक्षय, करिश्मा की 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली फिल्म-३
७. नसीरूद्दीनशाह, जैकी, नगमा, शिल्पा की एक फिल्म-२
८. फिल्म 'जाल' की नायिका कौन थी-२
९. 'आयेगा आनेवाला' गीत वाली अशोककुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१०. फिल्म 'हीरा पन्ना' में देव आनंद के किरदार का नाम क्या था-२
११. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुलराय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१३. जैकी श्राफ, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
१५. दक्षिण की फिल्म 'थेवर मगन' किस भाषा में बनी थी ?-३
१७. 'वीरू' 'जय' और 'बसंती' आदि किस सुपर हिट फिल्म के पात्र हैं-२
१८. 'दिल है प्यारे जरा' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'अनकही' के गीत 'आँखों में अनजाने' का गायक कौन है-२
२०. 'आते आते तेरी याद' गीत वाली संजयदत्त, अनिता की फिल्म-२,१,२
२२. अमिताभ, जीनत की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-२
२३. फिल्म 'सलाखें' में नायक कौन था-२
२५. 'क्यूं ऑचल हमारा गिरा' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-२
२६. गीत 'दिल के अरमां आँसुओं में' की गायिका कौन है-३
२८. 'काट दिये नाम सब' गीत वाली फिल्म-३
२९. फिल्म 'रॉकी' की नायिका कौन थी-२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़ें' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'सजना के सामने मैं तो गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अजय देवगन, आयशा जुल्का, करिश्मा कपूर की 'बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो' गीत वाली फिल्म-३
२. 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरूद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
४. अशोक, प्रदीप, मीना कुमारी की 'दिल जो कह न सका' गीत वाली फिल्म-२,२
६. 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
११. विश्वजीत, माला की 'रोकना है अगर रोक लीजे मगर' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'मुर्गी ने झूठ बोला' गीत वाली किशोरकुमार, साधना की फिल्म-४
१४. कंवलजीत, वहीदा की 'तुम अपना रंजोगम' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'गुरू' में नायक कौन था-३
१७. मनोजकुमार, नंदा, जया की 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'सावन बरसता है तुझसे मिलने को' गीत वाली मिथुन, मीनाक्षी की फिल्म-४
२०. जीतेंद्र, रीना राय की 'तेरे हाथों में पहनाके चूड़ियां' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी की फिल्म-३
२४. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'पानी पानी रे खारे पानी रे' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली -4041

सूडोकु -4042

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4041 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 4042

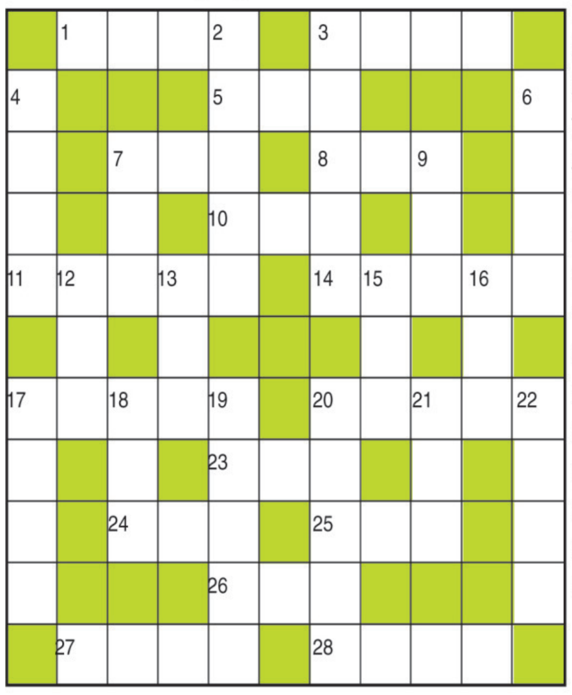

बाएँ से दाएँ

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली 4041 का हल

विकसित भारत का लक्ष्य महिलाओं के सशक्तिकरण से संभवः विजया रहाटकर

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य महिलाओं के सशक्तिकरण और नेतृत्व से गहराई से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि भारतीय महिलाएं न केवल आर्थिक और सामाजिक विकास की महत्वपूर्ण वाहक हैं बल्कि वे देश के सांस्कृतिक मूल्यों की संरक्षक भी हैं। विजया रहाटकर दिल्ली प्रांत द्वारा विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के सप्त शक्ति नारी सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के सभागार में आयोजित इस सम्मेलन में उन्होंने कहा कि बढ़ते व्यक्तिवाद, परिवार संस्था के कमजोर होने और मूल्य क्षरण जैसी चुनौतियां भी सामने हैं। उन्होंने महिला आयोग के 'तेरे मेरे सपने' जैसे कार्यक्रमों का उल्लेख किया, जो विवाह पूर्व संवाद को बढ़ावा देने और पारिवारिक संबंधों को सुदृढ़ करने का प्रयास करता है। विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद इग्नू की कुलपति प्रो. उमा कांजिलाल ने उच्च शिक्षा में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने सशक्तिकरण के विभिन्न आयामों–शिक्षा शक्ति, आर्थिक शक्ति, डिजिटल शक्ति, स्वास्थ्य शक्ति, नेतृत्व शक्ति और सांस्कृतिक शक्ति–को समग्र विकास के स्तंभ के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने यह भी कहा कि जहां महिलाएं देश की लगभग 48 प्रतिशत जनसंख्या का हिस्सा हैं, वहीं केवल 34 प्रतिशत महिलाएं ही कार्यबल में शामिल हैं। इस अंतर को शिक्षा, नेतृत्व और उद्यमिता के माध्यम से दूर करना आवश्यक है।

ब्रिटिश संसद में गूंजा शांतिकुंज का संदेश, चिन्मय पण्ड्या ने मानवीय संवेदनाओं व नैतिकता से दूर किसी भी तकनीक प्रगति को बताया विनाशकारी

हरिद्वार। ब्रिटिश संसद के ऐतिहासिक परिसर में आयोजित 'पीस कॉन्क्लेव' में अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के वैज्ञानिक अध्यात्म के सिद्धांत गूंजे। इस सम्मेलन में शांतिकुंज ने मानवीय संवेदनाओं और नैतिकता से दूर किसी हरिद्वार स्थित शांतिकुंज की मीडिया विभाग ने बताया कि लंदन में स्थित ब्रिटिश संसद के ऐतिहासिक परिसर में आयोजित 'पीस कॉन्क्लेव' में अखिल विश्व गायत्री परिवार के प्रतिनिधि और देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पंड्या ने भाग लिया। उन्होंने सम्मेलन में नैतिक एआई और वैश्विक शांति का भविष्य विषय पर दुनिया के प्रतिष्ठित नीति-निर्धारकों, वैज्ञानिकों और विचारकों को संबोधित किया। डॉ. पण्ड्या ने युगऋषि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के वैज्ञानिक अध्यात्म के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए कहा कि तकनीकी प्रगति तब तक विनाशकारी है, जब तक वह मानवीय संवेदनाओं और नैतिकता से न जुड़ी हो। डॉ. पण्ड्या ने आगाह किया कि भविष्य की सुरक्षा केवल गणितीय एल्गोरिदम से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए मनुष्य के भीतर 'नैतिक विवेक' का जाग्रत होना अनिवार्य है।

राजस्थान के युवा मेहनत, नवाचार और बहुभाषी कौशल से वैश्विक अवसरों के लिए तैयार : केंद्रीय शिक्षा मंत्री

जयपुर। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राजस्थान के युवाओं में मेहनत, नवाचार, उद्यमिता और विविध भाषाओं एवं संस्कृतियों को आत्मसात करने की अद्भुत क्षमता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का युवा अब केवल डिग्री और प्रमाणपत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि कौशल विकास, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और बहुआयामी अवसरों की ओर अग्रसर हो रहा है। जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में आयोजित विदेशी भाषा संचार कौशल कार्यक्रम के एमओयू समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा को बहुभाषी, आधुनिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इस नीति के तहत युवाओं को मातृभाषा के साथ-साथ विदेशी भाषाओं का ज्ञान देकर उन्हें विश्वस्तरीय अवसरों के लिए तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि समाज, संस्कृति और वैश्विक समझ को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। फ्रेंच, जर्मन, जापानी, कोरियन और स्पेनिश जैसी भाषाओं का अध्ययन युवाओं के लिए रोजगार, व्यापार, तकनीकी सहयोग और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के नए द्वार खोलेगा। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि यूरोपीय यूनियन के साथ हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट और एशियाई देशों के साथ बढ़ते आर्थिक संबंधों के चलते विदेशी भाषा दक्षता रखने वाले युवाओं की मांग तेजी से बढ़ेगी।

मई में सामान्य से 110 प्रतिशत अधिक बारिश, आईएमडी का पूर्वानुमान

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार मई का महीना देश के अधिकांश हिस्सों के लिए राहत और चुनौतियों का मेल भरा रहेगा। एक तरफ जहां पश्चिमी विक्षोभ के कारण बारिश की अधिक संभावना है, वहीं कुछ राज्यों में लोगों को सामान्य से अधिक हीटवेव का सामना करना पड़ सकता है। मई के लिए अनुमान जारी करते हुए शनिवार को भारतीय मौसम विभाग ने सामान्य से 110 प्रतिशत अधिक बारिश का अनुमान जताया है। विभाग ने बताया कि पूरे देश में औसत बारिश सामान्य से अधिक होने के संभावना है। साल 1971 से 2020 के आंकड़ों के आधार पर मई में औसतन 61.4 मिमी बारिश दर्ज की गई है। विभाग के अनुसार देश में अधिकांश स्थानों पर सामान्य से अधिक बारिश रहेगी सिवाय पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत तथा पूर्वी मध्य भारत के कुछ हिस्सों में बारिश सामान्य से कम रहेगी। वहीं, गर्मी की बात करें तो देश के अधिकांश राज्यों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहने की संभावना है। लेकिन मई के महीने में गंगा के मैदानी क्षेत्र, पूर्वी तटीय राज्यों, गुजरात, और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक गर्मी वाले दिन रहने की संभावना है।

सिक्किम भारत की पहली कागज रहित न्यायपालिका घोषित

एजेंसी

गंगटोक। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सिक्किम को देश की पहली कागज रहित राज्य न्यायपालिका घोषित किया। राजधानी गंगटोक के चिंतन भवन में शुक्रवार से शुरू तकनीकी और न्यायिक शिक्षा पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य न्यायाधीश ने उक्त घोषणा की। साथ ही उन्होंने न्यायमूर्ति ए. मुहम्मद मुस्ताक को बधाई दी, जिसके तहत सिक्किम उच्च न्यायालय ने देश का पहला कागज रहित उच्च न्यायालय होने का गौरव हासिल किया। सिक्किम उच्च न्यायालय और भारत के उच्चतम न्यायालय की ई-समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह सम्मेलन दो दिनों तक राजधानी के चिंतन भवन और सम्मान भवन में आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य न्याय प्रणाली को मजबूत करने और कानूनी शिक्षा के विकास में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर चर्चा करना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित न्यायमूर्ति ने कहा कि दुरस्थ भूगोल के कारण अदालतों तक पहुंच मुश्किल होता है और बुनियादी ढांचे के विकास एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग के कारण न्याय तक पहुंच अब आसान होती जा रही है। उन्होंने कहा कि डिजिटल मार्ग के माध्यम से नागरिकों ने सीधे न्यायिक निकाय से जुड़ना शुरू कर दिया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि लक्ष्य एक ऐसी न्याय प्रणाली का निर्माण करना है जहां न्याय के लिए कठिन शारीरिक यात्रा की आवश्यकता न हो और जहां याचिकाएं व्यक्तियों की आवाजाही के बिना आगे बढ़ सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि डिजिटल सुधार केवल एक सैद्धांतिक मामला नहीं है, बल्कि कानून के शासन को बनाए रखने के लिए एक व्यावहारिक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी के एकीकरण का उद्देश्य भौगोलिक बाधाओं को दूर करना है, चाहे वे कठिन भूभाग, आर्थिक सीमाओं या दूरी के कारण उत्पन्न हों। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयास यह सुनिश्चित करते हैं कि न्याय की पहुंच शहरी केंद्रों तक ही सीमित न हो, बल्कि उत्तरी सिक्किम, पश्चिमी घाट और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह जैसे दूर-दराज के क्षेत्रों तक समान रूप से विस्तारित हो। उन्होंने इस अनूठी पहल के लिए न्यायमूर्ति ए. मुहम्मद मुस्ताक को बधाई दी, जिसके तहत सिक्किम उच्च न्यायालय ने देश का पहला कागज रहित उच्च न्यायालय होने का गौरव हासिल किया है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका धीरे-धीरे कागज आधारित प्रणालियों के युग से एक जीवंत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र की ओर बढ़ रही है, जहां ई-कोर्ट परियोजना जैसी पहलों ने पक्षों और कानून के बीच संबंधों को फिर से परिभाषित किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरी तरह से डिजिटल प्रणाली की दिशा में यात्रा अभी भी जारी है। उन्होंने सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के साथ-साथ मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और सभी हितधारकों को कागज रहित उच्च न्यायालय की उपलब्धि और सिक्किम को न्यायिक नवाचार के राष्ट्रीय मानचित्र पर रखने के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार न्यायिक सुधारों और डिजिटल शासन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका नागरिकों के अधिकारों और गरिमा की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रौद्योगिकी के उपयोग से न्याय तक पहुंच में और सुविधा होगी।

केदारनाथ में वीआईपी दर्शन पर तीर्थ पुरोहितों में आक्रोश

एजेंसी

रुद्रप्रयाग। विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम में वीआईपी दर्शन को लेकर विवाद एक बार फिर गहरा गया है। देश के उद्योगपति गौतम अडाणी अपने परिवार के साथ धाम पहुंचे और भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इसके बाद तीर्थ पुरोहितों में नाराजगी खुलकर सामने आ गई। वीआईपी दर्शन व्यवस्था को लेकर पहले से ही असंतोष जता रहे तीर्थ पुरोहितों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की।तीर्थ पुरोहित अंकुर शुक्ला ने आरोप लगाया कि वीआईपी दर्शन की व्यवस्था के कारण आम श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विशेष लोगों को प्राथमिकता दिए जाने से व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं और लंबी कतारों में लगे श्रद्धालुओं में असंतोष बढ़ रहा है। पुरोहितों का कहना है कि वर्तमान प्रबंधन में व्यवस्थाओं में गिरावट आई है। उन्होंने

चेतावनी दी कि यदि जल्द ही वीआईपी दर्शन व्यवस्था पर पुनर्विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस विवाद ने केदारनाथ यात्रा की व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। बड़ी संख्या में पहुंच रहे श्रद्धालुओं के बीच वीआईपी और सामान्य दर्शन के संतुलन को बनाए रखना प्रशासन और मंदिर समिति के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

तमिलनाडु में लू का प्रकोप बढ़ा, अगले तीन दिनों तक भारी बारिश की संभावना

एजेंसी

चेन्नई । अगले तीन दिनों में तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है, लेकिन इसके साथ ही राज्य भीषण गर्मी की मार भी झेल रहा है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार कई जिलों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। मौसम विभाग के क्षेत्रीय केंद्र का कहना है कि आने वाले दिनों में तमिलनाडु के कई इलाकों में अच्छी बारिश हो सकती है, जिससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। हालांकि, तापमान और नमी (ह्यूमिडिटी) दोनों ही ऊंचे बने रहेंगे, खासकर तटीय और अंदरूनी इलाकों में। इससे लोगों को उमस भरी और असहज गर्मी महसूस होगी।

तमिलनाडु और पुदुचेरी के कम से कम 12 स्थानों पर तापमान 37.8 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया, जो गर्मी की गंभीरता को दिखाता है। राज्य में सबसे ज्यादा तापमान वेल्लोर में 42.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा तिरुचिरापल्ली, चेन्नई (मीनाम्बक्कम) और मदुरै एयरपोर्ट जैसे बड़े शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

इसी तरह, मदुरै शहर, तिरुपत्तूर और धर्मपुरी में तापमान लगभग 39.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इरोड, करूर, परमथी और तिरुत्तनी में तापमान 38.9 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा, जबकि नागपट्टिनम में 38.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पलायमकोट्टई और पुडुचेरी में भी तापमान लगभग 37.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि ज्यादा तापमान और नमी के कारण लोगों को हीट स्ट्रेस (गर्मी से जुड़ी परेशानी) हो सकती है, खासकर दोपहर के समय। चेन्नई जैसे तटीय इलाकों में बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी भरी हवाओं के कारण गर्मी और ज्यादा महसूस होगी। चेन्नई में रविवार को तापमान करीब 40 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है और उमस के कारण परेशानी और बढ़ सकती है।

मौसम विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि तेज धूप में ज्यादा देर तक बाहर न रहें, खूब पानी पिएं और गर्मी से बचाव के जरूरी उपाय अपनाएं।

हालांकि अगले तीन दिनों में होने वाली बारिश से कुछ इलाकों में तापमान थोड़ा कम हो सकता है, लेकिन मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इससे पूरी तरह गर्मी से राहत नहीं मिलेगी, क्योंकि गर्मियों के बढ़ने के साथ तापमान में कुल मिलाकर बढ़ोतरी जारी रहेगी।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ओडिशा को दी पीएमजीएसवाई-IV के तहत 1,700 करोड़ रु. से 827 नई सड़कों की सौगात

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा के रायगड़ा मे आयोजित प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई-4) के शुभारंभ समारोह में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के साथ मिलकर सड़क, आवास, सिंचाई, रोजगार, पेयजल, महिला सशक्तिकरण और किसान समृद्धि से जुड़े अनेक सौगातें दीं । केंद्रीय मंत्री चौहान ने मंच पर ही पीएमजीएसवाई- 4का स्वीकृति-पत्र मुख्यमंत्री को सौंपा, विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ/शिलान्यास हुआ और हितग्राहियों को सहायता प्रदान की गई। रायगड़ा के बरिजोला में आयोजित इस भव्य समारोह में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ओडिशा, विशेषकर रायगड़ा की सांस्कृतिक गरिमा, प्राकृतिक सौंदर्य और परिश्रमी जनता की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वे आज खाली हाथ नहीं आए बल्कि ओडिशा के लिए विकास की ठोस सौगातें लेकर आए हैं, जिनका सीधा लाभ गाँव, गरीब, किसान, मजदूर, महिलाओं और युवाओं तक पहुँचेगा। चौहान ने कहा कि सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं बल्कि जिंदगी, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और समग्र प्रगति की जीवनरेखा हैं। इसी सोच के अनुरूप प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-ढ्ढङ्क के प्रथम चरण में ओडिशा के लिए 1,698.04 करोड़ रुपये की लागत से 1701.84 किलोमीटर लंबाई की 827 नई सड़कों की सौगात दी गई है। साथ ही, पूर्व स्वीकृत लेकिन अपूर्ण कार्यों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त राशि भी उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि कोई भी दूरस्थ क्षेत्र विकास की मुख्यधारा से वंचित न रहे। केंद्रीय मंत्री चौहान ने पीएमजीएसवाई- 4का स्वीकृति-पत्र मुख्यमंत्री माझी को मंच पर सौंपा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने आवास और आजीविका पर विशेष बल देते हुए कहा कि ओडिशा में कोई भी गरीब परिवार कच्चे मकान में नहीं रहेगा और हर पात्र परिवार को पक्का घर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि क्कद्भ-त्र के अंतर्गत लंबित आवासों को पूरा करने के लिए 630.61 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। मजदूर दिवस के अवसर पर उन्होंने मनरेगा के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम किश्त के रूप में 868.71 करोड़ रुपये का आवंटन किया।

भारत-नेपाल कोसी एवं गंडक परियोजनाओं की संयुक्त समिति की 11वीं बैठक सकारात्मक चर्चा के साथ संपन्न

एजेंसी

काठमांडू। भारत-नेपाल कोसी एवं गंडक परियोजनाओं की संयुक्त समिति (जेसीकेजीपी) की दो दिवसीय 11वीं बैठक नेपाल की राजधानी काठमांडू में आज सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुई। इस बैठक में दोनों देशों के बीच कोसी एवं गंडक परियोजनाओं से सम्बंधित लंबे समय से चले आ रहे विभिन्न तकनीकी और प्रशासनिक मुद्दों पर विमर्श किया गया। बैठक में भारतीय पक्ष का प्रतिनिधित्व जल संसाधन विभाग, बिहार के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल एवं नेपाल पक्ष का प्रतिनिधित्व जलस्रोत एवं सिंचाई विभाग के महानिदेशक मित्र बराल ने किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में केंद्र सरकार एवं बिहार सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में पश्चिमी कोशी मुख्य नहर के 35 किलोमीटर नेपाल भाग, कोशी बराज सहित पूर्वी एवं पश्चिमी तटबंध के एक केन्द्र की ओर प्रवाह बांध, तटबंधों, वाल्मिकीनगर अवस्थित

गंडक बराज क्षेत्र एवं मुख्य पश्चिमी नहर के भागों को शीघ्र अतिक्रमणमुक्त कराने के लिए नेपाली प्रतिनिधि दल द्वारा सहमति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त पश्चिमी कोशी मुख्य नहर के बांध पर लगाए गए बिजली के खम्भों को स्थानांतरित करने पर भी सहमति बनी। वीरपुर परिक्षेत्र के पूर्वी एक केन्द्र की ओर प्रवाह बांध के कोशी वनटप्पू क्षेत्र में वीरपुर परिक्षेत्र में वर्ष 2026 बाढ़ पूर्व कराये जाने वाले कटाव निरोधक कार्य के लिए उपयोग में लाये जाने वाले सामग्री यथा बालू / मिट्टी / सिल्ट के उपयोग पर सहमति बनी। यहां इस बात पर भी सहमति बनी कि कोशी परियोजना अन्तर्गत लिज भूमि का सीमांकान जीपीएस तकनीक एवं स्थल पर भौतिक रूप में एक समय सीमा के अन्दर पूरा कर लिया जाएगा। कोशी वनटप्पू क्षेत्र में कराए जाने वाले कटाव निरोधक एवं बाढ़ संघर्षात्मक कार्यों में प्रयुक्त होने वाली निर्माण सामग्रियों एवं वाहनों के दिवा - रात्रि आवागमन पर सहमति बनी। बाढ़ अवधि में कोशी नदी का जलश्राव अत्याधिक रहने पर स्थानीय नागरिकों द्वारा कोशी बराज पर लकड़ी निकालने, मछली मारने इत्यादि अन्य गतिविधियों के कारण बराज के सामान्य संचालन में हो रही बाधा को दूर करने का आश्वासन नेपाली पक्ष के द्वारा दिया गया। नेपाली पक्ष के द्वारा नेपाल परिक्षेत्र में स्थानीय नगरपालिका एवं ग्राम पालिकओ द्वारा कोशी परियोजना के वाहनों के सड़क पर आवागमन पर लगाए जाने वाले स्थानीय कर को भारत और नेपाल के बीच हुए समझौता के अनुरूप नहीं माना गया एवं इसे रोकने के लिए आवश्यक करवाई करने का आश्वासन दिया गया। नेपाल सरकार पक्ष द्वारा नेपाल भाग में अवस्थित पश्चिमी कोशी मुख्य नहर तथा वाल्मिकीनगर गंडक बराज से निकलने वाली मुख्य नहर के कमांड क्षेत्र में कुछ स्थलों पर जल जमाव के निराकरण के लिए जल निकासी की व्यवस्था का अनुरोध किया गया।

भारत को ग्लोबल लाइव इवेंट हब बनाने के लिए रोडमैप तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में लाइव इवेंट्स इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कोशिशें तेज कर दी हैं। इसी दिशा में लाइव इवेंट्स डेवलपमेंट सेल (एलईडीसी) की चौथी बैठक 30 अप्रैल को विज्ञान भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव चंचल कुमार ने की, जिसमें केंद्र, राज्य और उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल हुए।बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि लाइव इवेंट सेक्टर आने वाले समय में रोजगार, पर्यटन और अर्थव्यवस्था का बड़ा इंजन बन सकता है। फिलहाल यह सेक्टर 2025 में 145 अरब रुपये का है और 2028 तक इसके 196 अरब रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बताया कि लाइव इवेंट्स के लिए सिंगल-विंडो क्लियरेंस सिस्टम भी तैयार किया है, जो इंडिया सिने हब पोर्टल पर उपलब्ध होगा। इससे आयोजकों को परमिशन लेने में आसानी होगी और प्रक्रिया ज्यादा पारदर्शी बनेगी। इसके अलावा, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 31 मई 2026 तक एक मॉडल एग्जीक्यूटिव ऑर्डर अपनाने को कहा गया है,

ताकि लाइसेंस और परमिशन की प्रक्रिया सरल हो सके। बैठक में नए इवेंट वेन्यू विकसित करने और स्किल डेवलपमेंट पर भी चर्चा हुई। आईआईएमसी, एमईएससी, ईईएमए मिलकर लाइव इवेंट्स से जुड़े सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने जा रहे हैं।सरकार का लक्ष्य है कि साल 2030 तक भारत को ग्लोबल लाइव इवेंट हब बनाया जाए और इस सेक्टर में 1.5 से 2 करोड़ नए रोजगार पैदा किए जाएं।

उद्योगपति गौतम अडानी ने सपत्नी केदार बाबा के किए दर्शन, रोपवे परियोजना पर भी चर्चा की

एजेंसी

रुद्रप्रयाग। देश के अग्रणी उद्योगपति गौतम अडानी ने हिमालय की गोद में स्थित पवित्र केदारनाथ धाम में पहुंचकर बाबा केदार के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने विधि-विधान से विशेष पूजा-अर्चना और जलाभिषेक कर देश और समाज की समृद्धि की कामना की। इस आध्यात्मिक यात्रा में उनकी पत्नी प्रीति अडानी भी उनके साथ मौजूद रहीं।

धाम पहुंचने पर बीकेटीसी के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने उनका स्वागत किया और दर्शन उपरांत भगवान केदारनाथ का प्रसाद भेंट किया। मंदिर परिसर में इस दौरान श्रद्धा और व्यवस्थाओं का संतुलित माहौल देखने को मिला। अडानी निजी हेलीकॉप्टर के माध्यम से धाम पहुंचे, जिसके मद्देनजर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया कि आम श्रद्धालुओं की यात्रा और दर्शन व्यवस्था प्रभावित न हो। दर्शन के पश्चात गौतम अडानी ने सोनप्रयाग-केदारनाथ रोपवे परियोजना को लेकर विशेष रुचि दिखाई और इसके एरियल सर्वे की योजना पर चर्चा की। यह महत्वाकांक्षी परियोजना अडानी ग्रुप की

ओर से विकसित किया जाना प्रस्तावित है, जो केदारनाथ यात्रा को अधिक सुगम, सुरक्षित और तेज बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत ने अडानी को बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में यह रोपवे परियोजना न केवल यात्रा को सरल बनाएगी, बल्कि क्षेत्र में पर्यटन को नई गति देगी। इससे स्थानीय व्यापार, रोजगार के अवसर और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर बीकेटीसी के अधिकारी, पुजारीगण और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

देश में बढ़ रहे ऑटिज्म के मामले, एम्स के ताजा अध्ययन में सामने आया तथ्य

नई दिल्ली। देश और दुनिया में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एएसडी) के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अब हर 31 बच्चों में से 1 बच्चा इससे प्रभावित पाया जा रहा है, जबकि पहले यह आंकड़ा 89 में 1 था। भारत में ताजा राष्ट्रीय आंकड़े सीमित हैं लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि यहां भी मामलों में बढ़ोतरी हुई है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के ताजा अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है। एम्स के बाल चिकित्सा विभाग की प्रोफेसर शेफाली गुलाटी ने बताया कि ऑटिज्म सिर्फ एक आंकड़ा नहीं बल्कि लाखों परिवारों की सच्चाई है। उन्होंने कहा कि बदलती जीवनशैली, बढ़ता प्रदूषण और सामाजिक बदलाव इस समस्या को और गंभीर बना रहे हैं। एम्स के अध्ययन में पाया गया कि 80 प्रतिशत से अधिक बच्चों में मिर्गी, ध्यान की कमी, व्यवहारिक समस्याएं और नींद से जुड़ी दिक्कतें भी साथ में होती हैं, जिससे परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है।

जुनून के दम पर रांची के इशांक की उपलब्धि से पूरा झारखंड गौरवांवित

एजेंसी

रांची। स्थानीय धुर्वा डैम में तैराकी सीखने वाले रांची के सात वर्षीय नन्हे तैराक इशांक सिंह ने अपनी अद्भुत इच्छाशक्ति और कड़ी मेहनत के दम पर इतिहास रच दिया है, जिससे पूरा झारखंड गौरवान्वित है। इशांक ने यह साबित कर दिया है कि मजबूत इरादों के आगे कोई चुनौती बड़ी नहीं होती। इशांक पाक जलडमरूमध्य को तैरकर पार करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के तैराक बन गए। इशांक की तैयारी को मजबूत बनाने में उनके कोच अमन कुमार जायसवाल की अहम भूमिका है। कोच ने बताया कि वह बच्चे की लगन देखकर व्यक्तिगत रूप से प्रशिक्षण दे रहे हैं। हर स्तर पर मार्गदर्शन कर रहे हैं। तकनीकी अभ्यास, सहनशक्ति, स्पीड और ओपन वाटर स्विमिंग की बारीकियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि वह बड़े मुकाबलों के लिए पूरी तरह तैयार हो सके।इशांक की सफलता से गदगद उसकी मां मनीषा ने कहा कि इशांक के लिए

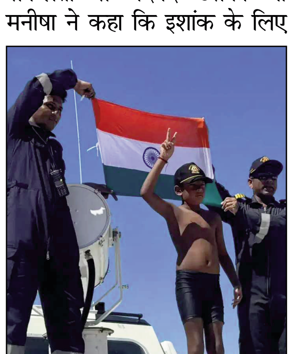

तैराकी सिर्फ खेल नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी पसंद है। वह हर दिन पूरे उत्साह के साथ अभ्यास करता है। पिता सुनील का कहना है कि बेटे का यह प्रयास पूरे झारखंड के लिए गर्व की बात हो सकती है। परिवार को विश्वास है कि इशांक आने वाले समय में राज्य और देश का नाम रोशन करेगा। नन्हा तैराक इशांक अब विश्व रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रच चुका हैं। दुनिया में सबसे कम उम्र में सबसे तेज तैराक होने की उपलब्धि उसने अपने जुनून की दम पर हासिल की है। कोच के अनुसार इशांक प्रतिदिन रांची के धुर्वा डैम में चार से पांच घंटे में 15 से 20 किलोमीटर तक कठिन अभ्यास करता है। उसकी मेहनत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सप्ताह में एक दिन वह लगातार आठ घंटे तक पानी में रहकर अपनी सहनशक्ति और मानसिक मजबूती को और बेहतर बनाता है। ढाई साल की उम्र से तैराकी सीखने वाले इशांक के लिए पानी अब केवल खेल नहीं, बल्कि जुनून है। कम उम्र के बावजूद इशांक का ट्रैक रिकॉर्ड भी बेहद मजबूत है। वह कई जिला और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर चुका है। हाल ही में 22 फरवरी को मुंबई में आयोजित गेटवे ऑफ इंडिया इवेंट में उन्होंने अरेबियन समुद्र में एक किलोमीटर तैराकी प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया था। इस उपलब्धि ने उनके आत्मविश्वास को और बढ़ा दिया है। डीएवी श्यामली में तीसरी कक्षा के छात्र इशांक का शैक्षणिक प्रदर्शन भी अच्छा है। इशांक की कहानी यह बताती है कि यदि लक्ष्य बड़ा हो और मेहनत सच्ची हो, तो कोई भी लहर रास्ता नहीं रोक सकती। उल्लेखनीय है कि इशांक ने गुरुवार को झारखंड के 7 साल इशांक ने समुद्र की लहरों पर तैरकर दुनिया के सबसे कम उम्र और सबसे तेज तैराक होने का दोहरा रिकॉर्ड बनाया है। इशांक ने श्रीलंका के तलाईमन्नार से तैरना शुरू कर भारत के धनुषकोडी तक की दूरी केवल 9 घंटे 50 मिनट में पूरी की है।

सूरत में डायमंड कट पर विशेष डाक टिकट जारी, वाइब्रेंट समिट में बड़े निवेश और विकास के संकेत

एजेंसी

सूरत। वाइब्रेंट गुजरात समिट के दौरान गुजरात स्थापना दिवस के अवसर पर सूरत को एक और बड़ी पहचान मिली। भारत सरकार के डाक विभाग ने सूरत के कट डायमंड को मिले जीआई टैग के सम्मान में विशेष डाक टिकट जारी किया गया, जिसका विमोचन मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने किया। इस दौरान केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटील भी मौजूद रहे। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि गुजरात स्थापना दिवस पर वाइब्रेंट गुजरात समिट के साथ कई सौगात की शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि जब 01 मई, 1960 को गुजरात तत्कालीन मुंबई राज्य से अलग होकर एक स्वतंत्र राज्य बना था, तब सभी के मन में यह सवाल था कि केवल रण (रेगिस्तान), समुद्र और पहाड़ों वाला यह राज्य कैसे आगे बढ़ेगा। लेकिन 1960 से 2000 तक चार दशकों की गुजरात की विकास यात्रा और वर्ष 2001 के बाद के ढाई दशकों की अविरत विकास यात्रा का बिल्कुल साफ और स्पष्ट अंतर आज हर कोई देख सकता है।इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना वाली बुलेट ट्रेन परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि परियोजना पूर्ण होने पर अहमदाबाद से मुंबई की यात्रा मुंबई से दहिसर जाने से भी कम समय में पूरी हो सकेगी। इससे दक्षिण गुजरात और मुंबई के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी और उद्योगपतियों को एक ही दिन में काम कर लौटने की सुविधा मिलेगी।उन्होंने कहा कि वाइब्रेंट गुजरात को पहले गांधीनगर और अहमदाबाद तक सीमित रखा गया था, लेकिन अब छोटे व्यापारियों और स्थानीय निवेशकों को भी जोड़ने के उद्देश्य से पहली बार रीजनल समिट आयोजित की गई है। इससे उधना, कडोदरा जैसे क्षेत्रों के व्यापारियों को भी सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने समिट के दौरान अगले दो दिनों में दक्षिण गुजरात में रिकॉर्ड निवेश समझौतों (एमओयू) होने की उम्मीद जताई। उन्होंने बताया कि मेहसाणा में 3.24 लाख करोड़ और राजकोट में 5.78 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए हैं और सूरत में इससे भी अधिक निवेश की संभावना है। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण जापान के राजदूत केइची ओनो का गुजराती में संबोधन रहा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2009 से जापान वाइब्रेंट गुजरात का भागीदार देश रहा है और सूरत को डायमंड उद्योग का वैश्विक केंद्र बताया।

आईपीएल 2026: पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच रोमांचक मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का एक और रोमांचक मुकाबला अहमदाबाद में होने जा रहा है, जहाँ पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस आमने-सामने होंगी। शाम 7:30 बजे शुरू होने वाले इस मैच में, जहाँ पंजाब किंग्स अपनी पिछली हार से उबरकर वापसी करना चाहेगी, वहीं गुजरात टाइटंस लगातार तीसरी जीत दर्ज कर अपने अभियान को गति देने के इरादे से मैदान में उतरेगी। यह मुक़ाबला दोनों ही टीमों के लिए अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।

पंजाब किंग्स ने इस सीज़न की शुरुआत बेहद शानदार अंदाज़ में की थी, लगातार छह जीत दर्ज कर उन्होंने अपनी मज़बूत स्थिति का प्रदर्शन किया। हालांकि, हालिया हार ने टीम की कुछ कमज़ोरियों को उजागर किया है, खासकर गेंदबाज़ी विभाग में निरंतरता की कमी चिंता का विषय बनी हुई है। आठ मैचों में 13 अंकों के साथ टीम अभी भी अंक तालिका में शीर्ष पर है, जो उनकी शुरुआती ज़बरदस्त फॉर्म का नतीजा है। बल्लेबाज़ी के मोर्चे पर, पंजाब किंग्स ने अपनी ताक़त दिखाई है। सलामी बल्लेबाज़ प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने टीम को लगातार मज़बूत शुरुआत दी है, जबकि मध्य क्रम में श्रेयस अय्यर और कूपर कोनोली जैसे बल्लेबाज़ों ने पारी को संभाला है। इनकी बदौलत टीम बड़े लक्ष्य बनाने और उनका पीछा करने में सफल रही है। इस मैच में भी टीम को अपनी बल्लेबाजी पर काफी भरोसा होगा ताकि वे अपनी शीर्ष स्थान को बरकरार रख सकें।

दूसरी ओर, गुजरात टाइटंस का प्रदर्शन इस सीज़न में उतार-चढ़ाव भरा रहा है। हालांकि, टीम ने हाल ही में लगातार दो जीत हासिल कर आत्मविश्वास प्राप्त किया है और 10 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर पहुँच गई है। गुजरात की बल्लेबाज़ी काफी हद तक अपने शीर्ष तीन बल्लेबाज़ों पर निर्भर करती है, जिनकी फॉर्म टीम के प्रदर्शन में निर्णायक भूमिका निभाती है। मध्य क्रम में, वॉशिंगटन सुंदर ने कुछ अच्छी पारियाँ खेली हैं, लेकिन शाहरुख खान और राहुल तेवतिया जैसे फिनिशर अभी तक अपनी पूरी क्षमता के साथ प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। पिछले मैच में टीम में शामिल किए गए जेसन होल्डर ने गेंद और फील्डिंग दोनों से महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे टीम को थोड़ी राहत मिली है। इस मैच में उनसे भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी, खासकर फिनिशिंग में टीम को एक मजबूत प्रदर्शन की दरकार है। यह मुक़ाबला गुजरात के लिए प्लेऑफ की दौड़ में अपनी स्थिति को और बेहतर बनाने का एक बेहतरीन अवसर है।

यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जहाँ एक ओर पंजाब शीर्ष पर अपनी पकड़ मज़बूत करना चाहेगी, वहीं गुजरात अपनी लय को बरकरार रखते हुए प्लेऑफ की दौड़ में आगे बढ़ना चाहेगी। दर्शकों को निश्चित रूप से एक कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं मनु

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता महिला निशानेबाज मनु आजकल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं। मनु का लक्ष्य इन टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना है। मनु का कहना है कि अभी उनका ध्यान अपना फॉर्म बनाये रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर है। मनु ने दृढ़ता से कहा, इस साल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स हमारे सामने हैं, और हम इन दोनों बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने कोच के साथ बैठकें की हैं और आगामी टूर्नामेंट्स तथा अपनी तैयारी की एक संपूर्ण और सुनियोजित रूपरेखा तैयार कर ली है। इससे ये साफ है कि उनकी रणनीति केवल तात्कालिक सफलता पर नहीं, बल्कि एक लंबी अवधि की योजना का हिस्सा है।

उन्होंने पिछले साल 10 मीटर एयर पिस्टल में वर्ल्ड कप रजत पदक जीता और इस साल भी 25 मीटर पिस्टल में एशियन चैंपियनशिप में रजत हासिल किया। अब उनका लक्ष्य एक बार फिर अपनी पुरानी, शीर्ष स्तरीय लय हासिल करना है, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक निर्विवाद मजबूत दावेदार बनाएगी। यह वापसी केवल उनके लिए नहीं, बल्कि भारतीय शूटिंग जगत के लिए भी प्रेरणा का स्रोत होगी।

2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का क्वालिफिकेशन चक्र भी इसी साल से शुरू हो रहा है, और मनु भाकर इस पर भी अपनी पैनी निगाहें जमाए हुए हैं। उनका मानना है कि एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे बड़े आयोजनों में किया गया दमदार प्रदर्शन न केवल उन्हें वर्तमान सत्र में सफलता दिलाएगा, बल्कि लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए भी एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करेगा।

खेल के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को भी मनु ने साझा किया। उन्होंने 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग की वापसी पर अपनी खुशी व्यक्त की। अपने खेल जीवन के अलावा, मनु ने अपने व्यक्तिगत जीवन में आए एक महत्वपूर्ण बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, मैं अब एक आध्यात्मिक व्यक्ति हूं। यह आध्यात्मिक यात्रा ओलंपिक के दौरान ही शुरू हुई थी, और अब मैं पूरी तरह से इस रास्ते पर आगे बढ़ रही हूं। यह नया दृष्टिकोण उन्हें मानसिक शांति और एकाग्रता प्रदान कर रहा है, जो एक उच्च-स्तरीय एथलीट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

थॉमस कप में फ्रांस ने रचा इतिहास, पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत से भिड़ेगा

डेनमार्क (एजेंसी)। डेनमार्क के होर्सेन्स में खेले जा रहे प्रतिष्ठित थॉमस कप में फ्रांस ने इतिहास रचते हुए पहली बार सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है। फ्रांस ने क्वार्टर फाइनल में जापान पर 3-0 की शानदार जीत के साथ यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस विजय ने न केवल फ्रांस को प्रतियोगिता में अपना पहला पदक दिलाया है, बल्कि अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला गत चैंपियन भारत से तय हो गया है, जो बैडमिंटन प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक भिड़ंत का वादा करता है। फ्रांस की टीम ने टूर्नामेंट में अपना असाधारण प्रदर्शन जारी रखा, खासकर एकल स्पर्धाओं में उन्हें पूरी तरह से सफलता मिली। क्रिस्टो पोपोव ने कोडाई नाराओका के खिलाफ एक कड़े शुरुआती मुकाबले में लय बनाई और आखिरकार जीत हासिल की। क्रिस्टो ने मैच के बाद कहा, जब आप कोडाई के साथ खेलते हैं, तो आपको पता होता है कि यह लंबा होने वाला है और आप जानते हैं कि वह आसान गलतियां नहीं करेगा। वह आपको दौड़ाएगा, बहुत पसीना दिलाएगा। मैं इसके लिए तैयार था। इसके बाद, एलेक्स लैनियर ने युशी तनाका पर जीत के साथ फ्रांस की बढ़त को 2-0 किया, जिससे टीम एक ऐतिहासिक नतीजे के कगार पर पहुंच गई।

निर्णायक तीसरे रबर में, टोमा जूनियर पोपोव ने कोकी वतनबे के खिलाफ 21-19, 23-21 से जीत हासिल की, जिसने उनकी टीम को पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचाया। टोमा जूनियर ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, मैं बहुत खुश और आनंदित हूं। मेरे शरीर में अब ऊर्जा नहीं बची है। मैंने कोर्ट पर अपना सब कुछ झोंक दिया। यह अविश्वसनीय है। हमने मंगलवार को इंडोनेशिया के खिलाफ जीतकर और क्वालीफाई करके इतिहास रचा, और अब हम इसे फिर से लिख रहे हैं, टीम चैंपियनशिप में पहला मेडल। उन्होंने फ्रेंच बैडमिंटन और फ्रांस पर इस जीत के बड़े प्रभाव पर भी जोर दिया, इसे देश के खेल के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बताया।

इस बीच, भारत ने भी चीनी ताइपे पर 3-0 से दमदार जीत हासिल करके सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है। भारत की यह जीत लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी की डबल्स जोड़ी के शानदार प्रदर्शन से मिली। मेजबान टीम डेनमार्क ने भी थाईलैंड पर 3-1 से जीत हासिल करके अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की।

हैदराबाद में महामुकाबला: एक तरफ सनराइजर्स का विजय रथ, दूसरी ओर केकेआर की वापसी की चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में एक रोमांचक मुकाबले के लिए हैदराबाद का राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम तैयार है, जहां सनराइजर्स हैदराबाद का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 3ः30 बजे शुरू होगा, और फैंस को एक हाई-ऑक्टेन मैच की उम्मीद है। एक ओर जहां सनराइजर्स अपनी शानदार फॉर्म और लगातार जीत के सिलसिले को बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी, वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स टीम इस सीज़न में अपनी लय खोजने और अंक तालिका में ऊपर चढ़ने के लिए संघर्ष करती नज़र आएगी।

सनराइजर्स हैदराबाद इस समय टूर्नामेंट की सबसे खतरनाक टीमों में से एक लग रही है। वे लगातार पांच मैच जीत चुकी है और नौ मैचों में छह जीत तथा बारह अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर काबिज है। टीम की सबसे बड़ी ताकत उसकी बल्लेबाजी है, जिसने लगातार बड़े स्कोर खड़े किए हैं और उन्हें खिताब का प्रबल दावेदार बना दिया है। अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन, ईशान किशन और ट्रैविस हेड जैसे बल्लेबाज प्रचंड फॉर्म में हैं। हाल ही में, ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने 76 रनों की आतिशी पारी खेलकर टीम को 243 रनों के विशाल लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने में मदद की थी, जो उनकी बल्लेबाजी इकाई की गहराई और क्षमता को बखूबी दर्शाता है। कप्तान पैट कमिंस की वापसी से टीम की गेंदबाजी को भी मजबूती मिली है, जो पहले से ही संतुलन में दिख रही है। प्रफुल्ल हिंगे, साकिब हुसैन और ईशान मलिंगा जैसे युवा और अनुभवी गेंदबाज भी महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा योगदान दे रहे हैं, जिससे टीम एक पूर्ण और आत्मविश्वास से भरी इकाई के रूप में दिख रही है।

दूसरी ओर, कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन इस सीजन में उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा है और वे उतार-चढ़ाव भरे दौर से गुज़र रही है। टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। हालांकि उन्होंने हाल के दो मैच जीते हैं, लेकिन टीम में अभी भी स्थिरता की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। कप्तान अजिंक्य रहाणे की अगुवाई में टीम अभी तक अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन नहीं कर पाई है। बल्लेबाजी विभाग में फिन एलन और टिम सीफर्ट जैसे खिलाड़ियों का निराशाजनक प्रदर्शन चिंता का विषय रहा है, जबकि वरुण चक्रवर्ती का फॉर्म भी टीम के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। तेज गेंदबाजी विभाग में अनुभव की कमी ने भी टीम के लिए मुश्किलें खड़ी की हैं। कोलकाता को अब हर विभाग में बेहतर प्रदर्शन करने की सख्त जरूरत है ताकि वे टूर्नामेंट में अपनी स्थिति में सुधार कर सकें और प्लेऑफ की दौड़ में बने रहें।

दोनों टीमों के बीच पिछले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने 65 रनों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी, जो इस आगामी मैच में उनके आत्मविश्वास को और बढ़ाएगा। सनराइजर्स अपनी जीत की हैट्रिक को छह मैचों तक ले जाना चाहेगी, जबकि केकेआर उस हार का बदला लेने और अपने सीज़न को पटरी पर लाने की पुरजोर कोशिश करेगी। यह मुकाबला निश्चित रूप से रोमांचक होने की उम्मीद है, जिसमें सनराइजर्स की विस्फोटक बल्लेबाजी और केकेआर की वापसी की भूख के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

केएल राहुल बने आईपीएल के नए सिक्सर किंग, विराट और रोहित को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज़ केएल राहुल ने आईपीएल में उस समय इतिहास रचा जब उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेली गई अपनी 75 रनों की मैच जिताऊ पारी के दौरान 5 गगनचुंबी छक्के लगाए। इन 5 छक्कों के साथ केएल राहुल आईपीएल इतिहास में बतौर भारतीय ओपनर 200 छक्के जड़ने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जिससे उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कप्तान विराट कोहली और मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा जैसे दिग्गज बल्लेबाज़ों को भी पीछे छोड़ दिया है। केएल राहुल और विराट कोहली के बीच बतौर ओपनर छक्कों की यह रेस आईपीएल 2026 की शुरुआत से ही चल रही थी, मगर राहुल ने इस महत्वपूर्ण मुकाबले में शानदार प्रदर्शन कर अब इस रेस में निर्णायक बढ़त बना ली है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 226 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, केएल राहुल ने 40 गेंदों पर 75 रनों की धुआँधार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान राहुल ने 6 चौके और 5 गगनचुंबी छक्के लगाए, जिसका मतलब है कि उन्होंने अपनी पारी के 50 प्रतिशत से अधिक रन सिर्फ़ चौके और छक्कों से बनाए। इन 5 छक्कों के साथ, केएल राहुल के नाम आईपीएल इतिहास में बतौर ओपनर कुल 201 छक्के हो गए हैं। वहीं, विराट कोहली 192 छक्कों के साथ दूसरे पायदान पर हैं, जो अब राहुल से 9 छक्के पीछे हो गए हैं। इस लिस्ट में मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज़ रोहित शर्मा काफ़ी पीछे रह गए हैं।

225 रन बनाकर भी राजस्थान हारा, गेंदबाज़ों के सिर फोड़ा रियान पराग ने ठीकरा

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स ने जब 225 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया होगा, तब शायद उसने यह नहीं सोचा होगा कि उसकी टीम इतना बड़ा स्कोर बनाने के बावजूद हार जाएगी। लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज़ों, खासकर केएल राहुल और पथुम निसांका की शानदार पारियों ने राजस्थान के इस स्कोर को बौना साबित करते हुए उन्हें एक करारी शिकस्त दी। दिल्ली के खिलाफ हार के बाद राजस्थान के कप्तान रियान पराग बेहद निराश नज़र आए और उन्होंने अपनी टीम की गलतियों को स्वीकार करते हुए हार का ठीकरा गेंदबाज़ों पर फोड़ा। पराग ने मैच के बाद बताया कि उनकी टीम से कहाँ गलती हुई जिसकी वजह से उन्हें 10 में से चौथी मैच में हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि बीच के ओवरों में उनके गेंदबाज़ों ने खूब रन लुटाए और लगभग हर ओवर में बाउंड्री भी दिए, जिससे टीम को हार का सामना करना पड़ा। उनका मानना था कि 200 के आसपास का स्कोर ठीक था, लेकिन बीच के ओवरों में और बेहतर गेंदबाज़ी की जा सकती थी ताकि विपक्षी टीम पर दबाव बनाया जा सके। केएल राहुल (40 गेंद में 75 रन) और पाथुम निसांका (33 गेंद, 62 रन) के अर्धशतकों की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को 19.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर सात विकेट से शिकस्त दी। दिल्ली कैपिटल्स लगातार तीन हार के बाद मिली इस जीत से आठ अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर पहुँच गई, जबकि राजस्थान रॉयल्स 12 अंक से चौथे स्थान पर कायम है। दिल्ली कैपिटल्स के लिए 'प्लेयर ऑफ़ द मैच' रहे राहुल (छह चौके, पांच छक्के) और निसांका (छह चौके, तीन छक्के) के बीच पहले विकेट के लिए 57 गेंद में 110 रन की महत्वपूर्ण भागीदारी हुई। इसके बाद नीतिश राणा ने 17 गेंद में 33 रन की पारी खेली, और फिर ट्रिस्टन स्टब्स (11 गेंद में नाबाद 18 रन) और आशुतोष शर्मा (15 गेंद में नाबाद 25 रन) ने टीम को पांच गेंद रहते तीन विकेट पर 226 रन तक पहुँचाकर ऐतिहासिक जीत दिलाई।

महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय ब्रिगेड का ऐलान

इन 15 खिलाड़ियों को मिला मौका, हरमनप्रीत को कमान

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। इस बार 15 सदस्यीय टीम की कमान अनुभवी बल्लेबाज हरमनप्रीत कौर को दी गई है, जबकि स्टार ओपनर स्मृति मंधाना को उप-कप्तान बनाया गया है। चयन समिति ने मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में हुई बैठक के बाद टीम को अंतिम रूप दिया, जिसमें मुख्य चयनकर्ता अमिता शर्मा, सचिव देवजीत सैकिया, कप्तान कौर और मुख्य कोच अमोल मजूमदार भी मौजूद रहे।

इस दौरान टीम के चयन में कुछ बड़े और चौंकाने वाले फैसले दिखाई दिए हैं। प्रतिका रावल को टीम में जगह नहीं मिल सकी है, जबकि विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया और लेफ्ट आर्म स्पिनर राधा यादव की वापसी हुई है। इसके अलावा तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा को भी टीम में शामिल किया है, जो अभी तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक भी मैच नहीं खेली हैं। वह घरेलू क्रिकेट और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में अपने प्रदर्शन के दम पर चर्चा में आई थीं। राधा यादव की वापसी को चयनकर्ताओं ने उनके हालिया ऑलराउंड प्रदर्शन का इनाम बताया है। उन्होंने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं यास्तिका चोट से उबरकर टीम में लौटी हैं। उन्होंने घुटने की सर्जरी के बाद लंबे समय तक क्रिकेट से दूरी बनाई थी और अब फिट होकर वापसी कर रही हैं। तेज गेंदबाजी विभाग इस समय चोटों से जूझ रहा है। ऑलराउंडर अमनजोत कौर पीठ की चोट के कारण बाहर हैं, जबकि कशवी गौतम को घुटने की गंभीर चोट के चलते ऑपरेशन कराना पड़ा है। इसके बाद नंदनी शर्मा को टीम में शामिल कर गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देने की कोशिश की गई है।

भारतीय टीम को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप 1 में रखा गया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड्स जैसी टीमें शामिल हैं। भारत अपना पहला मुकाबला 14 जून को बर्मिंघम में पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद नीदरलैंड्स, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमों से मुकाबला होगा। भारत अब तक महिला टी20 विश्व कप का खिताब नहीं जीत सका है। 2020 में ऑस्ट्रेलिया में हुए टूर्नामेंट में टीम उपविजेता रही थी। अब 2026 में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम पहली बार खिताब जीतकर इतिहास रचने की कोशिश करेगी।

महिला टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), श्री चरानी, यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नंदिनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, क्रांति गौड़, श्रेयंका पाटिल और राधा यादव का नाम शामिल है।

जैमीसन को बेहद आक्रामक अंदाज़ में जश्न मनाना पड़ा मंहगा

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में गेंदबाज़ों की ताबड़तोड़ कुटाई कर रहे राजस्थान रॉयल्स के ओपनर वैभव सूर्यवंशी का बल्ला शुक्रवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खामोश रहा, जब वे सिर्फ़ 4 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन इस विकेट के बाद दिल्ली के न्यूजीलैंड तेज़ गेंदबाज़ काइल जैमीसन के आक्रामक जश्न ने सोशल मीडिया पर एक नई बहस छेड़ दी, और उन्हें प्रशंसकों की तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा। वैभव सूर्यवंशी, जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाज़ी और 250 से अधिक की स्ट्राइक रेट के लिए जाने जाते हैं, उनका विकेट किसी भी टीम के लिए बेहद अहम माना जाता है। काइल जैमीसन ने शानदार यॉर्कर फेंकी, जिससे 15 वर्षीय सूर्यवंशी के पास कोई जवाब नहीं था और वे क्लीन बोल्ड हो गए। विकेट लेने के बाद, जैमीसन ने बेहद आक्रामक अंदाज़ में जश्न मनाया। उन्होंने सूर्यवंशी के सामने ज़ोर-ज़ोर से ताली बजाई और उन्हें सैंड ऑफ दिया, मानो उन्होंने किसी महान बल्लेबाज़ का विकेट हासिल किया हो। हालांकि जैमीसन के इस आक्रामक व्यवहार ने शायद उनकी टीम को पसंद आया हो, लेकिन सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने इसकी कड़ी निंदा की। कई यूज़र्स ने जैमीसन के व्यवहार को अनुचित बताया, खासकर इसलिए क्योंकि वैभव सूर्यवंशी सिर्फ़ 15 साल के युवा खिलाड़ी हैं। यह बात सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगी कि एक अनुभवी अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज़ का एक किशोर खिलाड़ी के प्रति ऐसा व्यवहार कितना उचित है। एक यूज़र ने अपनी नाराज़गी व्यक्त करते हुए लिखा, अरे भाई ठंड रखो, वो सिर्फ़ 15 साल का ही है। एक अन्य यूज़र ने टिप्पणी की, अरे भाई, एक 15 साल के बच्चे का विकेट लेकर इतना खुश हो रहे हैं। ऐसे जश्न मना रहे हो यह बता रहा है कि उनका लगाया चौका आपके इगो को हर्ट कर गया। कई प्रशंसकों ने जैमीसन के इस कृत्य पर हँसते हुए इमोजी का उपयोग करके उनकी खिल्ली उड़ाई और सवाल उठाया कि क्या खेल भावना का सम्मान नहीं करना चाहिए। प्रशंसकों की नाराज़गी इस बात पर केंद्रित थी कि खेल में खेल भावना का सम्मान होना चाहिए, और एक युवा खिलाड़ी के प्रति इस तरह का आक्रामक सैंड ऑफ उचित नहीं था, भले ही वह विकेट कितना भी महत्वपूर्ण क्यों न रहा हो। इस घटना ने एक बार फिर आईपीएल में खिलाड़ियों के व्यवहार और खेल भावना के महत्व पर एक नई चर्चा का विषय छेड़ दिया है, जहाँ फैंस उम्मीद करते हैं कि खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सम्मान और परिपक्वता भी दिखाएं।

धोनी, रोहित और सूर्यकुमार: आईपीएल 2026 की सबसे वायरल तस्वीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के सबसे यादगार पलों में से एक तब सामने आया जब भारत के तीन आईसीसी वर्ल्ड चैंपियन खिलाड़ी एक साथ एक ही फ्रेम में नज़र आए। महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के साथ सूर्यकुमार यादव की एक तस्वीर ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया और क्रिकेट प्रेमियों के बीच ख़ुशी की लहर दौड़ गई। यह तस्वीर चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच शनिवार शाम होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले चेपॉक में दोस्ती और सम्मान की एक अनोखी झलक दिखाती है।

इस ख़ास पल को मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज़ सूर्यकुमार यादव ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा किया। उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के साथ अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, ÷ग्रुप डीपी मिल गया। बस ग्रुप का नाम सजेस्ट करो।÷ इस पोस्ट ने तुरंत प्रशंसकों का ध्यान खींचा और कमेंट्स की बाढ़ आ गई, जहाँ हर कोई इन तीनों क्रिकेट दिग्गजों को एक साथ देखकर उत्साहित था। यह तस्वीर ऐसे समय में सामने आई है जब चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस दोनों ही टीमें आईपीएल 2026 में अपनी उम्मीदें बरकरार रखने के लिए करो या मरो के मुकाबले में आमने-सामने होंगी। लीग की ये दो सबसे सफल टीमें इस सीज़न लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही हैं, और प्लेऑफ़ की दौड़ में बने रहने के लिए दोनों ही टीमें जीत के लिए बेताब हैं।

रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली सीएसके अपने घरेलू मैदान चेपॉक पर भी इस सीज़न अस्थिर नज़र आई है। उनकी मिडिल ऑर्डर कमजोर रही है, वहीं गेंदबाज़ दबाव में मैच खत्म करने में नाकाम रहे हैं। पिछली बार जब दोनों टीमें वानखेड़े में भिड़ी थीं, तब संजू सैमसन के शतक की बदौलत सीएसके ने 103 रन से शानदार जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार मुंबई इंडियंस बदला लेने के इरादे से उतरेगी। सीएसके फिलहाल आठ मैचों में तीन जीत के साथ छठे स्थान पर है और टीम को अपने अनुभवी खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी की पिंडली की चोट के कारण गैरमौजूदगी का भी सामना करना पड़ रहा है।

वहीं मुंबई इंडियंस का सफ़र भी कुछ ऐसा ही रहा है। टॉप ऑर्डर की अच्छी शुरुआत के बावजूद, उनकी कमजोर मिडिल ऑर्डर और अनियमित गेंदबाजी ने उन्हें कई अहम मैचों में हार दिलाई है, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 243 रन का बचाव करने में नाकामी भी शामिल है। नौवें स्थान पर काबिज़ मुंबई इंडियंस के लिए राह और भी मुश्किल है। प्लेऑफ़ की उम्मीदें ज़िंदा रखने के लिए उन्हें बाकी सभी मैच जीतने होंगे, जिससे यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। इस रोमांचक मुकाबले से पहले तीनों दिग्गजों की यह तस्वीर क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक सुखद अनुभव लेकर आई है, जो खेल की प्रतिस्पर्धा के बीच भी सम्मान और दोस्ती की मिसाल पेश करती है।

संजू सैमसन ऑरेंज कैप की दौड़ में पिछड़े, शीर्ष-5 में वापसी की चुनौती

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के स्टार बल्लेबाज़ संजू सैमसन ने दो शानदार शतक लगाए हैं, लेकिन इसके बावजूद वह ऑरेंज कैप की रेस में काफ़ी पिछड़ गए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने पिछले मैच में फ्लॉप रहने के बाद, सैमसन ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष-10 बल्लेबाज़ों की सूची से भी बाहर होकर 13वें पायदान पर आ गए हैं। सैमसन कई मैचों में बड़ी और प्रभावशाली पारियाँ तो खेल रहे हैं, लेकिन उनकी निरंतरता की कमी उन्हें शीर्ष पर पहुँचने से रोक रही है। जब उनका बल्ला नहीं चलता तो वह काफ़ी सस्ते में आउट हो जाते हैं, यही कारण है कि वह कुछ ही समय में ऑरेंज कैप की रेस में पिछड़ गए हैं। राजस्थान रॉयल्स से चेन्नई सुपर किंग्स की टीम में शिफ्ट हुए सैमसन इस सीज़न पहली बार पीली जर्सी में नज़र आए। अभी तक सीएसके के लिए खेले 9 मैचों में उनके बल्ले से 50.67 की औसत और 169.83 के स्ट्राइक रेट के साथ 304 रन निकले हैं, जिसमें मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उनके दो शानदार शतक भी शामिल हैं।

भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हैं अनन्या पांडे

अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म चांद मेरा दिल को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। युवा पीढ़ी की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक अनन्या, अपने करियर और भविष्य की योजनाओं को लेकर काफी स्पष्ट और मुखर हैं। हाल ही में उन्होंने अपने पेशेवर दृष्टिकोण और आकांक्षाओं को लेकर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बताया कि वह अपने करियर को किस दिशा में ले जाना चाहती हैं और किन उद्देश्यों के साथ काम कर रही हैं। अनन्या ने अपनी बातों को साझा करते हुए कहा, मुझे लगता है कि मैंने अभी तो बस शुरुआत की है, लेकिन ऐसी बहुत सी फिल्में और बेहतरीन कलाकार हैं, जिनके साथ काम करना मेरा सपना है। यह उनके असीमित उत्साह और सीखने की ललक को दर्शाता है।
अनन्या ने बताया कि उनके पास भविष्य की योजनाओं की एक लंबी लिस्ट है और वह इंडस्ट्री में बहुत कुछ हासिल करना चाहती हैं। उन्होंने अपनी बातें शेयर करते हुए कहा कि वह अब अपने करियर में एक कदम और आगे बढ़ाना चाहती हैं।
अभिनेत्री का उद्देश्य अब ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना है, जो केवल तात्कालिक सफलता ही नहीं, बल्कि लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बसी रहें और एक स्थायी प्रभाव छोड़ें।
उन्होंने दृढ़ता से कहा, मैं कुछ ऐसा प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हूं, जिसे हमेशा याद रखा जाए और जो मेरे बाद भी दुनिया में बना रहे। यह कथन उनकी परिपक्व सोच और कला के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाता है, जहां वह क्षणिक प्रसिद्धि से परे जाकर रचनात्मक विरासत बनाने पर जोर दे रही हैं।
अनन्या ने माना कि उम्र और अनुभव के साथ फिल्मों और अभिनय के प्रति उनका लगाव और गहरा होता जा रहा है।
उन्होंने बताया, फिल्मों को अब मैं लंबे समय तक चलने के नजरिए से देख रही हूं, क्योंकि मुझे अब समझ आ रहा है कि फिल्में कितनी प्रभावशाली होती हैं और वे हमेशा के लिए अमर हो जाती हैं। मैं आज के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं। यह उनकी कलात्मक यात्रा में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है, जहां वह अपनी पसंद को अधिक सोच-समझकर चुन रही हैं। अभिनेत्री लक्ष्य लालवानी के साथ जल्द ही फिल्म चांद मेरा दिल में नजर आएंगी। यह एक कॉलेज रोमांस से शुरू होकर एक इंटेंस और ट्रैजिक लव स्टोरी में बदलती है, जो युवाओं के जुनून भरे प्यार को दर्शाती है। फिल्म की कहानी में प्यार, बलिदान और भावनाओं का एक गहरा मिश्रण देखने को मिलेगा। विवेक सोनी द्वारा निर्देशित फिल्म चांद मेरा दिल का निर्माण करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है, जो इसकी भव्यता और गुणवत्ता का संकेत है। फिल्म में अनन्या पांडे चांदनी और लक्ष्य आरव के रूप में नजर आएंगे। चांद मेरा दिल 22 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी, और अनन्या के प्रशंसक उन्हें इस नए और गहरे किरदार में देखने के लिए उत्साहित हैं।

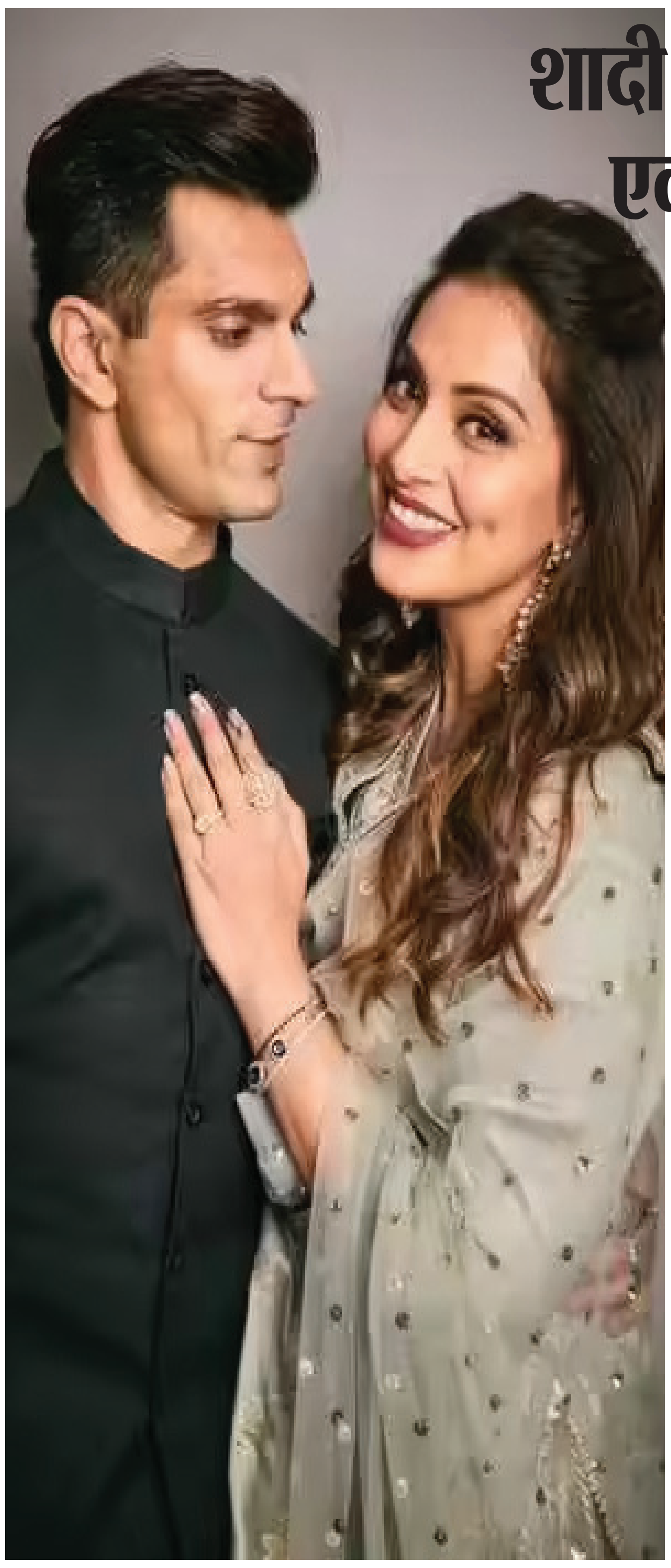

शादी की 10वीं सालगिरह पर एक दूसरे पर बिपाशा और करण ने बरसाया प्यार

बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर बॉलीवुड के उन चुनिंदा कपल्स में से हैं जिनकी गिनती बोल्ड और क्यूट जोड़ी के तौर पर होती है। साल 2016 में शादी के बंधन में बंधने के बाद से यह जोड़ा अपने रिश्ते को न केवल बखूबी निभा रहा है, बल्कि लगातार अपने प्रशंसकों को कपल गोल्स भी दे रहा है।
उनका सोशल मीडिया अकाउंट इस बात का सबूत है, जो प्यारी और पारिवारिक तस्वीरों से भरा रहता है। हाल ही में इस प्यारे कपल ने अपनी शादी के 10 साल पूरे किए, और इस खास मौके पर करण सिंह ग्रोवर ने अपनी अभिनेत्री पत्नी पर जमकर प्यार लुटाया है। करण ने इंस्टाग्राम पर शादी की 10वीं सालगिरह को सेलिब्रेट करते हुए एक बेहद ही खूबसूरत वीडियो शेयर किया है, जिसमें दोनों के क्वालिटी टाइम मोमेंट्स की झलकियाँ हैं। वीडियो में कभी दोनों साथ में फिल्म देखते हुए नजर आ रहे हैं, तो कभी एक-दूसरे को प्यार से किस करते हुए दिख रहे हैं। यह वीडियो उनके गहरे प्यार और आपसी समझ को दर्शाता है, जो दर्शकों का दिल जीत रहा है।
अभिनेता ने इस वीडियो के साथ एक भावुक कैप्शन भी लिखा है, जिसके जरिए उन्होंने बिपाशा पर बेशुमार प्यार बरसाया है। करण ने अपनी पत्नी को अपनी ताकत और जीवन को सार्थक बनाने वाला शख्स बताया है। उन्होंने लिखा, तुम मेरे लिए सब कुछ थे, हो और हमेशा रहोगे। तुम मेरी हर धड़कन, हर सांस, मेरी ताकत, मेरी परी हो। तुम मेरी वजह हो, तुम मेरे जीवन को अर्थ देते हो। तुम्हारा प्यार मेरा कवच है, मेरी महाशक्ति है। मैं जो हूं, वह तुम्हारे कारण हूं। मैं तुम्हें अनंत काल तक, अनंत काल तक, बीते और अनबीते जन्मों से भी अधिक समय तक, अनंत काल तक और एक दिन तक प्यार करूंगा! मैं तुमसे प्यार करता हूं, 10वीं सालगिरह मुबारक! करण के इन शब्दों ने उनके रिश्ते की गहराई और एक-दूसरे के प्रति उनके समर्पण को उजागर किया है।
बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दोनों की मुलाकात 2015 में फिल्म अलोन के सेट पर हुई थी। धीरे-धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई, लेकिन बिपाशा का मानना था कि वे तब तक शादी नहीं करेंगी, जब तक खुद करण उन्हें शादी के लिए प्रपोज नहीं करते। नए साल के दिन, करण ने थाईलैंड की खाड़ी में स्थित खूबसूरत द्वीप पर बिपाशा को डायमंड रिंग के साथ प्रपोज करके सभी को चौंका दिया। 30 अप्रैल 2016 को इस जोड़े ने बंगाली रीति-रिवाजों के साथ सात फेरे लिए।
शादी के समय करण ग्रोवर को काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था क्योंकि यह उनकी तीसरी शादी थी, लेकिन इस जोड़े ने सभी आलोचनाओं का सामना करते हुए अपने रिश्ते को मजबूत बनाया। आज वे देवी नाम की एक प्यारी सी बेटी के माता-पिता भी हैं, और उनका परिवार खुशहाल जीवन जी रहा है, जो बॉलीवुड में एक मिसाल बन गया है।

नाना पाटेकर 76 की उम्र में भी युवा एक्टर्स को भी दे रहे फिटनेस में मात

नाना पाटेकर, भारतीय सिनेमा के एक ऐसे दिग्गज अभिनेता हैं, जो सिर्फ अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए ही नहीं, बल्कि अब अपनी अद्भुत फिटनेस के लिए भी जाने जाते हैं। 76 साल की उम्र में भी वे अपने किसी भी युवा समकालीन को कड़ी टक्कर दे सकते हैं, और इसका हालिया सबूत सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में देखने को मिला। प्रसिद्ध फोटोग्राफ़र और प्रोड्यूसर अतुल कासबेकर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें नाना पाटेकर लगातार 15 ट्राइसेप डिप्स करते हुए नजर आ रहे हैं और वह भी बिना किसी थकान या पसीना बहाए। अतुल द्वारा फोटो-शेयरिंग ऐप पर शेयर की गई इस क्लिप में नाना पाटेकर को टैन शॉर्ट्स और सफेद बनियान पहने देखा जा सकता है, जिसके साथ उन्होंने अपने गले में एक गमछा भी लपेटा हुआ है, जो उनके देसी अंदाज को दर्शाता है।
उन्हें बिना किसी रुकावट के, पूरी सहजता के साथ ट्राइसेप डिप्स करते देखा गया, और तो और, इस कसरत के आखिर में उनके चेहरे पर एक संतुष्टि भरी मुस्कान भी थी। इस उम्र में भी फिटनेस के बड़े लक्ष्य तय करने के लिए नाना की तारीफ करते हुए, अतुल ने कैप्शन में लिखा, आ-हो नाना साहेबज!!! आपने तो मेरे फिटनेस लक्ष्य ही बदल दिए!!! ये हैं नाना पाटेकर जी। उनकी उम्र 76 साल है। और ये उन्हें बार्स पर ट्राइसेप डिप्स करते हुए दिखाया गया है।
फिल्म इंडस्ट्री के कई सदस्यों ने नाना के इस जज्बे की तारीफ की। शिल्पा शेट्टी, विनीत कुमार सिंह और राहुल देव जैसे कलाकारों ने कमेंट सेक्शन में आग और लाल दिल वाले इमोजी शेयर करके अपनी प्रशंसा जाहिर की, जिससे पता चलता है कि नाना की फिटनेस सिर्फ प्रशंसकों के बीच ही नहीं, बल्कि उद्योग में भी चर्चा का विषय बन गई है। कुछ इंस्टाग्राम यूजर्स ने नाना के मशहूर किरदार, वेलकम फ्रैंचाइजी के उदय शेट्टी का भी जिक्र किया। उन्होंने कंट्रोल उदय कंट्रोल और उदय भाई अभी भी फिट दिख रहे हैं जैसे मजेदार कमेंट्स किए, जो नाना के लोकप्रिय ऑन-स्क्रीन किरदारों और उनके वास्तविक जीवन की फिटनेस के बीच एक दिलचस्प संबंध स्थापित करते हैं। अब अगर नाना की आगामी फिल्मों की बात करें, तो वह 2025 में आने वाली हाउसफुल 5 का हिस्सा थे, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख और अन्य कलाकार भी थे। इसके अलावा, उन्हें विशाल भारद्वाज की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म ओरोमियो में एक पुलिसवाले के किरदार में भी देखा गया था, जिसमें शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिकाओं में थे। उन्होंने अनिल कपूर और राधिका मदान स्टारर फिल्म सूबेदार में भी एक कैमियो रोल किया था। नाना पाटेकर की यह ऊर्जा और काम के प्रति समर्पण वाकई प्रेरणादायक है।

फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेश: रुक्मिणी वसंत

हाल ही में अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत ने ब्लॉकबस्टर फिल्म कांतारा- ए लेजेंड चैप्टर 1 के भव्य पैमाने और इसकी अनोखी दुनिया के बारे में खुलकर बात की। रुक्मिणी वसंत ने बताया कि फिल्म का स्केल इतना बड़ा और प्रभावशाली है कि उन्होंने अपने करियर में पहले कभी ऐसा कुछ अनुभव नहीं किया। उन्होंने कहा, फ्रइसका स्केल निश्चित रूप से ऐसा है जैसा मैंने अब तक कभी नहीं देखा। फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेश और बेहद भव्य है। रुक्मिणी ने आगे कहा कि वह निर्देशक गीतू मोहनदास और अभिनेता यश द्वारा तैयार की जा रही इस नई दुनिया को देखकर बहुत खुश और रोमांचित हैं। अभिनेत्री ने बताया, 'मुझे लगता है कि हमारी डायरेक्टर गीतू मोहनदास और यश जो फिल्म तैयार कर रहे हैं, वह इतनी विशाल और नई है कि यह मुझे सचमुच कुछ अनोखा और अलग लगता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। मुझे यह देखने के लिए भी उत्सुकता है कि दर्शक इस नई दुनिया पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।'
यह टिप्पणी फिल्म की मौलिकता और उसके बड़े पैमाने पर निर्माण की ओर इशारा करती है, जिससे यह एक असाधारण सिनेमाई अनुभव होने की उम्मीद बढ़ जाती है। रुक्मिणी ने फिल्म पर बात करते हुए कहा कि वह खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इस प्रोजेक्ट में काम करने का मौका मिला है, जो उनके करियर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रहा है। उन्होंने बताया कि 4 जून को रिलीज होने वाली यह फिल्म उन्हें सबसे ज्यादा रोमांचित कर रही है। यह फिल्म यश और वेंकट के. नारायण की प्रोडक्शन कंपनियों केवीएन प्रोडक्शंस और मॉनस्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बन रही है, जो गुणवत्तापूर्ण सिनेमा बनाने के लिए जानी जाती हैं।
फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर जैसे कई स्थापित और प्रतिभाशाली कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं, जिससे फिल्म की कास्टिंग भी काफी दमदार लग रही है। टॉक्सिक न केवल हिंदी और तेलुगु में रिलीज होगी, बल्कि तमिल, मलयालम समेत कई अन्य भारतीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में भी इसे डब किया जाएगा। यह व्यापक रिलीज रणनीति यह सुनिश्चित करेगी कि फिल्म पूरे देश के साथ-साथ विदेशों में भी दर्शकों तक पहुंच सके, जिससे इसकी पहुंच और प्रभाव और भी बढ़ जाएगा। रुक्मिणी वसंत इस फिल्म के अलावा जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म में भी काम कर रही हैं, जो उनके करियर के लिए एक और बड़ा प्रोजेक्ट है। उनके पास कुछ अनऑनाउंस्ड प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनकी घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।

बुची बाबू सना की राम चरण स्टारर 'पेड्डी' 4 जून 2026 को होगी रिलीज, आईपीएल खत्म होते ही मचेगा धमाल

बुची बाबू सना की 'पेड्डी' करेगी बॉक्स ऑफिस पर कब्जा, राम चरण स्टारर फिल्म 4 जून 2026 को होगी रिलीज

'पेड्डी' को साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक माना जा रहा है। फिल्म में राम चरण के साथ जान्हवी कपूर नजर आएंगी, जबकि इसका शानदार संगीत ए.आर. रहमान ने तैयार किया है। यह फिल्म वृद्धि सिनेमास के बैनर तले बनाई जा रही है!
'पेड्डी' साल 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनकर उभरी है, जिसमें ग्लोबल स्टार राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में जान्हवी कपूर और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में हैं। ऐलान के बाद से ही यह प्रोजेक्ट फैंस के साथ-साथ इंडस्ट्री में भी जबरदस्त चर्चा में बना हुआ है। हाल ही में 'पेड्डी पहलवान' रिलीज किया गया, जिसमें राम चरण बिल्कुल अलग अवतार में नजर आए, और इसे पूरे देशभर से जबरदस्त प्यार मिला। अब फिल्म ने आधिकारिक तौर पर अपनी रिलीज डेट 4 जून 2026 तय कर ली है, जो आईपीएल सीजन के तुरंत बाद है।
'पेड्डी' को लेकर उत्साह अपने चरम पर है और फिल्म अब 4 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। साल की सबसे बड़ी फिल्मों में शुमार यह फिल्म आईपीएल सीजन खत्म होते ही आएगी, जो एक बड़े पर्दे के शानदार तमाशे के लिए बिल्कुल सही समय माना जा रहा है और इससे बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचने की उम्मीद है।
'पेड्डी' हर नए कंटेंट के साथ साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल होती जा रही है। फिल्म से जुड़ा हर कंटेंट शानदार तरीके से काम कर रहा है, चाहे टीज़र हो, 'चिकिरी चिकिरी' गाना, 'राय राय रा रा' गाना या पोस्टर्स, हर चीज़ ने हमें 'पेड्डी' की दुनिया में एक बेहद अलग अंदाज़ में ले जाकर छोड़ा है। यह पूरी तरह कंटेंट की सफलता है, बिना किसी दिखावे के।
'पेड्डी' का पहला गाना 'चिकिरी चिकिरी' रिलीज होते ही जबरदस्त चर्चा में आ गया था। दर्शकों ने इसके फ्रेश वाइब और ए.आर. रहमान के सिग्नेचर टच को खूब पसंद किया। यह गाना तेजी से लोगों से जुड़ा और अब तक अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर 200 मिलियन से ज्यादा व्यूज़ पार कर चुका है, जो फिल्म के म्यूजिक को लेकर बढ़ते उत्साह को दिखाता है।
इस मोमेंटम को आगे बढ़ाते हुए मेकर्स ने दूसरा गाना 'राय राय रा रा' रिलीज किया, जो एक हाई-एनर्जी ट्रैक है और आते ही ऑनलाइन छा गया। इस गाने ने यूट्यूब पर 47 मिलियन से ज्यादा व्यूज़ पार कर लिए हैं, जिससे फिल्म की रिलीज को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है।
बुची बाबू सना द्वारा लिखित और निर्देशित 'पेड्डी' में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही शिवा राजकुमार, जान्हवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी नजर आएंगे। वेंकट सतीश किलारू द्वारा अपने बैनर वृद्धि सिनेमाज और प्रसिद्ध प्रोडक्शन हाउस माइश्री मूवी मेकर्स के सहयोग से निर्मित यह फिल्म 4 जून 2026 को रिलीज होगी।

मेडिकल रिप्रिजेन्टेटिव सदाबहार कॅरिअर

जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती।

गला काट प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बाजार में टिके रहने के लिए कंपनियां विपणन नीति का सहारा ले रही हैं। इससे दवा कंपनियां भी अछूती नहीं हैं। भूमंडलीकरण ने इस प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा दिया है। जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती। लिहाजा इस क्षेत्र में भी रोजगार के बेहतर अवसर खुल रहे हैं।

मेडिकल रिप्रिजेंटिव के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक अभ्यार्थी को विज्ञान स्नातक होना आवश्यक है। लेकिन फार्मेसी में डिग्री और डिप्लोमाधारी अभ्यर्थी को सभी दवा कंपनी प्राथमिकता देती हैं। हालांकि इस क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए डिग्री से ज्यादा धैर्य, लगन तथा वाकपटुता की जरूरत होती है। इसके साथ ही आकर्षक व्यक्तित्व, बातचीत से दूसरे को प्रभावित करने की क्षमता और सकारात्मक सोच का होना भी जरूरी है।

एक मेडिकल रिप्रिजेंटिव यानी एमआर का काम मेडिकल व्यवसाय से जुड़े, व्यवसायियों, चिकित्सकों से संपर्क कर अपनी कंपनी द्वारा उत्पादित दवाओं की गुणवत्ता बताना होता है। उन्हें इस तरह समझाना होता है कि चिकित्सक रोगियों को उन्हीं की कंपनी की दवा लिखे। एक एमआर को अपनी कंपनी की उत्पादित तमाम दवाओं की जानकारी रखना होता है और चिकित्सकों और व्यवसायियों को बताना होता है। यानी वह कंपनी और व्यवसायियों के बीच एक पुल का काम करता है। एक तरह से उसके कंधे पर कंपनी की सफलता की पूरा दारोमदार टिका हुआ है।

एक एमआर को वेतन उसकी योग्यता और कंपनी के स्तर के आधार पर मिलता है। शुरुआत में एक एमआर को 5 से लेकर 15 हजार रुपए तक मिलते हैं। इसके अलावा वाहन, यात्रा भत्ता, हाउसिंग और सुविधाएं अलग से मिलती हैं। देश के कई संस्थानों में मेडिकल प्रशिक्षण और फार्मा मार्केटिंग मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ फार्मेसी और डिप्लोमा इन फॉर्मेसी के कोर्स कराए जाते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं-

- हमदर्द कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मदनगीर, दिल्ली।
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, पुष्प विहार, महरौली, दिल्ली।
- महिला पॉलीटेक्निक, महारानीबाग, नई दिल्ली।
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- बॉम्बे कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुंबई, महाराष्ट्र।
- बिहार कॉलेज ऑफ फार्मेसी, अनिसाबाद, पटना, बिहार।

सफलता का आईना हो आपका रिज्यूमे

नौकरी प्राप्त करने का पहला कदम रिज्यूमे प्रेषित करना होता है। आपका रिज्यूमे आपकी सफलता का आईना हो, जिसमें सब कुछ स्पष्ट दिखे। वह केवल आपकी सफलता ही नहीं, बल्कि आपके कार्य-इतिहास के बारे में भी सब कुछ कहे, ताकि नियोक्ता को कहीं कोई शंका न रह जाए।

आज के प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में आपको दूसरों से अलग बनाती हैं आपकी सफलताएं। यहां हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं, ताकि आपके रिज्यूमे में आपकी सफलताएं भली-भांति प्रदर्शित हों। जहां प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है, वहां केवल योग्यता और कार्यानुभव के दम पर अच्छी नौकरी पाना आसान नहीं है। ऐसे में आपकी छोटी-बड़ी सफलताएं ही हैं, जो आपको अन्य लोगों से आगे रखती हैं। आप किसी कंपनी के लिए कितने तरीके से लाभदायी सिद्ध हो सकते हैं, इस बात को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और इसे बताने के लिए जरूरी है कि आपका रिज्यूमे बेहतरीन तरीके से तैयार किया जाए, जो आपको साधारण आवेदक की श्रेणी से विशेष की श्रेणी में पहुंचाएगा।

उत्तरदायित्वों को पेश करें

अपना रिज्यूमे तैयार करने का एक बढ़िया तरीका है कि आप शब्दों का चयन चतुराई से करें। यहां तक कि जब आप अपने कार्य उत्तरदायित्वों की बात करें तो उन्हें ऐसे पेश करें कि वे आपकी सफलताएं नजर आएं। मिसाल के तौर पर..

पहले- उत्तरी क्षेत्र में सेल्स की जिम्मेदारी।

अब- समूचे उत्तरी क्षेत्र के सेल्स प्रमुख।

देखिए कैसे 'जिम्मेदारी' की जगह 'प्रमुख' क्रिया का इस्तेमाल करते ही रिज्यूमे आपकी जो छवि बनाता है, उसमें कितना अंतर दिखाई देने लगा है। अगर एक रिज्यूमे में सिर्फ आपके उत्तरदायित्वों का ही जिक्र होता है तो किसी भी कंपनी को यह बिल्कुल समझ में नहीं आता कि आप असल में करते क्या थे! साथ में उन्हें बमुश्किल ही पता चल पाता है कि आप उनके लिए क्या कर सकते हैं। इस बात का खास ख्याल रखें कि अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों को बताने के लिए दमदार क्रिया-शब्दों जैसे लेड, इनीशिएटेड, स्पीयरहेडेड, कंट्रोल्ड, एक्सेलरेटेड, अटेंड, कॉन्सेप्चुलाइज्ड, कंडक्टेड, डिवाइस्ड, डायरेक्टेड, ड्राफ्टेड, एक्जीक्युटेड, एन्हैंस्ड, एस्टेब्लिशड आदि का इस्तेमाल करें। इन शब्दों के माध्यम से आपकी छवि एक सक्रिय कर्मचारी की बनेगी और कंपनी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जब आप यह कहेंगे कि आपको क्या हासिल हुआ, बजाए इसके कि आप क्या संभालते थे तो आपकी छवि एक उत्तरदायी और पहल करने वाले कर्मचारी के रूप में बनेगी, न कि सिर्फ ऐसे व्यक्ति के रूप में, जो केवल दिया हुआ काम ही पूरा करता है।

जिम्मेदारियों के बारे में बताएं

किसी कंपनी को यह बताना भी बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपने काम को कितने अच्छे तरीके से संभालते हैं। इसके लिए भी आपको 'रिस्पॉन्सिबल फॉर' से कुछ अधिक कहना होगा, जैसे..

पहले- कंपनी में एमआईएस इंटरफेस की जिम्मेदारी।

अब- नए मार्केट्स की तलाश और क्लाइंट्स को बेहतर सेवा देने के लिए एमआईएस के साथ तकनीकी तरक्की के लिए कार्य (इंटरफेस)।

पहले जो रिज्यूमे में लिखा गया है, उससे कंपनी के दिमाग में यह बात स्पष्ट नहीं होती कि आप कितने प्रभावी तरीके से अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे थे, वहीं दूसरे मामले में 'इंटरफेस' शब्द ने आपको एक सक्रिय आवेदक के रूप में प्रस्तुत किया है। इस तरह किसी भी कार्य के साथ जुड़ने ने यह दिखा दिया है कि आपका इसमें क्या योगदान रहा और यही आपकी सफलता भी है। साथ ही इससे कंपनी को यह भी समझ में आ गया कि भविष्य में आप किस प्रकार से उन्हें योगदान दे सकते हैं। दरअसल हम एक बेसिक रिज्यूमे में अपने संपर्क की जानकारी, अपना उद्देश्य, अपने बारे में जानकारी, कार्यानुभव, अतिरिक्त गतिविधियां और दूसरी जानकारी देने में काफी जल्दबाजी करते हैं। हम अक्सर ऐसी जगह आकर रुक जाते हैं, जहां हमें वास्तव में अपनी वर्तमान कंपनी में अपने योगदान का जिक्र करना चाहिए।

एक दमदार रिज्यूमे का मुख्य तत्व 'प्रमाण' होता है। प्रमाण इस बात का कि आपने रिज्यूमे में जो कुछ भी कहा है, आप उसकी इज्जत रखेंगे - और यह प्रमाण आपके वाइटल स्टेटस में होता है, जिसमें तथ्य व आंकड़े या परिणाम दर्शाने वाले कथन होते हैं। ये सब आपके वर्तमान कार्य को दर्शाते हैं व आपको एक सफल व कार्य करने के इच्छुक कर्मी के रूप में साबित करते हैं।

जब भटक जाए करियर प्लान

कॉलेज डिग्री के बाद आप कॉर्पोरेट जगत में अपना प्रोफेशनल जीवन शुरू करते हैं। इसके लिए आप इंटरव्यू की तैयारियां भी पूरे मनोयोग से करते हैं, जहां 'आप पांच वर्ष में खुद को कहा देखते हैं?' जैसे प्रश्नों की आप खास तैयारी करते हैं। लेकिन पांच या दस वर्ष बाद आपकी महत्वाकांक्षाएं कितनी पूरी हो पाती हैं? क्या आप अपनी प्रगति से संतुष्ट होते हैं या आपको लगता कि यदि एक और मौका मिले तो आप अपने प्रयास कुछ अलग तरीके से करना चाहेंगे ? जब करियर लक्ष्य पूरे न हों तो निराशा होनी स्वाभाविक होती है; फिर जरूरी हो जाता है कि आप अपनी मौजूदा स्थिति का आकलन करें और करियर ग्राफ को ऊपर ले जाने के लिए भावी योजना की रूपरेखा एक बार फिर तैयार करें।

निराशा से जूझना - क्या शुरुआत में वह नौकरी आपके हाथ से निकल गई थी जिसे आप सचमुच प्राप्त करना चाहते थे, और क्या आपका मौजूदा कार्य आपको तरक्की करने के पूरे मौके नहीं दे रहा और क्या कोई नया ऑफर भी आपकी ओर नहीं आ रहा, या फिर कई नौकरियां बदलने के बावजूद आप वहां नहीं पहुंच पा रहे जहां पहुंचने की आपने उम्मीद की थी, और इन सबके अलावा अर्थव्यवस्था का कठिन दौर भी आपके खिलाफ जा रहा है?

कई बार आपके सच्चे प्रयासों के बाद भी परिस्थितियां शुरू से ही आपके विपरीत रहती हैं। फिर भी, यहां यह ध्यान रखना होगा कि आप जो रास्ता पार कर चुके हैं, उस पर आप वापस तो नहीं जा सकते, लेकिन भविष्य की तैयारी अपने अनुसार जरूर कर सकते हैं।

पुनप्रयास - तो यदि आपको लगता है कि आपके करियर चार्ट में कुछ कमी है तो उसका सही **आकलन करें** - क्या यह वह बुनियादी हुनर है जिसकी कमी से आप बड़ी परियोजनाओं का हिस्सा नहीं बन पा रहे हैं या कोई सॉफ्ट स्किल है जो महत्वपूर्ण कार्य संबंधों को आपसे दूर रख रहा है? इसके बाद, उपरोक्त कमियों को दूर करने के लिए जरूरी प्रशिक्षण के बाद की परिस्थितियों का भी आकलन करें। यह भी जरूरी है कि आप अपने करियर के मौजूदा दौर में प्रशिक्षण की महत्ता को समझों।

फोकस बदलें - आपने अपनी सारी ऊर्जा एक ही दिशा में लगा दी थीं, परंतु वह आपके काम नहीं आई। तो अब समय आ गया है कि आप आगे बढ़ें और अन्य दिशाओं में अपने प्रयास शुरू कर दें। इसका मतलब करियर की दिशा में परिवर्तन नहीं होता, बल्कि मौजूदा कार्य के साथ नई जिम्मेदारियां उठाना, जिनमें आपको कुछ नए हुनर सीखने की जरूरत हो। याद रखें कई बार विपरीत परिस्थितियों में नए अवसर छुपे होते हैं; एक अदद निराशा को अपने समूचे करियर को नुकसान न पहुंचाने दें।

खुद पर भरोसा - दुविधा के समय अपने निर्णयों पर सवाल करना अक्सर एक प्राकृतिक क्रिया होती है; परंतु जरूरी है कि अपनी सोच और क्षमताओं पर विश्वास डगमगाना नहीं चाहिए। गलत नौकरी या विपरीत परिस्थितियों का शिकार होना ही आपके बारे में नहीं बताता। इसलिए, अपनी जमीन पर जमें रहें।

कैसे पाएं प्रोमोशन

फर्ज करें आपके बॉस, आपके बॉस के बॉस और अन्य कंपनी एग्जीक्यूटिव्स एक साथ बैठकर आपके बारे में विचार कर रहे हों। इस दौरान वह आपके कार्य चरित्र, आपकी लीडरशिप क्वालिटीज, आपके प्रोजेक्ट्स, आपके अधीनस्थों, आपके द्वारा प्राप्त नतीजों और गत वर्ष के दौरान आपकी परफॉरमेंस के बारे में चर्चा करते हैं। यह समिति एक बहुत महत्वपूर्ण नतीजा लेती है- आपको तरक्की मिलनी चाहिए या नहीं ? बेशक आपके संस्थान में इस कार्य से जुड़ा कोई अनौपचारिक तरीका न हो, लेकिन इस तरह की प्रक्रिया कमोबेश प्रत्येक छोटी या बड़ी कंपनी में होती है। दरअसल, इस प्रक्रिया के दौरान कुछ ऐसा होता है- प्रत्येक मैनेजर अपनी पसंद के प्रत्याशी को तरक्की प्राप्त करने के सबसे बड़े उम्मीदवार के तौर पर पेश करता है। उस समय समिति के अन्य सदस्य यह जानना चाहते हैं कि ऐसा क्यों है।

इसलिए ऐसे समय आपको एक ऐसे मैनेजर का सहयोग होना चाहिए जो आपके बारे में सही छवि पेश कर सके। आपके मैनेजर के साथ अन्य ऐसे मैनेजर्स और एग्जीक्यूटिव्ज भी होंगे जिन्होंने आपके साथ काम किया है, वह भी अपने विचार रखेंगे। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि वह आपका सकारात्मक और असरकारी रूप सामने रखें। जाहिर है जब प्रत्येक मैनेजर अपने प्रत्याशी के पक्ष में बात सामने रखेगा, उस समय प्रतिस्पर्धा बहुत सख्त हो जाएगी। प्रत्याशियों की संभावी तरक्की के बारे में अधिकारियों के बीच यह मंत्रणा ईमानदार और कड़वी भी हो सकती है। यदि आपको कोई पसंद नहीं करता, तो वह भी ऐसे समय स्पष्ट हो जाता है। कई बाद हालात उस समय सचमुच बिगड़ जाते हैं जब अपने प्रत्याशी को किसी भी कीमत पर तरक्की दिलाने पर उतारू कोई मैनेजर अन्य प्रत्याशियों की बढ़-चढ़ कर बुराइयां करने लगता है। तो तरक्की पाने का आपका मौका तब अधिक होता है जब आपको -

- हाई परफॉरमेंस रिव्यूज मिले हों।
- आपने दिए गए सभी लक्ष्य प्राप्त कर लिए हों।
- आपने भावी सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने की शुरुआत कर दी हो।
- आपने टीम के कार्य पूरे कर दिए हों।
- कंपनी को बचत करने की विधि बताई हो।
- अतिरिक्त कार्यों की जिम्मेदारी ली हो।
- नए संबंध स्थापित किए हों।
- कार्य के दौरान ज्यादा देर तक काम किया हो।

परंतु कुछ बिंदु आपके खिलाफ भी जा सकते हैं यदि -

- समिति में सब आपको, आपके कार्य और उपलब्धियों से परिचित न हों।
- मंत्रणा के दौरान यदि ज्यादा लोगों ने आपके पक्ष में न बोला हो।
- आप दफ्तर की राजनीति से दूर रहते हों यानी आप समूचे 'खेल का हिस्सा' न हों।
- आपने दिए गए कार्य से अतिरिक्त कुछ और न किया हो।
- यदि नीति निर्धारक आपसे प्रभावित न हों और कम ही लोग आपके पक्ष में बात रख रहे हों।

यदि प्रोमोशन नहीं मिलती तब?

यदि ऐसा होता है तो तुरत-फुरत अपने रिज्यूमे अन्य स्थानों को भेजने न शुरू कर दें। इससे अनुभव लें और अगली बार के लिए तैयार रहें। कुछ उपाय-

बॉस से सही फीडबैक लें

प्रोमोशन से जुड़ी मीटिंग की अधिकाधिक जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करें। आपके बॉस बेशक ऐसे समय कुछ बातें आपको नहीं बताएं, परंतु फिर भी वह बिना नाम लिए जरूरी जानकारी आपको दे सकते हैं।

अपनी कमियों को भी जाहिर करें

रक्षात्मक न बनें। अपनी कमियों को दूर करने के लिए अपने बॉस के साथ काम करें। उदाहरण के लिए, यदि वरिष्ठ समूह कहता है कि आप वित्तीय मामलों में अधिक मजबूत नहीं हैं, तो कहें कि आप इस विषय में प्रशिक्षण लेने को तैयार हैं।

अगली मीटिंग का इंतजार न करें

यह कभी न सोचें कि आपका कार्य अपनी पहचान खुद बनेगा। आपका लक्ष्य होना चाहिए कि मीटिंग रूम में सब को आपकी उपलब्धियों का पहले से पता हो। इसके लिए कंपनी के हित में आपके कार्य के बारे में नीति निर्माताओं को समझाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करें।

तरक्की प्राप्त करने से जुड़े तीन उपाय

चूंकि अब आप जानते हैं कि इस दौरान 'खेल' खेला जाता है, तो प्रोमोशन प्राप्त करने से जुड़े कुछ उपाय जानिए।

बॉस को करें तैयार

इस बात पर ध्यान दें कि आपके बॉस के पास आपकी उपलब्धियों से जुड़ी सभी जानकारी दस्तावेजों के रूप में मौजूद हो।

बॉस को सहयोग दें

ऐसे कुछ बिंदुओं को तैयार करें जो बताएं कि आप क्यों आदर्श प्रत्याशी हैं। इन बिंदुओं के साथ अत्य तथ्यात्मक जानकारी भी दें जो कंपनी के हित से जुड़ी हो। कुछ बड़े ग्राहकों या उपभोक्ताओं से प्राप्त प्रशंसा पत्र आदि भी साथ रखें।

अन्य लोगों की प्रतिक्रियाओं का पूर्वानुमान

अपने सहयोगियों का लाभ लें और विरोधियों द्वारा संभावी नुकसान का आकलन करें। अपने बॉस को यह भी सूचना दें कि आपने मंत्रणा कक्ष में मौजूद लोगों की किस तरह मदद की थी। यदि कुछ विरोधी तत्व आपकी नजर में हैं तो उनकी जानकारी भी बॉस को दें। उनसे आपके बॉस कैसे निपटें, इस पर विचार किया जाना जरूरी होता है।

अप्रेजल का समय आने को है। इसके बहाने आप अपने कार्य की समीक्षा स्वयं भी कर सकते हैं। तो शुरुआत कीजिए इस कार्य की जो आपको इस वर्ष तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ाने जा रहा है। बता रहे हैं जोल गार्फिकल